{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 18 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण 15 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 172
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	76,070.84
निफ्टी	-	23,581.15
सोना	-	1,58,080
चांदी	-	2,75,000
डॉलर	-	92.40

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

बॉम्बे हाई कोर्ट ने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी को दी राहत

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने कई फिल्मों में दमदार रोल निभाकर फैंस के दिलों पर राज किया है। आज भले ही वो पहले की तरह बड़े पर्दे पर उतनी सक्रिय नहीं हैं, लेकिन वह हमेशा किसी न किसी वजह से खबरों में रहती हैं। फ़िलहाल शिल्पा शेट्टी एक बड़ी वजह से खबरों में हैं, शिल्पा की एक फोटो को लेकर कोर्ट में बड़ी बहस हुई। इसमें कोर्ट ने अहम आदेश दिए हैं और बॉम्बे हाई कोर्ट ने शिल्पा को राहत दी है। दरअसल कुछ महीने पहले शिल्पा के कुछ 'डीपफेक' वीडियो वायरल हुए थे। बॉम्बे हाई कोर्ट में शिल्पा शेट्टी ने एक याचिका फाइल की थी जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए बनाए गए डीपफेक वीडियो और फोटो को संबंधित वेबसाइट से हटाने की मांग की गई थी।

केसी त्यागी ने छोड़ी जदयू

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भरोसेमंद साथी रहे केसी त्यागी ने जेडीयू का साथ छोड़ दिया है। उन्होंने एक पत्र सोशल मीडिया पर शेयर किया है। केसी त्यागी ने अपने पत्र में कहा कि वह जेडीयू की सदस्यता रिन्यू नहीं कराएंगे। इसके साथ ही केसी त्यागी ने बड़ी घोषणा की है कि वह 22 मार्च को समान विचारधारा वाले नेताओं के साथ बैठक करेंगे और आगे की रणनीति तय करेंगे। केसी त्यागी ने अपने पत्र में कहा कि जेडीयू का अस्तित्व 30 अक्टूबर 2003 को शुरू हुआ, जब समता पार्टी और जनता दल का विलय हुआ। उन्होंने कहा कि जॉर्ज फर्नांडिस अध्यक्ष थे और मैं जनरल सेक्रेटरी था और पार्टी ने एकजुट होकर काम किया। मैंने शरद यादव और अध्यक्ष के रूप में नीतीश कुमार के साथ काम किया।

चार धाम यात्रा में सनातन धर्म में श्रद्धालुओं को अपनी आस्था का एफिडेविट देना होगा

नई दिल्ली। हर साल लाखों श्रद्धालु केदारनाथ धाम और बद्रीनाथ धाम के दर्शन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन इस बार यात्रा शुरू होने से पहले ही एक बड़ा बदलाव सामने आया है। अब इन धामों में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को अपनी आस्था साबित करनी होगी, जिसके लिए एफिडेविट देना होगा। इस फैसले के बाद सबसे ज्यादा चर्चा बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान को लेकर हो रही है। इस पर बद्री-केदार मंदिर समिति के चेयरमैन हेमंत द्विवेदी ने कहा कि अगर सारा अली खान भी केदारनाथ धाम दर्शन के लिए आती हैं, तो उन्हें भी सनातन धर्म में अपनी आस्था का एफिडेविट देना होगा।

ट्रंप का नाटो पर तीखा हमला, बोले-

ईरान के खिलाफ हमें तुम्हारी जरूरत नहीं

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकांश नाटो सहयोगी देश अमेरिका-इजरायल के ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान में शामिल होने से इनकार कर रहे हैं।

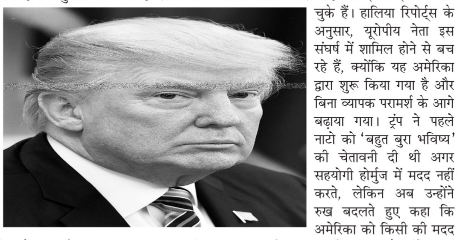

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका को इनकी मदद की कोई आवश्यकता नहीं है और उन्होंने गठबंधन को 'एकतरफा' करार देते हुए कहा कि यह उनकी 'मूर्खतापूर्ण गलती' है।

ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट में लिखा कि हमारे अधिकांश नाटो 'सहयोगी' ने हमें सूचित किया है कि वे ईरान के आतंकवादी शासन के खिलाफ हमारे सैन्य अभियान में शामिल नहीं होना चाहते, जबकि लगभग हर देश हमारे कार्यों से सहमत है और ईरान को परमाणु हथियार नहीं रखने देना चाहता।

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ने ईरान की सेना पर 'पूर्ण सैन्य सफलता' हासिल कर ली है, जिसमें नौसेना, वायुसेना, विमान-रोधी सिस्टम और रडार सब नष्ट हो चुके हैं। ट्रंप ने दावा किया, शायद सबसे महत्वपूर्ण, उनके नेता अब कभी हमें, हमारे मध्य पूर्वी सहयोगियों या दुनिया को धमकी नहीं दे पाएंगे।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने नाटो से 'निराशा' जताई और कहा कि मुझे आश्चर्य नहीं हुआ। मैं हमेशा से नाटो को एकतरफा मानता आया हूं ङ्क हम इन देशों की रक्षा के लिए सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर वे हमारे लिए कुछ नहीं करते। उन्होंने जापान, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया का भी जिक्र करते हुए कहा कि इन मामलों में भी अमेरिका को अकेले ही काम करना पड़ता है।

यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के साथ चल रहे संघर्ष में फोकस स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर शिफ्ट हो गया है। ईरान ने इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को बंद करने की कोशिश की है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ट्रंप ने पहले कई देशों से -यहां तक कि चीन से भी -युद्धपोत भेजने की अपील की थी ताकि मार्ग सुरक्षित रहे, लेकिन अधिकांश सहयोगी इससे इनकार कर चुके हैं। हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूरोपीय नेता इस संघर्ष में शामिल होने से बच रहे हैं, क्योंकि यह अमेरिका द्वारा शुरू किया गया है और बिना व्यापक परामर्श के आगे बढ़ाया गया। ट्रंप ने पहले नाटो को 'बहुत बुरा भविष्य' की चेतावनी दी थी अगर सहयोगी होर्मुज में मदद नहीं करते, लेकिन अब उन्होंने रुख बदलते हुए कहा कि अमेरिका को किसी की मदद की जरूरत नहीं। यह उनके लंबे समय से चले आ रहे नाटो आलोचना के अनुरूप है, जहां वे गठबंधन पर 'फ्री राइड' लेने का आरोप लगाते रहे हैं।

ईरान-अमेरिका-इजरायल संघर्ष फरवरी 2026 से तेज हो गया है, जिसमें इजरायल ने ईरान के वरिष्ठ नेताओं पर हमले किए हैं। तेल की कीमतें बढ़ रही हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव है, लेकिन नाटो सहयोगी इसे 'हमारा युद्ध नहीं' बताकर दूर रह रहे हैं।

ट्रंप का दावा, ईरान पर हमला नहीं करने के लिए एक पूर्व राष्ट्रपति ने जताया खेद

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया है कि एक पूर्व राष्ट्रपति ने ईरान पर हमला नहीं करने को लेकर खेद जताया है। एक पूर्व राष्ट्रपति ने निजी तौर पर कहा, 'काश मैंने भी वही किया होता जो आपने किया।' यह बात ईरान पर हमले और उसके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को मारने के संदर्भ में कही। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में सोमवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह दावा किया, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि वह चार जीवित पूर्व राष्ट्रपतियों में से किसका जिक्र कर रहे हैं। ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति का नाम यह कहकर उजागर नहीं किया कि वह उनको किसी परेशानी में डालना नहीं चाहते। जब एक पत्रकार ने पूछा कि क्या वह पूर्व राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश हैं, जो रिपब्लिकन हैं। इस पर ट्रंप ने 'नहीं' में जवाब दिया। चार जीवित पूर्व राष्ट्रपतियों में बुश के अलावा बिल क्लिंटन, बराक ओबामा और जो बाइडन हैं। ये तीनों डेमोक्रेट हैं। ट्रंप वर्षों से इन तीनों का माखौल उड़ाते रहे हैं।

हालांकि इन तीनों पूर्व राष्ट्रपतियों से जुड़े लोगों ने कहा कि हालिया समय में उनकी ट्रंप से कोई बातचीत नहीं हुई। जबकि ट्रंप ने अपने दावे में कहा कि वह एक डेमोक्रेट के बारे में बात कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, 'देखिए, 47 वर्षों में कोई भी राष्ट्रपति वह करने को तैयार नहीं था, जो मैं कर रहा हूं। उन्हें बहुत पहले कर लेना चाहिए था।'

पैदा हुए और गोद लिए गए बच्चे में कोई अंतर नहीं, महिलाओं को मातृत्व अवकाश से वंचित रखना असंवैधानिक

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसला सुनाकर व्यवस्था दी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसला सुनाकर व्यवस्था दी है कि किसी महिला के गर्भ (कोख) से पैदा हुए बच्चे और गोद लिए गए बच्चे में कोई अंतर नहीं होगा। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने कहा कि तीन माह से अधिक उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिलाओं को मातृत्व अवकाश से वंचित करना असंवैधानिक है। शीर्ष अदालत ने साफ किया कि ऐसी महिलाओं को भी 12 सप्ताह का मातृत्व अवकाश मिलना चाहिए।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि मातृत्व संरक्षण का उद्देश्य इस बात पर निर्भर नहीं करता कि बच्चा परिवार में कैसे आया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ‌ऋजो महिलाएं बड़े बच्चे को गोद लेती हैं, वे भी उसी स्थिति में हैं, जैसे कोई महिला तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेती है ऋ पीठ ने कहा, हालांकि, पारंपरिक रूप से रिश्तेदारी को समझने का मुख्य आधार जीव विज्ञान (बायोलॉजी) रहा है, लेकिन गोद लेना भी परिवार बनाने का उतना ही सही तरीका है। पीठ के जजों ने कहा कि परिवार का आधार जीव विज्ञान नहीं, बल्कि आपसी जुड़ाव और साझा भावनाएँ होती हैं। सिर्फ जैविक कारक ही परिवार तय नहीं करते। गोद लिया हुआ बच्चा, अपने सगे बच्चे से किसी भी तरह अलग नहीं होता ऋ

सुप्रीम कोर्ट ने माना कि सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 की धारा 60(4) के तहत उम्र से जुड़ी ऐसी पाबंदियाँ, संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन करती हैं। धारा में यह प्रावधान था कि महिलाएँ मातृत्व अवकाश की हकदार तभी होंगी, जब वे 3 महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लें। हालांकि, अदालत ने इस धारा को निरस्त नहीं किया, बल्कि इसकी व्याख्या करते हुए महिलाओं के अधिकारों का विस्तार किया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि गोद लेना परिवार बनाने का एक समान और वैध तरीका है। अदालत ने टिप्पणी की, ऋगोद लिया गया बच्चा तथाकथित 'जैविक' बच्चे से अलग नहीं होता। यह मातृत्व और पितृत्व की गहरी स्वीकृति है। अदालत की पीठ ने कहा कि कानूनी प्रक्रियाओं के चलते तीन महीने से कम उम्र के बच्चों को गोद लेना बहुत कम मामलों में संभव होता है, इसलिए यह शर्त व्यावहारिक रूप से भी अनुचित है।

पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति से की बात, होर्मुज से निर्बाध परिवहन पर बनी सहमति

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल-नहयान से फोन पर बात की और पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने यूएई पर हमलों की एक बार फिर निंदा की। इन हमलों में आम लोगों की जान गई और नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। दोनों नेताओं ने होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और स्वतंत्र नौवहन सुनिश्चित करने के महत्व पर सहमति जताई और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता बहाल करने के लिए साथ काम जारी रखने की बात कही।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से बात कर उन्हें ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दीं और पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा की। उन्होंने यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा दोहराते हुए, निर्दोष लोगों की मौत और नागरिक ढांचे को हुए नुकसान पर चिंता जताई।

दोनों नेताओं ने होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा व स्थिरता बहाल करने के लिए, मिलकर काम जारी रखने पर सहमति जताई।

मंत्री को रोकते हुए बोले बिरला...

आप भाषण क्यों दे रहे हैं? जितना पूछा जाए उतना जवाब दें

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों और मंत्रियों से संक्षिप्त संवाद करने की अपील फिर से की। सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री बीएल वर्मा तेलुगुदेशम पार्टी (तेदेपा) के सदस्य जीएम हरीश बालयोगी के पूरक प्रश्न का उत्तर देते समय लंबा भाषण दे रहे थे, तब लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने उन्हें रोकते हुए कहा, ऋआप भाषण क्यों दे रहे हैं? जितना पूछा जाए, उतना जवाब दें। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि प्रश्नकाल में समय का सदुपयोग सुनिश्चित करने के लिए उन्हें संक्षिप्त उत्तर देने की कोशिश करनी चाहिए।

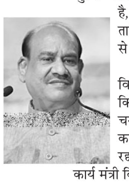

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने सदस्यों से आग्रह किया कि वे संक्षिप्त प्रश्न पूछें ताकि सूचीबद्ध सभी 20 प्रश्न समय पर पूछे जा सकें। प्रश्नकाल के दौरान ही उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि ऋसमय कम है, मंत्रीजी को लंबा जवाब देना है,ऋ ताकि सदन में कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके।

लोकसभा ने विपक्ष के आठ सांसदों का निलंबन रद्द किया

इसके साथ ही लोकसभा ने विपक्ष के आठ सांसदों का निलंबन रद्द किया। ये सांसद बजट सत्र के पहले चरण में सदन की अवमानना के कारण निलंबित किए गए थे। निलंबन रद्द करने का प्रस्ताव संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजीजू ने रखा, इस प्रस्ताव को सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दी। इससे पहले कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुन्निल सुरेश ने निलंबन रद्द करने का अनुरोध किया और विपक्षी सांसदों के आचरण पर खेद जताया।

निलंबन के कारण तीन फरवरी को बजट सत्र के दौरान कुछ विपक्षी सांसदों द्वारा आसन की ओर कागज फेंकना और अन्य असभ्य व्यवहार था। निलंबित सांसदों में कांग्रेस के माणिकम टैगोर, अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले, किरण कुमार रेड्डी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एस. वेंकटेशन शामिल थे। निलंबन के दौरान ये सांसद संसद के मकर द्वार पर धरना देते रहे। इस घटनाक्रम से स्पष्ट हुआ कि लोकसभा अध्यक्ष का प्रयास सदन की कार्यवाही को समयबद्ध और व्यवस्थित बनाना है, जबकि निलंबन रद्द करने से विपक्ष और सरकार के बीच सामंजस्य का संकेत भी मिला।

पॉक्सो एक्ट के दोषी को कोर्ट ने सुनाई चार साल की सजा

सरायकेला। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रामाशंकर सिंह की अदालत ने मंगलवार को पॉक्सो एक्ट मामले की सुनवाई की।सुनवाई के दौरान नाबालिक के साथ अश्लील रूप से शारीरिक छेड़छाड़ करने के आरोपी हिमांशु पांडे को दोषी करार देते हुए चार वर्ष का सश्रम कारावास और 2 हजार रुपया जुर्माना की सजा सुनाई है।जुर्माना नहीं देने पर दोषी को 2 माह का अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी।इसके साथ ही अदालत ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 354 के तहत 2 वर्ष का सश्रम कारावास एवं एक हजार रुपए जुर्माना, जुर्माना नहीं देने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास। आईपीसी की धारा 504 के तहत एक वर्ष का सश्रम कारावास एवं 500 रुपया जुर्माना, जुर्माना नहीं देने पर 15 दिन का अतिरिक्त कारावास तथा आईपीसी की धारा 506 के तहत 2 वर्ष का सश्रम कारावास एवं एक हजार रुपए जुर्माना, जुर्माना नहीं देने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई है।सभी धाराओं में सजा साथ साथ चलेगी।मामला आदित्यपुर थाना क्षेत्र का है।मामले को लेकर पीड़िता के पिता ने 16 मई 2022 को आदित्यपुर थाना में हिमांशु पांडे के खिलाफ लिखित मामला दर्ज कराया था।दर्ज मामले में कहा गया था कि 14 मई की शाम उनकी बेटी कुछ घरेलू समान लाने के लिए दुकान जा रही थी।दुकान जाने के लिए वह लिफ्ट का इंतजार कर रही थी।जब लिफ्ट पहुंचा तो उसमें से हिमांशु पांडे बाहर निकाला।उसने पीड़िता को अकेली पाकर गलत तरीके से उसके शारीरिक अंगों के साथ छेड़ छाड़ करने लगा।पीड़िता ने जब इसका विरोध किया तो अभियुक्त ने उसके साथ गाली गलौज करने लगा और किसी को भी यह बात बताने पर जान से मारने की धमकी दी।पीड़िता डर कर वहां से भाग कर अपने घर आई और अपनी मां को सारी बात बताई।पीड़िता के पिता ने जब हिमांशु पांडे के परिजनों से इस संबंध में बात करने का प्रयास किया तो हिमांशु ने उन्हें गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी।इसके बाद 16 मई को पीड़िता के पिता ने आदित्यपुर थाना में लिखित मामला दर्ज कराया।

ममता बनर्जी भवानीपुर से लड़ेंगी चुनाव

टीएमसी ने जारी की 291 उम्मीदवारों की सूची

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 291 सीटों के लिए पार्टी के उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इस सूची के साथ ही राज्य में चुनावी मुकाबले की तस्वीर साफ होने लगी है। ममता बनर्जी ने कोलकाता के कालीघाट स्थित अपने आवास से उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की और कहा कि पार्टी इस बार भी जीत की परंपरा को बनाए रखने के लिए पूरी ताकत से चुनाव मैदान में उतरेगी।

ममता बनर्जी ने उम्मीदवारों की घोषणा करते हुए कहा कि पार्टी ने इस बार अनुभव और नए चेहरों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है। सूची में कई मौजूदा विधायकों को फिर से मौका दिया गया है, जबकि कुछ सीटों पर नए चेहरों को उतारा गया है। खास बात यह है कि इस बार भी भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी खुद चुनाव लड़ेंगी, जहां उनका मुकाबला भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी से होने की संभावना जताई जा रही है।

कुछ ना कहना

24 घंटे में गारंटी के साथ पार्सल की डिलीवरी

देरी होने पर मिलेगा पूरा पैसा, डाक विभाग की 3 प्रीमियम सर्विस लॉन्च

नई दिल्ली। अब आप इंडिया पोस्ट के जरिए अपने जरूरी डॉक्यूमेंट्स या पार्सल 24 घंटे के अंदर भेज सकेंगे। भारतीय डाक विभाग ने आज 17 मार्च को 3 नई प्रीमियम सर्विस लॉन्च की हैं। इस सर्विस में डाक विभाग से आपको लिखित गारंटी मिलेगी। खास बात ये है कि अगर तय समय में डिलीवरी नहीं हुई तो मनी-बैक गारंटी के तहत आपको पूरे पैसे वापस मिलेंगे।

डाक विभाग ने जो 3 नई सर्विस लॉन्च किया है उसमें पहली है 24 स्पीड पोस्ट जिसमें आपके जरूरी डॉक्यूमेंट्स बुकिंग के अगले दिन पहुंच जाएंगे। दूसरी 24 स्पीड पोस्ट पार्सल यह भारी सामान या बॉक्स के लिए है, जिसे 24 घंटे के अंदर डिलीवर करने की गारंटी है। तीसरी 48 स्पीड पोस्ट इसमें आपके पार्सल को पहुंचने में 2 दिन (48 घंटे) का समय लगेगा, यह थोड़ा सस्ता विकल्प हो सकता है।

दिल्ली-मुंबई समेत 6 शहरों में पहले फेज की शुरुआत

डाक विभाग ने इस सर्विस को फिलहाल देश के 6 प्रमुख मेट्रो शहरों में शुरू किया है। इनमें दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद शामिल हैं। इन शहरों में डिलीवरी के टाइमलाइन को पूरा करने के लिए विभाग ने अलग से प्रोसेसिंग यूनिट्स बनाई हैं और पार्सल भेजने के लिए हवाई जहाज का इस्तेमाल होगा।

30 लाख करोड़ का होगा ई-कॉमर्स मार्केट

सर्विस लॉन्च करते हुए दिल्ली के आकाशवाणी भवन से ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यह इंडिया पोस्ट के लिए बदलाव का समय है। उन्होंने बताया कि भारत का ई-कॉमर्स बाजार अभी करीब 11 लाख करोड़ रुपए का है, जिसके 2030 तक 3 गुना बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपए होने की उम्मीद है।

धार भोजशाला विवाद

मप्र हाईकोर्ट 2 अप्रैल से पहले करेगा परिसर का निरीक्षण

इंदौर । मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला/कमाल मौला मस्जिद परिसर से जुड़े अनेक विवादों को देखकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया। न्यायालय ने कहा कि वह 2 अप्रैल को होने वाली नियमित सुनवाई से पहले स्वयं विवादित परिसर का निरीक्षण करेगा। जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि इस निरीक्षण के दौरान मामले से जुड़े किसी भी पक्ष को वहां उपस्थित रहने की अनुमति नहीं होगी।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने मौखिक टिप्पणी कर कहा, मामले में उत्पन्न अनेक विवादों को देखकर हम स्वयं परिसर का दौरा और निरीक्षण करना चाहते हैं। खंडपीठ ने विभिन्न अंतरिम आवेदनों को स्वीकार करते हुए सभी पक्षों को यह मौका दिया कि वे अगली सुनवाई तक अपने दस्तावेज और हलफनामे प्रस्तुत कर सकते हैं। इंदौर कोर्ट ने कहा कि सभी पक्षों को अपनी बात रखने का पूरा मौका दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने पूर्व में उच्च न्यायालय के आदेश पर परिसर का वैज्ञानिक सर्वे किया था और 2,000 से अधिक पृष्ठों की विस्तृत रिपोर्ट सौंपी थी। रिपोर्ट में एएसआई ने संकेत दिया है कि मस्जिद के निर्माण से पहले वहां परमार राजाओं के शासनकाल की एक विशाल संरचना मौजूद थी। रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान विवादित ढांचा प्राचीन मंदिरों के अवशेषों को पुनउपयोग में लेकर बनाया गया है। सर्वे के दौरान मिले नक्काशीदार खंभों, मूर्तियों के अंशों और शिलालेखों से यह सिद्ध होता है कि यहां परमार काल में साहित्यिक और शैक्षिक गतिविधियों से जुड़ी एक बड़ी संरचना (सरस्वती मंदिर) अस्तित्व में थी।

दोनों पक्षों के अपने दावे

हिंदू पक्ष का दावा है कि एएसआई सर्वे में मिले सिक्के, मूर्तियां और शिलालेख यह प्रमाणित करते हैं कि यह परिसर मूल रूप से देवी सरस्वती का मंदिर है। वहीं दूसरी ओर, मुस्लिम पक्ष ने इस सर्वे पर सवाल उठाकर आरोप लगाया है कि एएसआई ने उनकी आपत्तियों को नजरअंदाज किया। मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी के अब्दुल समद के अनुसार उन्होंने कोर्ट से सर्वे की वीडियोग्राफी और रंगीन तस्वीरें उपलब्ध कराने की मांग की है।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाईन की स्वास्थ्य विभाग की लंबित शिकायतों की समक्ष में की सुनवाई

02 दिनों के भीतर प्रसूति सहायता व जननी सुरक्षा योजना के प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 17 मार्च को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को समक्ष में बुलाकर उनके विभाग से संबंधित सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतें के निराकरण के लिए समक्ष में सुनवाई की। इस दौरान 200 दिनों से अधिक की लंबित शिकायतों को सुना गया और उनका निराकरण कराया गया। इस दौरान प्रसूति सहायता व जननी सुरक्षा योजना के लंबित प्रकरणों का 02 दिनों के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिये गए। समक्ष में सुनवाई के पूर्व ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा 200 से अधिक प्रकरणों का निराकरण कर हितग्राहियों का भुगतान कर दिया गया है। इस दौरान प्रभारी सीएचएमओ डॉ. ऋत्विक पटेल, सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन, डीपीएम विक्रय सिंह ठाकुर, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला सोलंकी उपस्थित थी।

ताराचंद दुधबुरे द्वारा सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी कि उनकी पत्नी सरिता का नसबंदी ऑपरेशन असफल हो गया था, जिसके कारण उन्हें अब तक मुआवजा नही मिला है। यह शिकायत 511 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन द्वारा बताया गया कि इस शिकायत का निराकरण कर दिया गया है और मुआवजा राशि के लिए प्रकरण शासन को भेज दिया गया है।

संध्या पंचेश्वर द्वारा शिकायत की गई थी कि 05 अप्रैल 2024 को जिला चिकित्सालय बालाघाट में उसका प्रसव हुआ था लेकिन उसे जननी सुरक्षा योजना और प्रसूति सहायता योजना की राशि नही मिली है। यह शिकायत निराकरण के लिए 381 दिनों से लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन द्वारा बताया गया कि संध्या पंचेश्वर का समग्र आईडी अनमोल साफ्टवेयर में अपडेट नही होने के कारण उसका भुगतान नही हो पाया था। अब उसका समग्र आईडी अनमोल साफ्टवेयर में अपडेट कर दिया गया है और भुगतान प्रचलन में है। इस शिकायत को अब बंद कर दिया गया है। इसी प्रकार की शिकायत सिवनी जिले के केवलारी की राजेश्वरी खैरवार एवं बालाघाट जिले की पायल पांजरे द्वारा सीएम हेल्पलाईन में की गई थी। राजेश्वरी की शिकायत 364 दिनों से एवं पायल की शिकायत 353 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। अब इन शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है।

बालाघाट जिले के हरीश चौबे द्वारा पत्नी भूमेश्वरी चौबे को प्रसव के बाद प्रसूति सहायता की राशि नही मिलने की सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी। यह शिकायत 364 दिनों से लंबित थी। इसी प्रकार ग्राम नवेगांव-3 के नेतलाल नगपुरे द्वारा पत्नी आशा नगपुरे एवं कटंगी की कविता पंचतिलक द्वारा प्रसव के उपरांत प्रसूति सहायता की राशि नही मिलने के संबंध में सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी। यह दोनो शिकायत 300 से अधिक दिनों से लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान बताया गया कि इन तीनों प्रकरणों में सहायता राशि का भुगतान कर दिया गया है और इन शिकायतों को बंद कर दिया गया है।

02 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस, 01 की सेवा समाप्ति के प्रस्ताव शासन को भेजने के निर्देश

गर्भवती माताओं को प्रसव के उपरांत प्रसूति सहायता एवं जननी सुरक्षा योजना की राशि के प्रकरण तैयार करने में लापरवाही बरते जाने के कारण कलेक्टर श्री मीना ने जिला चिकित्सालय के लखन बिसेन एवं दीपक तुरकर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार प्रसव के उपरांत माताओं की डाटा एंट्री में लापरवाही बरते जाने के कारण कर्मचारी राखी की सेवा समाप्त करने का प्रस्ताव शासन को भेजने के निर्देश दिये गए। इसके साथ ही उन्होंने डीपीएम विक्रम सिंह ठाकुर को भी इस कार्य की ठीक से निगरानी नही करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

In The Court Of Pranesh Kumar Pran,Principal District Judge,District Court,Balaghat
Presiding Officer- प्राणेश कुमार प्राण
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCA/0000034/2022)
रामप्रसाद बिसेन......................वादी/अपीलार्थी
Vs
इशुलाल.......................प्रतिवादी / उत्तरवादीगण
Process Id-/2026
पेशी तारीख- 16/04/2026
प्रेषिती-
(1) श्यामलाल कोल्ते पिता स्व0 इशुलाल पता- निवासी ग्राम रट्टा पोस्ट अमेडा तहसील व जिला बालाघाट मप्र
(2) सावनलाल कोल्ते पिता स्व0 इशुलाल पता- निवासी ग्राम रट्टा पोस्ट अमेडा तहसील व जिला बालाघाट म प्र
(3) श्रीमती सम्पता बाई कोल्ते पति स्व0 इशुलाल पता- निवासी ग्राम रट्टा पोस्ट अमेडा तहसील व जिला बालाघाट म.प्र.
(4) तीजूलाल पिता प्रेमलाल पता-निवासी ग्राम रट्टा पोस्ट अमेडा तहसील व जिला बालाघाट म प्र
(5) छोटीबाई ठाकरे पति रमेश पता- निवासी ग्राम वार्ड नंबर 16 ग्राम गर्रा जिला बालाघाट म प्र।
यह कि प्रार्थी रामप्रसाद बिसेन ने आपके विरूद्ध आवेदन पत्र अंतर्गत आदेश 5 नियम 20 सहपठित धारा 151 व्य प्र सं के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 16 March 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायाधीश
कृपया ध्यान दें-
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय परसवाडा में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के परसवाड़ा स्थित सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विद्यालय प्रबंधन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विद्यालय से 5 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले अभिभावकों के बच्चों के लिए चत्त-1 एवं कक्षा पहली में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।चत्त-1 में प्रवेश के लिए आयु सीमा 4 वर्ष से 5 वर्ष 6 माह (31 जुलाई 2026 तक) निर्धारित की गई है, जबकि कक्षा पहली में प्रवेश के लिए आयु सीमा 6 वर्ष से 7 वर्ष 6 माह (30 सितंबर 2026 तक) तय की गई है।

प्रवेश के इच्छुक अभिभावक 18 मार्च 2026 से विद्यालय कार्यालय समय में आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र प्राप्त करने से पूर्व स्थायी निवास प्रमाण पत्र एवं जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

विद्यालय प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि यदि आवेदन में दी गई जानकारी त्रुटिपूर्ण या भ्रामक पाई जाती है, तो संबंधित अभ्यर्थी का प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा। साथ ही, आवेदन की संख्या अधिक होने की स्थिति में चयन प्रक्रिया लॉटरी प्रणाली के माध्यम से की जाएगी। प्राचार्य, सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय परसवाड़ा ने पात्र अभिभावकों से समय सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है।

पीजी कॉलेज बालाघाट में अतिथि व्याख्यान का हुआ आयोजन, सिंधु घाटी सभ्यता पर हुआ विस्तृत विमर्श

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में मंगलवार 17 मार्च 2026 को इतिहास विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, नर्मदापुरम संभाग भोपाल के अधिकारी डॉ. डी.पी. ग्वालवंशी उपस्थित रहे। उन्होंने इतिहास विषय के अंतर्गत सिंधु घाटी सभ्यता के उद्भव, विकास एवं विस्तार पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. ग्वालवंशी ने बताया कि 1921 में सर जॉन मार्शल के निर्देशन में हड़प्पा की खुदाई प्रारंभ हुई, जिसने प्राचीन भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर किया। उन्होंने सांची के बौद्ध स्तूपों की खोज में भी जॉन मार्शल के योगदान का उल्लेख किया। व्याख्यान के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से प्रश्न पूछकर उनकी सहभागिता सुनिश्चित की। इसके साथ ही उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। इतिहास विभाग की डॉ. रचना कोरी ने भी विषय से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। कार्यक्रम का संचालन सुश्री प्राशु गौतम ने किया, जबकि डॉ. आशा गोहे ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट (म.प्र.)
रा.प्र.क्र. 0055/ड-154/2025-26
मौजा खैरगोंदी, रा.नि.मं. लालबर्रा
आम सूचना
एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोहन उइके पिता धरमसिंग उइके जाति गोंड, निवासी ग्राम खैरगोंदी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा खैरगोंदी, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माताजी गुणवन्ती बाई पति धरमसिंह का अनुज्ञा प्रमाण पत्त रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 27.05.2009 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम खैरगोंदी के अंतर्गत आवेदन पत्त इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 23.03.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 17.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।
स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 18.03.2026
भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

सचिव को हटाने की मांग, जनसुनवाई में सरपंच-पंचों ने सौंपा आवेदन, लगाए गंभीर आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनसुनवाई में ग्राम पंचायत किन्ही के सरपंच सहित पंचायत के कई पंचों ने सचिव को हटाने की मांग को लेकर कलेक्टर को आवेदन सौंपा। सरपंच सुरेंद्र उपवंशी के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने सचिव जयप्रकाश कातरे की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए उन्हें तत्काल पंचायत से हटाने की मांग की है। सरपंच सुरेंद्र उपवंशी ने बताया कि सचिव की कार्यशैली से न केवल जनप्रतिनिधि बल्कि ग्रामीण भी बेहद परेशान हैं। उनका आरोप है कि पंचायत से जुड़े छोटे-बड़े कार्यों के लिए बार-बार कहने के बावजूद सचिव द्वारा समय पर काम नहीं किया जाता। कई बार जरूरी कार्य लंबित पड़े रहते हैं, जिससे पंचायत के विकास कार्यों पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सचिव से संपर्क करना भी एक बड़ी समस्या बना हुआ है। जब भी उन्हें दूरभाष के माध्यम से संपर्क किया जाता है, तो वे कॉल रिसीव नहीं करते और न ही वापस संपर्क करने का प्रयास करते हैं। इससे पंचायत के कार्यों में अनावश्यक देरी हो रही है और आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरपंच ने यह भी आरोप लगाया कि शासकीय राशि के उपयोग में भी अनियमितताएं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत के कार्यों में पारदर्शिता का अभाव है और खर्चों को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं दी जाती, जिससे संदेह की स्थिति बनी हुई है। जानकारी देते हुए सरपंच ने बताया कि सचिव जयप्रकाश कातरे लगभग एक वर्ष से ग्राम पंचायत किन्ही में पदस्थ हैं और इस पूरे कार्यकाल के दौरान उनकी कार्यप्रणाली को लेकर लगातार असंतोष बना हुआ है। कई बार मौखिक रूप से समझाइश देने के बावजूद उनके व्यवहार और काम करने के तरीके में कोई सुधार नहीं आया है। सरपंच सुरेंद्र उपवंशी ने यह भी कहा कि सचिव का अन्य ग्राम पंचायतों में भी विवादों से जुड़ा रहा है और वर्तमान में भी यहां पंचायत के सदस्यों के साथ उनके संबंध अच्छे नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सचिव की कार्यशैली के कारण पंचायत का माहौल प्रभावित हो रहा है और विकास कार्य बाधित हो रहे हैं। जनसुनवाई में पहुंचे पंचों ने भी सरपंच के आरोपों का समर्थन करते हुए कहा कि सचिव के रहते पंचायत का सुचारू संचालन संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पंचायत की पूरी बॉडी अब सचिव को हटाने के पक्ष में है और सभी सदस्य एकमत होकर यह मांग कर रहे हैं।

झूलेलाल जयंती पर चेट्रीचंड्र महोत्सव की धूम, शहर में होंगे विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में झूलेलाल जयंती एवं सिंधी नववर्ष के पावन अवसर पर चेट्रीचंड्र महोत्सव इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। पूज्य सिंधी पंचायत समिति बालाघाट द्वारा आयोजित इस महोत्सव के तहत 17 मार्च से 20 मार्च तक विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। महोत्सव की शुरुआत 17 मार्च, मंगलवार को सिंधु भवन में आयोजित रक्तदान शिविर से होगी, जो प्रात: 10:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक चला । इसके बाद 18 मार्च, बुधवार को रात्रि 8 बजे से सिंधु भवन में आनंद मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समाज के लोग बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। 19 मार्च, गुरुवार को शाम 5 बजे महिला स्कूटर रैली निकाली जाएगी, जो सिंधु भवन से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करते हुए पुन: वहीं समाप्त होगी। इसी दिन रात्रि 8 बजे एक शाम झूलेलाल के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन सिंधु भवन में किया जाएगा। 20 मार्च, शुक्रवार को कार्यक्रमों की शुरुआत प्रात: 8:30 बजे पुरुषों की मोटर साइकिल रैली से होगी, जो सिंधु भवन से निकलकर नगर भ्रमण करेगी। इसके पश्चात प्रात: 10:30 बजे सिंधी कॉलोनी स्थित श्री झूलेलाल मंदिर में अभिषेक, हवन एवं पूजन का आयोजन किया जाएगा, वहीं दोपहर 11:30 बजे सिंधु भवन स्थित मंदिर में भी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक सिंधु भवन में भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। वहीं शाम 5:30 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो श्री झूलेलाल मंदिर, सिंधु भवन से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मोती तालाब पर संपन्न होगी। शोभायात्रा के पश्चात पुन: सिंधु भवन में भंडारे की व्यवस्था रहेगी। साथ ही सभी समाजबंधुओं एवं शहरवासियों से अपील की गई है कि 20 मार्च को अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रमों में भाग लें और आयोजन को सफल बनाएं।

कार्यालय-ग्राम पंचायत डोंगरमाली
जनपद पंचायत वारासिवनी जिला बालाघाट म.प्र.
नीलामी की सूचना
सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि जनपद पंचायत वारासिवनी के अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरमाली का साप्ताहिक बैठकी, मवेशी बाजार, दैनिक गुजरी एवं पशु पंजीयन फीस संग्रह हेतू निलामी वर्ष २०२६-२७ के लिये अर्थात ०१/०४/२०२६ से ३१/०३/२०२७ तक की अवधी के लिये दिनांक २०/०३/२०२६ दिन शुक्रवार को दोप १२ बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन डोंगरमाली में निलामी किया जावेगा।
शर्ते-सभी ठेकों की निलामी पट्टा नियम १९९५ के प्रावधानों के तहत होना है, बोली स्वीकार करने पर बोलीदार को १००० स्टाम्प पर अनुबंध पत्र कराने एवं बाजार में लिखे नाम बोर्ड लगाने के पश्चात ही वसूली का अधिकार होगा,स्वीकार बोली की पुर्ण राशि तत्काल जमा करना होगा,बोली लगाये जाने हेतु एक लाख रूपये जमा करना होगा,विवाद की स्थिति में पंचायत के द्वारा लिया गया निर्णय सर्वमान्य होगा,निलाम की शर्ते तथा विस्तृत जानकारी कार्यालयीन समय पर अवकाश का दिन छोड़कर देखी जा सकेंगी,शासन कि सभी शर्ते लागू रहेगी, शुक्रवार बाजार के दिन मंडई /मेला पड़ता है तो उस दिन की वसूली ठेकेदार के द्वारा नहीं कि जायेगी,बाजार निलामी ठेका राशि नियत समय पर जमा नही करने पर ठेकेदार को सूचना दिये ठेका निरस्त कर दूसरी बोली वाले ठेकेदार को बाजार दिया जावेगा, अंतिम निर्णय लेने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा,कोविड.१९ महामारी से बचाव हेतु शासन के निर्देश का पालन करना होगा।
नोट-निलामी के पश्चात निलामी की राशि एक मुश्त जमा करना अनिवार्य होगा। नही करने जो जमा राशि एक लाख रूपये वह वापसी योग्य नही होगी।
पर्याप्त बोली नही आने पर ३ दिन के भीतर पुन: निलामी रखी जावेगी ।
विनीत: मनोज लिल्हारे सरपंच, रामेश्वर मेश्राम उपसरपंच, महेश कुम्भारे पंचायत समन्वय अधिकारी, राजेन्द्र प्रसाद ठकरेले सचिव,श्रीमती प्रियंका नगपुरे सहायक सचिव एवं समस्त पंच ग्राम पंचायत डोंगरमाली जनपद पंचायत वारासिवनी

सीनियर सिटीजन फोरम का होली मिलन समारोह संपन्न, गीत-चुटकुलों से सजा कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला सीनियर सिटीजन फोरम बालाघाट द्वारा होली पर्व के उपलक्ष्य में स्थानीय गुजरी स्थित एक प्रतिष्ठान में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर उत्साह और उमंग के साथ होली का त्योहार मनाया।

कार्यक्रम में पहुंचे वरिष्ठ नागरिकों के बीच आत्मीयता और अपनत्व का माहौल देखने को मिला। सभी सदस्यों ने एक-दूसरे से मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं और पुराने दिनों की यादें ताजा कीं। आयोजन में 50 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम का माहौल और भी जीवंत हो गया। फोरम के सदस्य शिखर बाघरेचा ने जानकारी देते हुए बताया कि सीनियर सिटीजन फोरम द्वारा प्रतिवर्ष इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, ताकि वरिष्ठ नागरिकों को एक मंच मिल सके, जहां वे एक-दूसरे से मिलकर अपने अनुभव साझा कर सकें और सामाजिक जुड़ाव को मजबूत बना सकें। उन्होंने बताया कि इस बार भी सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। किसी ने होली से जुड़े गीत प्रस्तुत किए तो किसी ने चुटकुले और पहेलियों के माध्यम से सभी को खूब हंसाया। वरिष्ठ नागरिकों की इन प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और भी रोचक एवं यादगार बना दिया। इसके अलावा कार्यक्रम में आपसी संवाद का दौर भी चलता रहा, जिससे पूरे वातावरण में खुशी और उत्साह का होता रहा। वरिष्ठ नागरिकों ने एक-दूसरे के साथ समय बिताते हुए सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

आवश्यकता है
ऑफिस एकाउंट/ ऑडिट कार्य हेतु
10वीं, 12वीं, बी.काम. प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण यवुक/युवती की आवश्यकता है
मिलने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
-संपर्क-
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544/9201340520

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
-निर्माता-
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

87 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 17 मार्च को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 87 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

वारासिवनी तहसील के ग्राम मंगेझरी की धुरपता कुमरे पति की मृत्यु के बाद परिवार सहायता योजा एवं शासन की अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग लेकर आयी थी। धुरपता का कहना था कि पहले वे ग्राम पंचायत रमरमा में निवास करते थे, उसके पति मनोज कुमरे की 14 जुलाई 2024 को रमरमा में मृत्यु हो गई। ग्राम पंचायत द्वारा त्रुटिवश पति के मृत्यु प्रमाण पत्र में आयु 62 वर्ष लिखी गई है, जबकि उसके पति की आयु स्कूल रिकार्ड के आधार पर 57 वर्ष की थी। पति के मृत्यु के बाद उसे अब तक राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना एवं संबल योजना का लाभ नही मिला है। अतः उसके पति के मृत्यु प्रमाण पत्र में सुधार कर उसे शासन की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। इस प्रकरण में सामाजिक न्याय विभाग की जिला समन्वयक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट तहसील के ग्राम नैतरा के घनश्याम लिल्हारे शिकायत लेकर आये थे कि उनके गांव के सहायक सचिव पवन लिल्हारे, मदन लिल्हारे एवं चेतन लिल्हारे द्वारा सार्वजनिक स्थल रोड किनारे उसके घर के सामने घुडा बनाकर अपशिष्ट पदार्थ कुडा, करकट, गोबर, मलमूत्र आदि रोजाना फेका जाता है। जिसकी वजह से उनके पूरे मोहल्ले एवं वार्ड में गंदगी का अंबार लगा रहता है। ग्राम पंचायत नैतरा में शिकायत करने के बाद भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है और सरपंच संतोष लिल्हारे द्वारा गंदगी फैलाने वाले इन लोगो को संरक्षण दिया जा रहा है। सरपंच द्वारा कहा जाता है कि हमारा कोई कुछ नही बिगाड सकता है। इस प्रकरण में जनपद पंचायत बालाघाट के सीईओ को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

कटंगी तहसील के ग्राम सीताखोह के ज्ञानीराम बोपचे शिकायत लेकर आये थे कि उसके भाई झनकराम बोपचे द्वारा अपने घर पर आटा चक्की लगायी गई है, जिससे तेज ध्वनि उत्पन्न होती है। चक्की में हल्दी, मिर्च मसालों की पिसाई के दौरान वायु प्रदूषण होता है और छोटे बच्चें एवं लोगो की तबियत खराब होती है। अतः झनकराम बोपचे द्वारा लगायी गई आटा चक्की को तत्काल बंद कराया जाए। इस प्रकरण में तहसीलदार कटंगी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

वार्ड नं.33 हरिओम नगर बालाघाट की निवासी प्रिया दमाहे अपने दिव्यांग पुत्र ऋषि दमाहे को सीएम राईज विद्यालय बालाघाट में प्रवेश दिलाने और उसे दिव्यांग छात्रवृत्ति दिलाने की मांग लेकर आयी थी। प्रिया का कहना था कि उसके पुत्र को दोनो आंखों से कम दिखाई देता है और उसका दिव्यांग प्रमाण पत्र भी बना हुआ है। उसके पति ने उसे छोड दिया है और दूसरी शादी कर लिया है, जिसके कारण उसे अपने पुत्र के परवरिश करने में कठिनाई आ रही है। इस प्रकरण में सीएम राईज विद्यालय के प्राचार्य को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

नगर परिषद बैहर के पार्षद विनोद पांडव बैहर के वार्ड नं.12 सुभाषचंद्र बोस वार्ड में माध्यमिक शाला के खेल मैदान का समतलीकरण एवं बाउंड्रीवाल निर्माण कराने की मांग लेकर आये थे। छात्र छात्राओं की खेल गतिविधियों के लिए इस मैदान का समतलीकरण करना बहुत जरूरी है। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम मोहगांव (ध) की निवासी कांता केवट पति की बिजली दुर्घटना में मृत्यु होने पर विद्युत विभाग से मुआवजा दिलाने की मांग लेकर आयी थी। कांता का कहना था कि उसका पति सुनील केवट 23 जुलाई 2024 को बाढ का पानी देखने के लिए स्कूल की बाउंड्रीवाल के पास गया था, उस बाउंड्रीवाल के नीचे 11व्ही की लाईन के तार झुके हुए थे। इन तारों से झुलसकर पति सुनील केवट की मृत्यु हो गई है, लेकिन उसे अब तक विद्युत विभाग से कोई मुआवजा नहीं दिया गया है जिसके कारण उसे अपने परिवार का भरण पोषण करने में भारी परेशानी हो रही है। अतः उसे शीघ्र मुआवजा दिलाया जाए। इस प्रकरण में एमपीईबी के अधीक्षण यंत्री को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

तिरोडी तहसील के ग्राम चाकाहेटी अर्जुनटोला की जानकीबाई पति की मृत्यु होने के बाद सहायता राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। जानकीबाई का कहना था कि उसके पति बनीराम की 14 सितम्बर 2024 को खेत के मेढ से लगी गहरी बंधी में जमा पानी में डूबने से मृत्यु हो गई है। उसके द्वारा तिरोडी तहसीलदार को 03 मार्च 2025 को सभी दस्तावेजों के साथ आर्थिक सहायता के लिए आवेदन दिया गया है, लेकिन उस पर अब तक कोई कार्यवाही नही हुई है। अतः उसे शीघ्र सहायता राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में तिरोडी तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में लांजी तहसील के ग्राम ककोडी के ग्रामीण शिकायत लेकर आये थे कि ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा पीपलगांव कला रोड से मोक्षधाम आवासटोला 200 मीटर रोड का कार्य विधायक निधि की राशि से किया जा रहा है। जबकि यह रोड प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के फेस-4 में शामिल है और आगामी दिनों में इसका निर्माण किया जाना है। अतः विधायक निधि से कराये जा रहे इस कार्य को तत्काल रोका जाए। इस प्रकरण में जिला योजना अधिकारी एवं प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में धानीटोला-बुदबुदा के दिव्यांग दम्पत्ति दीपक-ज्योतेश्वरी नागेश्वर रोजगार दिलाने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि दोनो ने 10वीं तक की पढाई की है। दोनो पति-पत्नि की आंखे नही है, जिसके कारण उन्हें कोई काम पर भी नही रखता है। जिससे उन्हें जीवन यापन करने में परेशानी हो रही है। कभी कभी तो भोजन की समस्या भी हो जाती है। सरकारी वेकेंसी निकलने पर उनके द्वारा आवेदन किया जाता है, लेकिन अब तक उन्हें कहीं से भी काम नही मिला है। अतः दोनो पति पत्नि में से किसी एक को रोजगार दिलाया जाए। इस प्रकरण में उपसंचालक सामाजिक न्याय को कार्यवाही करने कहा गया है।

परसवाडा तहसील के ग्राम खैरलांजी-पृथ्वीटोला के निवासी बसंत टेकाम कपिलधारा कूप निर्माण की राशि दिलाने की मांग लेकर आये थे। बसंत का कहना था कि वर्ष 2025-26 में उसे कपिलधारा योजना में कूप निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई है, लेकिन अब तक उसे राशि नही मिली है। अतः उसे शीघ्र राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ परसवाडा को काय्रवाही करने के निर्देश दिये गए है। तिरोडी तहसील के ग्राम बोनकट्टा निवासी जयरंजन बिंझोडे शिकायत लेकर आये थे कि ग्राम पंचायत हथोडा द्वारा ग्रेवल सडक निर्माण में उनके द्वारा मटेरियल सप्लाई एवं अन्य कार्य किये गए है। लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा अब तक उसे इस कार्य का भुगतान नही किया गया है। अतः उसे शीघ्र भुगतान कराया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ कटंगी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी में रोमांचक मुकाबले, सतना और सांची वारियर्स की शानदार जीत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ एवं जिला फुटबॉल संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रदेश स्तरीय अंडर-15 बॉयज स्टेट चैंपियनशिप अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी का आयोजन स्वर्गीय आशीष

शर्मा की स्मृति में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के दौरान आज मुख्य अतिथि नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी एवं ट्रैफिक प्रभारी यीना राहंगडाले द्वारा सर्वप्रथम स्वर्गीय आशीष शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में सतना सोल्जर क्लब और बॉयज एफएस के बीच जोरदार भिड़ंत हुई, जिसमें सतना सोल्जर क्लब ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए 11/1 के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। दूसरे मैच में सांची वारियर्स रायसेन और लायंस क्लब जबलपुर के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें सांची वारियर्स रायसेन ने 2/1 से जीत हासिल की। आगामी मुकाबलों की जानकारी देते हुए आयोजकों ने बताया कि 18 मार्च को सुबह 7 बजे डायमंड रॉक फुटबॉल अकादमी बालाघाट और स्टेम फील्ड जबलपुर के बीच मैच खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मुकाबला नर्मदा वैली मंडला और मदनपुर महाराज भोपाल के बीच होगा। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य गणेश अग्रवाल, इंद्रजीत भोज, डॉ. अक्षय कटरे, दिलीप राजपूत, अखिलेश खोबरागड़े, रजनीश रंगडाले सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले और प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को मंच प्रदान करना तथा फुटबॉल के प्रति उनकी रुचि को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता में लगातार रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं, जिससे दर्शकों में भी खासा उत्साह बना हुआ है।

ब्लास्टिंग से दहशत में ग्रामीण, शिकायत लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे

माइनिंग से परेशान ग्रामीण पहुंचे जनसुनवाई, ब्लास्टिंग से मकानों में दरारें, मुआवजे की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेलवा के एक दर्जन से अधिक ग्रामीण मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और गांव में चल रहे माइनिंग कार्य से उत्पन्न समस्याओं को लेकर जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में बीते कुछ वर्षों से खनन (माइनिंग) का कार्य किया जा रहा है, लेकिन हाल के दिनों में खनन क्षेत्र में बड़े स्तर पर ब्लास्टिंग की जा रही है, जिससे गांव में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि लगातार हो रही तेज धमाकों के कारण कई घरों में दरारें आ गई हैं और कुछ मकान क्षतिग्रस्त भी हो चुके हैं। इसके अलावा खनन कार्य में लगे भारी वाहनों के लगातार आवागमन से गांव की सड़कें भी खराब हो रही हैं, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है।

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे माइनिंग कार्य को लेकर ग्रामीणों में लगातार आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पहाड़ी और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों का कहना है कि खनन गतिविधियों से उनके जीवन और संपत्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसी क्रम में कटंगी क्षेत्र के ग्राम सेलवा के ग्रामीण 17 मार्च को जनसुनवाई में पहुंचे और अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। ग्रामीण यशवंत बिसेन एवं यमलेश नागेश्वर ने बताया कि गांव में वर्ष 2009 से माइनिंग कार्य संचालित हो रहा है, जिससे लगातार परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार हाल ही में माइनिंग क्षेत्र में किए गए बड़े ब्लास्टिंग के कारण गांव के कई मकानों में दरारें आ गई हैं। कुछ मकानों की छतों पर रखी सामग्री नीचे गिर गई और कई परिवारों को नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने बताया कि ब्लास्टिंग का असर इतना अधिक था कि लोग भयभीत हो गए। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि माइनिंग कार्य के चलते भारी ओवरलोड ट्रक और डंपर गांव से लगातार गुजरते हैं, जिससे सड़कों की हालत बेहद खराब हो गई है और कई स्थानों पर पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इस संबंध में कई बार संबंधित विभागों को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने कई बार सड़क पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन भी किया, लेकिन पुलिस द्वारा उन्हें हटाकर मामला शांत करा दिया गया। वहीं, माइनिंग कंपनी द्वारा नुकसान का मुआवजा देने का आश्वासन तो दिया जाता है, लेकिन अब तक किसी भी प्रभावित परिवार को वास्तविक राहत नहीं मिल पाई है। ग्रामीणों का कहना है कि इस माइनिंग गतिविधि से गांव के लगभग 200 से अधिक परिवार प्रभावित हो रहे हैं। खेतों में धूल जमने से फसलें भी प्रभावित हो रही हैं और आवागमन पूरी तरह बाधित हो चुका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर माइनिंग कार्य पर आवश्यक नियंत्रण लगाया जाए तथा प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए ।

लघु वेतन कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन, पुरानी पेंशन बहाली की मांग

नियमितीकरण समेत विभिन्न समस्याओं के समाधान की उठाई आवाज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ, बालाघाट द्वारा प्रदेश स्तरीय संगठन के आवाहन पर 17 मार्च को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे और अपनी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में नई पेंशन योजना को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना को पुनः लागू करना शामिल है। इसके साथ ही दैनिक वेतन भोगी, स्थाईकर्मी एवं अंशकालीन कर्मचारियों को 10 वर्ष की निरंतर सेवा पूर्ण करने के बाद नियमित किए जाने की मांग भी उठाई गई। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से वे विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। ऐसे में उन्होंने शासन से जल्द सकारात्मक पहल करने की अपेक्षा जताई है। मध्यप्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ के आह्वान पर 17 मार्च को जिले सहित प्रदेशभर में चतुर्थ श्रेणी शासकीय कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। बालाघाट में भी कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन प्रस्तुत कर समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की। संघ के जिला अध्यक्ष संतोष प्रधान ने बताया कि प्रदेश संगठन के निर्देश पर यह ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाया गया है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में चतुर्थ श्रेणी

कर्मचारियों की पदोन्नति सहायक ग्रेड-3 के पद पर बिना सीपीसीटी एवं कंप्यूटर डिप्लोमा की अनिवार्यता समाप्त करना, सभी विभागों में पदोन्नति प्रक्रिया को शीघ्र लागू करना शामिल है। इसके साथ ही नई पेंशन योजना को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। संघ ने दैनिक वेतनभोगी, स्थाई एवं अंशकालीन कर्मचारियों को 10 वर्ष की निरंतर सेवा के बाद नियमित करने तथा स्थाई कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों के समान सभी सुविधाएं देने की मांग की है। इसके अलावा 8वें वेतन आयोग में ग्रुप-डी कर्मचारियों के वेतन में 40 प्रतिशत वृद्धि, केंद्र के समान राज्य कर्मचारियों को भी वेतन आयोग का लाभ देने, आउटसोर्सिंग के माध्यम से की जा रही भर्ती पर रोक लगाने तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा-उषा कार्यकर्ता, मध्यान्ह भोजन रसोइया एवं कोटवार कर्मचारियों को न्यूनतम 30 हजार रुपये वेतन देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल की गई। संघ ने केंद्र सरकार द्वारा लागू श्रम विरोधी कानूनों को वापस लेने की भी मांग उठाई है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे आगे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

आदिवासी कन्या अंग्रेजी आश्रम स्कूल परसवाा में कक्षा पहली के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के परसवाड़ा स्थित सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के अंतर्गत संचालित आदिवासी कन्या अंग्रेजी आश्रम में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा पहली में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसके तहत पात्र छात्राओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विद्यालय प्राचार्य ने बताया कि प्रवेश के लिए आयु सीमा 6 वर्ष से 7 वर्ष 6 माह निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 30 सितम्बर 2026 की स्थिति में की जाएगी। इच्छुक अभिभावक 18 मार्च 2026 से सांदीपनि विद्यालय परसवाड़ा से कार्यालयीन समय में आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। भरे हुए आवेदन पत्र कन्या अंग्रेजी आश्रम परसवाड़ा में जमा किए जाएंगे। आवेदन के साथ जन्म प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, समग्र आईडी, MPTAAS प्रोफाइल पंजीयन, आधार कार्ड, छात्रा के बैंक खाते तथा जाति प्रमाण पत्र की छायाप्रति जमा करना अनिवार्य होगा। आवेदन लेने से पहले स्थायी निवास एवं जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक बताया गया है। विद्यालय प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि यदि आवेदन में दी गई जानकारी त्रुटिपूर्ण या भ्रामक पाई जाती है तो प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। यदि आवेदनों की संख्या अधिक होती है तो चयन प्रक्रिया लॉटरी सिस्टम के माध्यम से की जाएगी।

छात्रवृत्ति न मिलने से परेशान पैरामेडिकल छात्र पहुंचे कलेक्टर कार्यालय

2023-24 से आवेदन के बावजूद लंबित फाइलें, जनसुनवाई में रखी समस्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर स्थित प्रियदर्शनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंस के एक दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर छात्रवृत्ति नहीं मिलने की समस्या जनसुनवाई में रखी। विद्यार्थियों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए छात्रवृत्ति हेतु आवेदन किया था और संस्थान द्वारा उनकी प्रक्रिया भी पूर्ण कर दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद आज तक उन्हें छात्रवृत्ति की राशि प्राप्त नहीं हो सकी है। छात्राओं ने बताया कि संबंधित विभाग में उनकी फाइलें लंबे समय से लंबित पड़ी हैं, जिसके कारण आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति नहीं मिलने से उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है और कई छात्र आगे की फीस जमा करने में भी असमर्थ हैं। 17 मार्च को आयोजित जनसुनवाई में शहर के एक प्रियदर्शनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंस के छात्र-छात्राएं अपनी समस्या लेकर पहुंचे। इस दौरान छात्रा मुस्कान और दीप्ति माहुले ने अपनी परेशानी अधिकारियों के सामने रखी। उन्होंने बताया कि वे डीएमएलटी (डिप्लोमा इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी) की छात्राएं हैं और वर्ष 2023-24 में उन्होंने छात्रवृत्ति के लिए पोर्टल पर आवेदन किया था। छात्राओं ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन द्वारा अपनी ओर से आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर दी गई है, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से फाइलिंग प्रक्रिया पूर्ण नहीं किए जाने के कारण आज तक उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ नहीं मिल सका है। उन्होंने कहा कि वे आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आती हैं और उनकी पढ़ाई का मुख्य सहारा छात्रवृत्ति ही है, लेकिन समय पर राशि न मिलने से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि बार-बार प्रयास करने के बावजूद अब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। छात्राओं का कहना है कि यदि जल्द ही छात्रवृत्ति की राशि प्राप्त नहीं हुई, तो उनकी पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। छात्र-छात्राओं ने कलेक्टर बालाघाट से निवेदन करते हुए मांग की है कि इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएं, ताकि छात्रवृत्ति की लंबित प्रक्रिया जल्द पूरी हो सके और उन्हें उनका अधिकार मिल सके।

आस-पास की खबरें

नवोदय प्रवेश परीक्षा में आयुषी चौधरी ने मारी बाजी, क्षेत्र का नाम किया रोशन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र की होनहार छात्रा कुमारी आयुषी चौधरी ने जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 में शानदार सफलता अर्जित की है। ग्राम बोरी निवासी पूर्व जनपद सदस्य दीपक चौधरी, स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास समिति सभापति श्रीमती पूजा चौधरी की सुपुत्री आयुषी चौधरी ने कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु आयोजित इस जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में 91.25 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रवीणता सूची (मेरिट लिस्ट) में 39 वां स्थान प्राप्त किया है। जिससे परिजनों एवं चित-परिचितों में हर्ष की लहर व्याप्त है। छात्रा आयुषी चौधरी ने बोरी स्थित लक्ष्मीबाई एकेडमी इंग्लिश स्कूल में कक्षा 5 वीं तक पढ़ाई की है और छात्रा ने अपनी इस सफलता का श्रेय कड़े परिश्रम और सही मार्गदर्शन को दिया है। उन्होंने अपनी तैयारी राव कोचिंग सेंटर बकोड़ा से की, जहाँ कोचिंग संचालक संजीव राव सर के विशेष मार्गदर्शन और अध्यापन ने उनकी राह आसान बनाई और मेरिट लिस्ट में 39 वां स्थान प्राप्त किया है। साथ ही जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु चयन हुआ है जिससे परिजनों में हर्ष का माहौल निर्मित हो गया है। आयुषी चौधरी की इस उपलब्धि पर उनकी माता पूजा चौधरी जो वर्तमान में जनपद पंचायत लालबर्रा में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की सभापति हैं एवं पिताश्री पूर्व जनपद सदस्य रहे चुके है। जिन्होने हर्ष व्यक्त करते हुए कोचिंग संस्थान और लक्ष्मीबाई एकेडमी स्कूल बोरी के सभी शिक्षकों के मार्गदर्शन को सफलता का मुख्य आधार बताते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए आयुषी के उज्जवल भविष्य की कामना की है। वहीं आयुषी की इस सफलता पर परिजनो और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है।

अस्पताल भवन डिस्मेंटल में अनियमितता पर भड़कीं विधायक, कार्यवाही के दिये निर्देश

बैठक में नवीन भवन का जल्द निर्माण शुरू करने, अस्पताल में एमबीबीएस चिकित्सक की व्यवस्था सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के सभाकक्ष में मंगलवार को विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में अस्पताल के पुराने भवन को तोड़ने (डिस्मेंटल) की प्रक्रिया में ठेकेदार द्वारा की गई भारी लापरवाही का मामला गरमाया रहा। जिस पर विधायक ने सख्त नाराजगी जताते हुए संबंधितों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। साथ ही आयोजित बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई और नवीन अस्पताल भवन के निर्माण कार्य जल्द शुरू करने, अस्पताल में चिकित्सकों की कमी को दूर करने, मूलभूत समस्याओं का निराकरण करने के साथ ही अस्पताल के पुराने भवन को डिस्मेंटल का कार्य पूर्ण कर निर्माण कार्य शुरू करने पर जोर दिया गया। साथ ही चिकित्सकों से क्षेत्रीयजनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की बात कही गई।

बिना अनुमति सामान हटाकर बेचा, जनरेटर को पहुंचाया नुकसान

समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि पुराने भवन के जिस हिस्से को डिस्मेंटल नहीं करना था, ठेकेदार ने बिना अनुमति वहां की टाइल्स निकाल ली, टीन की चादरें बेच दीं और जनरेटर को भी क्षति पहुंचाई गई है। जिस पर विधायक श्रीमती मुंजारे ने इसे गंभीर अनियमितता बताते हुए कहा कि बिना अनुमति शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाना गलत है और संबंधित ठेकेदार पर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। वहीं बैठक में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने अस्पताल की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए विधायक को अवगत करवाया। जिसमें उन्होने बताया कि लालबर्रा अस्पताल में एमबीबीएस डॉक्टरों की कमी, वर्तमान में केवल बीएमओं ही पदस्थ हैं, कार्यभार अधिक होने के कारण कम से कम दो एमबीबीएस चिकित्सकों की नियुक्ति किये जाने, एंबुलेंस न होने से मरीजों को होने वाली असुविधा, बॉडी फ्रीजर की मांग की गई। जिस पर विधायक ने एमबीबीएस चिकित्सक एवं एम्बुलेंस की जल्द व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। वहीं बैठक के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर चर्चा करते हुए विधायक श्रीमती मुंजारे ने घोषणा की कि लालबर्रा, जाम, मोहगांव ध और भरवेली अस्पताल में जल्द ही विधायक निधि या जनसहयोग से बॉडी फ्रीजर उपलब्ध करवाये जायेगें।

निरीक्षण कर व्यवस्था का लिया जायजा

बैठक संपन्न होने के बाद विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने अस्पताल के वार्डों का निरीक्षण किया और भर्ती मरीजों से मिलकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया है कि क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाये। जिसके बाद नवीन भवन निर्माण स्थल पहुंचे जहां पुराने भवन को डिस्मेंटल की प्रक्रिया में विलंब होने एवं अनियमितता पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि डिस्मेंटल में कुछ लापरवाही बरती गई है जो गलत है, जिससे बर्दाश्त नही किया जायेगा। साथ ही यह भी कहा कि भवन डिस्मेंटल की प्रक्रिया 80 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है इसलिए पुराने मलबे को हटाकर जल्द समतलीकरण करने और नये भवन का कार्य शुरू करने हेतु संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, जिला क्षय अधिकारी डॉ. ऋत्विक पटेल, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भवन डिस्मेंटल ठेकेदार पर की जाये कार्यवाही - अनुभा

विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने बताया कि रोगी कल्याण समिति की बैठक में स्वास्थ्य सुविधाओं सहित अस्पताल के नवीन भवन निर्माण के संबंध में चर्चा की गई है और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का क्षेत्रीयजनों को लाभ मिले इस पर विशेष ध्यान देने अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि पुलिस हाउसिंग बोर्ड के द्वारा नवीन भवन निर्माण किया जाना है परंतु डिस्मेंटल की प्रक्रिया में विलंब किया जा रहा है। जिस बिल्डिंग को एक माह के अंदर डिस्मेंटल हो जाना चाहिए था उसे दो माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी नहीं टूट पाया है। साथ ही ठेकेदार के द्वारा सभाकक्ष के टाइल्स को बिना अनुमति लिये उखड़ दिया गया है एवं कुछ सामग्री को भी बेच दिया गया है जो अपराध की श्रेणी में आता है, ठेकेदार के विरूध्द कानूनी कार्यवाही की जायेगी। श्रीमती मुंजारे ने बताया कि लालबर्रा अस्पताल में 77 ग्राम पंचायत के लोग उपचार करवाने आते है लेकिन महिला चिकित्सक की कमी है, सप्ताह में दो दिन महिला चिकित्सक लालबर्रा में अपनी सेवाएं दे ऐसी व्यवस्था बनाई जायेगी और लालबर्रा बहुत बड़ा क्षेत्र है यहां पर दो एंबुलेंस की सुविधा होनी चाहिए परंतु एक ही एंबुलेंस है, हमारे बड़े जनप्रतिनिधियों से मांग रहेगी कि जनता के हित में एम्बुलेंस उपलब्ध करवायेगें और विधायक निधि से एक एंबुलेंस लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध करवाने का पूरा प्रयास किये जायेगें और चार स्थानों पर बॉडी फ्रीजर दिये जायेगें।

सर्वर नही चलने से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ब्लड जांच के लिए मरीज हुए परेशान

रजिस्ट्रेशन पोर्टल ठप होने से बिना जांच करवाये लौटे दर्जनों ग्रामीण, निजी पैथोलॉजी में जांच करवाने को हुए मजबूर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को तकनीकी खराबी के कारण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं। ब्लड (रक्त) जांच के लिए अनिवार्य ऑनलाइन पंजीयन पोर्टल का सर्वर ठप होने से अस्पताल पहुंचे दर्जनों मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बिना पंजीयन के जांच न हो पाने के कारण दूर-दराज से आये ग्रामीणों को घंटों इंतजार के बाद बैरंग वापस लौटना पड़ा। जबकि शासकीय अस्पताल में सभी प्रकार की रक्त जांचें और स्वास्थ्य सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध हैं, लेकिन मंगलवार को सर्वर न चलने के कारण लालबर्रा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में जरूरतमंद मरीजों को मजबूरी में निजी पैथोलॉजी केंद्रों में पहुंचकर रक्त जांच करवानी पड़ी। जिससे मरीजों पर आर्थिक बोझ भी बढ़ा है। वहीं कई मरीजों ने बताया कि वे सुबह से भूखे प्यासे जांच के लिए लाईन में खड़े थे, लेकिन अंत में उन्हें बताया गया कि पोर्टल नहीं चल रहा है। क्षेत्रभर से उपचार करवाने पहुंचे ग्रामीणों ने अस्पताल प्रशासन और जिला स्वास्थ्य विभाग से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। वहीं मरीजों का कहना है कि सर्वर की समस्या को जल्द से जल्द दुरूस्त किया जाये, तकनीकी खराबी की स्थिति में वैकल्पिक (मैनुअल) व्यवस्था होनी चाहिए ताकि दूर-दराज से आने वाले गरीबों का समय और रूपये बर्बाद न हो। स्वास्थ्य सेवाओं में इस तरह की बाधा से सरकार की नि:शुल्क जांच योजना का लाभ पात्र लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। जबकि सुबह से रक्त जांच के लिए आये थे, लेकिन पोर्टल बंद होने की बात कहकर हमें लौटा दिया गया। गरीब आदमी सरकारी अस्पताल भरोसे आता है, अब बाहर पैसे देकर जांच करवानी पड़ेगी, व्यवस्था में सुधारे करें प्रशासन। वहीं स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि आगे से ही सर्वर की समस्या बनी हुई है, जिसे जल्द दुरूस्त कर दिया जायेगा।

नालियों के ऊपर न चढ़ाएं भारी वाहन, मानपुर सरपंच ने की अपील

टूट रहे सीमेन्ट के चैंबर (ढक्कन), बढ़ रही दुर्घटना की आशंका, पंचायत ने पुनः करवाया मरम्मत कार्य

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों के साथ-साथ उनकी सुरक्षा और रखरखाव अब एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। मानपुर ग्राम पंचायत के सरपंच बलराम गौतम ने क्षेत्र के वाहन चालकों से एक विशेष अपील करते हुए सड़क अनुशासन का पालन करने का आग्रह किया है। साथ ही उन्होने हाईवे मार्ग से अस्पताल पहुंच मार्ग जनपद पंचायत कार्यालय के समीप सड़क किनारे की नालियों के ऊपर सीमेन्ट के चैंबर (ढक्कन) का ध्यान रखते हुए वाहन चलाने की अपील की है क्योंकि कुछ चौपहिया वाहन चालक बार-बार नाली के ऊपर बने सीमेंट के चैंबर के ऊपर से वाहन लेकर जाते है। जिससे बार-बार ढक्कन क्षतिग्रस्त हो रहे है जिससे दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। विगत दिवस ही मानपुर पंचायत के द्वारा जनपद पंचायत के समीप मोड़ाई वाले हिस्से में नाली के ऊपर सीमेन्ट की बने चैंबर जो क्षतिग्रस्त हो चुका था जिसका मरम्मत कार्य करवाया था लेकिन कुछ दिन बाद पुनः उसे क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। जिससे इस मार्ग से आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

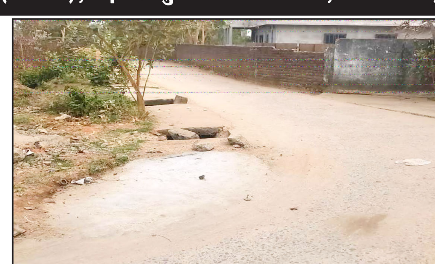

बार-बार क्षतिग्रस्त हो रहा सीमेन्ट का चैंबर, पंचायत पर बढ़ रहा आर्थिक बोझ

चर्चा में सरपंच बलराम गौतम ने बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा जल निकासी के लिए बनाई गई नालियों पर सुरक्षा की दृष्टि से सीमेन्ट के चैंबर (ढक्कन) लगाये जाते है और ये सीमेन्ट के चैंबर (ढक्कन) पैदल यात्रियों और हल्के वाहनों के दबाव को सहने के लिए होते हैं, लेकिन भारी वाहनों के बार-बार इनके ऊपर से गुजरने के कारण ये क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। हाईवे मार्ग जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लालबर्रा के समीप से जनपद पंचायत कार्यालय, अस्पताल एवं तहसील जाने के लिए बायपास मार्ग गुजरा है। लेकिन भारी वाहन चालक इस मार्ग की नालियों के ऊपर लगे चैंबर के ऊपर से वाहन लेकर जाते है जिससे वह क्षतिग्रस्त हो जाता है और पंचायत के द्वारा कई बार मरम्मत कार्य करवाई जा चुकी है। लेकिन वाहन चालकों की लापरवाही के कारण ये फिर से टूट जाते हैं। इससे न केवल सरकारी धन का अपव्यय हो रहा है, बल्कि पंचायत को बार-बार एक ही कार्य को करवाने में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। आगे बताया कि नालियों के ढक्कन (चैंबर) टूटने यानि क्षतिग्रस्त होने से सबसे बड़ा खतरा राहगीरों और दुपहिया वाहन चालकों को होता है। अंधेरे में क्षतिग्रस्त सीमेन्ट का ढक्कन जानलेवा साबित हो सकते हैं। साथ ही यह भी बताया कि चैंबर क्षतिग्रस्त होने से अचानक पहिया नाली में धंसने से वाहन अनियंत्रित हो सकता है। सड़क के किनारे वाहन चलाने के बजाय नालियों पर गाड़ी चढ़ाना यातायात नियमों के विरूध्द भी है। सरपंच श्री गौतम ने सभी ट्रक एवं अन्य भारी वाहन चालकों से अपील की है कि जनपद पंचायत कार्यालय, अस्पताल बायपास पहुंच मार्ग पर भारी वाहन न चलाये।

महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन हुआ प्रारंभ, समापन आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में 17 मार्च को दो दिवसीय सोलहवां वार्षिक स्नेह सम्मेलन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। यह कार्यक्रम जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी के मुख्य आतिथ्य, प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे की अध्यक्षता एवं जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल के विशिष्ट आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। वार्षिक स्नेह सम्मेलन कार्यक्रम के प्रथम दिवस के अवसर पर विभिन्न ललित कला एवं साहित्यिक गतिविधियों के अन्तर्गत रंगोली,मेहंदी, पोस्टर/ड्राइंग, पुष्प सज्जा, केश सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें रंगोली प्रतियोगिता में सेजल यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह ड्राइंग में साक्षी ने प्रथम स्थान, पेंटिग में प्रथम स्थान शीतल सहारे, पुष्प सज्जा प्रतियोगिता में खुशबू पटेल ने प्रथम स्थान, केश सज्जा में शीतल सहारे ने प्रथम स्थान, मेहंदी प्रतियोगिता में संदीप पटले ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही स्नेह सम्मेलन के दौरान शैक्षणिक खेल क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर अतिथियों के हस्ते सम्मानित किया। साथ ही 18 मार्च को सांस्कृतिक एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के साथ ही वार्षिक स्नेह सम्मेलन कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी ने विद्यार्थियों को आत्म निर्भर बनने के लिए प्रेरित किया और वार्षिक उत्सव के माध्यम से अपनी प्रतिभाओं को निखारने के लिए अभिप्रेरित किया है। जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ईमानदारी एवं लगन के साथ पढ़ाई एवं परिश्रम करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन करे एवं लालबर्रा की माटी को गौरवान्वित करने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने स्नेह सम्मेलन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में स्नेह सम्मेलन प्रभारी श्रीमती संध्या भलावे ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनभागीदारी सदस्य प्रकाश रहॉगडाले, हिमालय टेम्भरे, मनोज ग्वालवंशी, राजू एड़े, महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. देवराज चौरे, नरेश सौलखे, डॉ. ऋषिकेश पटेल, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागडे, श्रीमती आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, यादोराव राजुरकर, व्यकंट नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐडे, पीतम मुरते, रामदयाल मथारे, श्रीमती वंदना कुर्वे, प्रसिक हुमनेकर, सोनम हरिनखेडे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आरटीई प्रवेश के लिये राशन कार्ड में नाम चढ़ाने हितग्राही परेशान

पालक तहसील कार्यालय के लगा रहे चक्कर बच्चों के प्रवेश को लेकर चिंतित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी तहसील कार्यालय में गरीबी रेखा के नीचे जीवन व्यापन करने वाले हितग्राही राशन कार्ड में अपने बच्चों का नाम दर्ज करने के लिए पालकों के द्वारा चक्कर लगाए जा रहे हैं। जहां पर उन्हें राशन कार्ड में नाम जोड़ने की प्रक्रिया बंद होने की बात कहीं जा रही है। जिसको लेकर वह काफी परेशान नजर आ रहे हैं वही उनके बालकों का शिक्षा के अधिकार के तहत होने वाले प्रवेश को लेकर वह चिंतित है। आगामी २५ से २८ मार्च शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत प्रवेश की अंतिम तारीख बताई जा रही है। जिसमें आवेदकों के द्वारा बीते १५ दिनों से ४ महीने के बीच में आवेदन किया गया था किंतु आज तक उसका समाधान नहीं हो पाया है जिससे पालको में रोष व्याप्त है।

मैन्युअल राशन कार्ड में नाम जोड़ने हितग्राही ने किया आवेदन

मध्य प्रदेश शासन की शिक्षा का अधिकार एक महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी योजना है। जिसमें बीपीएल कार्ड धारक हितग्राहियों के बच्चों का प्रवेश प्राइवेट शिक्षण संस्थानों में होता है। जहां कक्षा एक से आठ तक उनके द्वारा निःशुल्क शिक्षा दी जाती है जिसके लिए प्रवेश पंजीयन प्रारंभ कर दिया गया है। जिसकी अंतिम तिथि २५ या २८ मार्च को बताई जा रही है, ऐसे में क्षेत्र के बीपीएल हितग्राहीयो के मैनुअल कार्ड में उनके बच्चों का नाम नहीं लिखा हुआ है। हालांकि समग्र आईडी और राशन पात्रता पोर्टल पर उनके नाम दर्ज है परंतु विद्यालय के द्वारा राशन कार्ड में बच्चों का नाम अंकित करने के लिए कहा गया है। वहीं पूर्व से परिवार के हर सदस्य का नाम राशन कार्ड में अंकित करवाया जाता है। ऐसे में शिक्षा के अधिकार के तहत प्राइवेट स्कूलों में प्रवेश से वंचित ना हो जाए इसको लेकर बच्चों के पालकों के द्वारा बीते लंबे समय से तहसील कार्यालय वारासिवनी के चक्कर लगाए जा रहे हैं। जहां उनके द्वारा पटवारी ,सचिव के पंचनामा सहित विभिन्न दस्तावेज संलग्न कर आवेदन कर दिया गया है। परंतु राशन कार्ड में अभी तक उनके बच्चों का नाम नहीं चढ़ाया गया है। वहीं तहसीलदार के द्वारा मैन्युअल राशन कार्ड में नाम चढ़ाने का कार्य वर्ष २०२३ से बंद हो जाना बताया जा रहा है। ऐसे में पालकों के अंदर आक्रोश और चिंता दोनों बनी हुई है जो लगातार इधर उधर घूमते नजर आ रहे हैं। वहीं उनके राशन कार्ड में बच्चों का नाम दर्ज करने की उनके द्वारा मांग की जा रही है।

बच्चे का नाम राशन कार्ड में नहीं जुडा तो बच्चों का भविष्य खराब होगा-लकेश पटले

पालक लकेश पटले ने बताया कि मैं ग्राम पंचायत खापा का रहने वाला हूं आरटीई शिक्षा के अधिकार के तहत मेरे बच्चे का प्रवेश होना है। जिसमें जाति एवं राशन कार्ड के माध्यम से होगा तो उसी के संबंध में हम तहसील कार्यालय आए हुए हैं। जहां हमारे द्वारा पूर्व में फॉर्म दिया गया था जिसकी जांच कर रहे हैं कहते हैं। हमने दिसंबर २०२५ में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म दिए थे परंतु अभी तक नाम नहीं जोड़ा गया है। यदि बच्चे का नाम राशन कार्ड में नहीं जुड़ेगा तो बच्चों का भविष्य ही खराब होगा योजना की अंतिम तारीख २८ मार्च बताई जा रही है। हम लोग रोज कमाते खाते हैं कहां से हम प्राइवेट स्कूल में बच्चों को पढा सकेंगे इसी के लिए हमने दिसंबर २०२५ में आवेदन दिया था। तब से लगातार तहसील के हम चक्कर लगा रहे हैं परंतु नाम नहीं जुड़ रहा है। शासन प्रशासन से मांग है कि जल्द वह हमारा काम करें ताकि बच्चों का नाम राशन कार्ड में जोड़ने से उन्हें प्रवेश मिल सके।

राशन कार्ड में बच्चों का नाम जोड़ने तहसील का लगा रहे चक्कर-जगदीश बावनकर

ग्रामीण जगदीश बावनकर ने बताया कि मैं डोंगरमाली का रहने वाला हूं राशन कार्ड में बच्चों का नाम जोड़ने के लिए हम आए हूँ। हमें स्कूल के शिक्षक ने नाम जुड़वाने के लिए कहा था की तभी आरटीई के तहत प्राइवेट स्कूल प्रवेश मिलेगा। यह लोग कहते हैं नाम जोड़ना बंद हो गया है मैडम ने मना कर दिया कारण नहीं बताया। हमारा आवेदन अंदर ही रखा हुआ है २०२३ से बंद होना बता रहे हैं यदि ऐसा ही रहा तो अब हमें अपने बच्चों को गाय बैल बकरी चराने के लिए भेजना होगा। हम किसान है बहुत कम ही जमीन है हमारे बच्चे भी हमारी तरह मजदूर बनेंगे मैं भी मजदूर हूं। हमारी पढ़ाने की ताकत नहीं है कि प्राइवेट स्कूल में पैसे खर्च करें आरटीई में प्रवेश होता है बताया गया था मास्टर ने हमें राशन कार्ड में नाम जोड़कर लाने कहा है।

सब काम ऑनलाइन होते हैं बच्चों के नाम बीपीएल पात्रता सूची में दर्ज है-वंदना कुशराम

तहसीलदार वंदना कुशराम ने दूरभाष पर चर्चा में बताया कि मैन्युअल राशन कार्ड बनना बंद हो गए हैं तो वहीं इन राशन कार्ड में नाम दर्ज करना भी बंद कर दिया गया है। अब सब काम ऑनलाइन होते हैं इन बच्चों के नाम बीपीएल पात्रता सूची में दर्ज है अब स्कूल में इन्हें राशन कार्ड में नाम लिखवा कर लाने कहा जा रहा है जो बंद हो गया है। जबकि इन बच्चों का नाम समग्र आईडी और राशन पात्रता पर्ची में जुड़ा हुआ जो ऑनलाइन है मैन्युअल अब चलता नहीं है। इस संबंध में हमने विकासखंड शिक्षा अधिकारी और बीआरसी दोनों से चर्चा की है और उक्त संबंध में जानकारियां एकत्रित की जा रही है। वहीं खाद्य शाखा के माध्यम से राशन कार्ड की जांच भी ऑनलाइन करवाई गई है जिसमें बच्चों के नाम जुड़े हुए हैं।

ग्रामीण क्षेत्र के क्रिकेट प्रीमियर लीग नाईट टूर्नामेंट होने से युवाओ में आ रही सकारात्मक सोच-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। एसएससी क्रिकेट क्लब भेण्डारा के तत्वावधान में भेण्डारा प्रीमियर लीग नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट २०२६ समारोह के प्रारंभ में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल मौजूद रहे। ओपनिंग मैच में नवेंगाव तीन ने लिंगमारा की टीम को ८ विकेट से खेलकर पराजित कर खेल प्रेमियो को हर्षित कर दिया। ग्राम पंचायत भेंडारा के रानी अवंती स्टेडियम में खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की हारने के बाद भी जीत का प्रयास सिर्फ खिलाड़ी ही करता है। ग्राम ग्राम में बकायदा पिच बनाकर दूधिया रोशनी में होने वाले नाईट टूर्नामेंट बताते है की युवाओं को खेल से जोड़कर सकारात्मक भावों को जाग्रत करने की हमारी सोच सफल हो रही है। श्री जायसवाल ने कहा की हारने के बाद भी अगले दिन दूसरे मैच को जीतने का प्रयास करना ही खिलाडी गुण है। और यही गुण हमारे जीवन में सभी तरह के उतार चढाव में निर्णायक साबित होकर सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। आज ग्रामीण क्षेत्रो में इतनी बडी प्रीमियर लीग को आकर्षक अंदाज में शुरू कराने की शैली निश्चित ही खेल के विषय मे मील का पत्थर साबित होंगी। वहीं अरविंद बंसोड ने कहा की आल इंडिया देवधर ट्राफी वारासिवनी की पहचान अनेकों राज्यो के साथ अब ग्राम ग्राम में भी दिख रही है। अनवरत ३२ साल से आयोजित हो रहे देवधर आयोजन के कारण ही क्रिकेट अब ग्रामीण क्षेत्रो में भी लोकप्रियता की मिसाल साबित हो रहा है। क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रथम इनाम ५१००० व द्वितीय इनाम २५००० रुपये की इस प्रतियोगिता में प्रफुल्ल नगपुरे सरपंच, मण्डल अध्यक्ष मिलिन्द नगपुरे,राही पांडे ,अशोक लिल्हारे की मौजूदगी में दिया गया। प्रथम मैच में लिंगमारा की टीम ने पहली पारी में सात ओवर में ५६ रन का स्कोर खडा किया। लक्ष्य का पीछा करते हुये नवेंगाव तीन की टीम ने इसे पांचवे ओवर में ही हासिल कर ८ विकेट से जीत कर आगे की दिशा में मजबूत कदम भी बढाये। देर रात्रि के इस मैच को देखने के लिये निकट की ग्राम पंचायतो के खेल प्रेमी भी अधिक संख्या में स्टेडियम में देखे गये। आयोजन को सफल बनाने में दिलीप नगपुरे कप्तान,मोंटी बारेकर, मनन बंसोड़,सत्यम बंसोड, पंकज गोस्वामी, असद शेख, गेलेंद्र लिल्हारे,विक्की सुलाखे, योगी गिरी,टोनी नगपुरे,संकेत सुलाखे का सराहनीय योगदान रहा।

आमगांव से बरबसपुर मार्ग का जिला पंचायत सदस्य गीता हनवत ने किया निरीक्षण

७२ लाख रूपये से बनाई गई सड़क १५ में ही उखड़ गई-गीता हनवत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। शासन गांव को शहरों से सीधे जोड़ने के लिए अनेक अनेक योजनाओं के अंतर्गत सड़क निर्माण लाखों रुपये की लागत से लगातार करवा रही है और अनेक स्थानों में कार्य हो भी रहे। लेकिन अधिकांश मार्गो में आज भी भ्रष्टाचार अपने चरम सीमा को लांघकर भ्रष्टाचार कर साम्राज्य स्थापित करना चाहता है। जिसे शासन चाह कर भी अंकुश नहीं लग पा रही है जो जांच का विषय है। प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के अंतर्गत आमगांव से बरबसपुर मार्ग आमगांव से लक्ष्मी प्रसाद उपवंशी के खेत तक मार्ग लंबाई १.२५ किलोमीटर का निर्माण १५ दिवस पूर्व ७२ लाख रुपये की लागत से १३/०९/२०२३ को स्वीकृत किया गया था। जिसका निर्माण १५ दिवस पूर्व रात के अंधेरे में ऐसा किया गया कि मार्ग ने १५ दिन में ही भ्रष्टाचार की कलई खोलकर रख दिया है। मार्ग को देखने से कहीं से ऐसा लगता नहीं की इस मार्ग पर काम किया गया होगा । जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता हनवत ने ग्रामीणों की शिकायत पर इस मार्ग का निरीक्षण किया तो पाया कि इसमें भारी भ्रष्टाचार का बोलबाला सर चढ़कर बोल रहा है। जिस पर जिला प्रशासन की नकेल ना कसा जाना शर्मशार जान पड़ता है एक ओर शासन पारदर्शिता से काम करने की सौगंध खाते भुलती नहीं दूसरी कहानी खुद बयां कर रहा है । परंतु इस पर अंकुश शासन लगाने में अक्षम साबित हो रही है। वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र में अनेक सड़कों के निर्माण किये जा रहे है, कहीं सड़कों की लंबाई कम हो जाती है तो सड़क की गुणवंता में ही हेरफेर कर बनाई जाती है । ऐसा ही सिलसिला बदस्तूर यथावत जारी है जिस पर ठोस कार्रवाई सकारात्मक पहल का सदैव अभाव देखने सुनने आसानी से मिल जाता है। जनपद पंचायत वारासिवनी के जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक १२ के अंतर्गत आमगांव से बरबसपुर मार्ग का घटित हुआ है जहां सवा किलोमीटर सड़क लाखों रुपए की लागत से सड़क निर्माण रात के अंधेरे में कर सड़क खुद भ्रष्टाचार की कहानी बयां कर रही है। जिस पर अधिकारियों का ध्यान नही जाना शर्मसार जान पड़ता है ,७२ लाख की लागत से बनी यह रोड़ रात के अंधेरे में कब निर्माण कर ली गई ग्रामीणों को भी इसकी भनक नहीं लग पाई। १५ दिवस पूर्व रात के अंधेरे में १.२५ कि.मी. कि इस रोड़ का निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक एक बालाघाट के द्वारा किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि एक ओर शासन भ्रष्टाचार जड़ से मिटाने का जोर शोर से हल्ला करती है ,वहीं भ्रष्टाचार अपनी जड़ों को इतनी मजबूत ओर जिला प्रशासन के नाक के नीचे खुला भ्रष्टाचार का खेल अवैध रूप से लगातार जारी है । जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता हनवत ने चर्चा में बताया कि उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को फोन लगाया तो पहले तो फोन उठाया नहीं गया और जब उठाया गया तो उन्हें मालूम ही नहीं है कि सड़क पर खुला भ्रष्टाचार का खेल खेला गया है। जिस पर क्या कार्रवाई की जाएगी उससे अधिकारियों का मुंह फेर लिया जाना बड़ी मिली भगत को संकेत करता है । श्रीमती हनवत ने बताया कि जिला कलेक्टर को अभिलंब अपने कार्यालय से निकलकर क्षेत्र में हो रहे भ्रष्टाचार के खुला खेल पर लगाम लगाने की माहिति आवश्यकता है ताकि लगातार हो रहे भ्रष्टाचार पर नकेल कसी जाए। श्रीमती हनवत ने बताया कि मार्ग निर्माण की मांग वर्षो से की जा रही थी और जब मार्ग का निर्माण किया गया तो रात के अंधेरे में, ताकि ग्रामीण मार्ग की गुणवंता ना देख पाए । लेकिन भ्रष्टाचार की कहानी मार्ग निर्माण के १५ दिवस बाद ही स्पष्ट हो गई। मार्ग जहां कहां से भ्रष्टाचार की कलई खोलने के लिए मौजूद है, जिस पर जिला कलेक्टर को तत्काल इस मार्ग का निरीक्षण कर दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए।

सिंगोड़ी से उमरवाड़ा मार्ग खस्ताहाल राहगीर परेशान

जान का जोखिम में डालकर आना जाना कर रहे ग्रामीण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंगोड़ी से उमरवाड़ा को जोड़ने वाला मार्ग खस्ताहाल हो चुका है। मार्ग की स्थिति रोजाना जर्जर होती जा रही है जिस पर चलना भी मुश्किल हो रहा है। परंतु मजबूरी में किसान राहगीर ग्रामीण सभी के द्वारा आवागमन किया जा रहा है। इस मार्ग पर दुर्घटना की प्रबल संभावना बनी हुई है और कई बार दुर्घटनाएं घटित भी हो रही है परंतु लोगों की मजबूरी मार्ग का उपयोग बना हुआ है। सिंगोड़ी से उमरवाड़ा मार्ग की स्थिति यह है कि पूरे मार्ग पर धूल के गुब्बारे उड़ रहे हैं, जगह जगह छोटे बड़े गड्ढे हो गए है। तो वहीं मार्ग पर छोटे.बड़े नुकीले गिट्टी के पत्थर बाहर उभर चुके हैं। ऐसे में मार्ग पर आने जाने से मोटरसाइकिल साइकिल सहित चार पहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त, क्षतिग्रस्त या पंचर होने से दिक्कत की स्थिति निर्मित हो रही है। विदित हो कि यह मार्ग मात्र ६ किलोमीटर की दूरी पर ग्राम पंचायत सिंगोड़ी से उमरवाड़ा को जोड़ता है तो वही ४ किलोमीटर की दूरी पर बकेरा, बघोली को जोड़ती है। यह मार्ग अधिकांश रामपायली और कटंगी क्षेत्र में आने.जाने के लिए ग्रामीणों के द्वारा उपयोग किया जाता है। यदि यह लोग वारासिवनी या लालपुर होते हुए आना जाना करें तो करीब १० किलोमीटर का फेरा इन्हें पड़ता है। ऐसे में ग्रामीण लोगों के लिए यह महत्वपूर्ण मार्ग है जो कम दूरी में क्षेत्र के एक छोर से दूसरे छोर पर लोगों को पहुंचा देता है। जिसकी मरम्मत पिछले १० वर्षों से नहीं हुई है और ना ही कोई ध्यान दिया गया है। बीते समय उमरवाड़ा मार्ग पर पुलिया टूट जाने के कारण पूरा मार्ग बंद हो गया था। हालांकि पाईप पुलिया के माध्यम से निर्माण कर दिया गया है परंतु सड़क की स्थिति आज भी जर्जर बनी हुई है। यह कच्चा मार्ग है जो दो विपरीत क्षेत्र को आपस में जोड़ने का काम करता है। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा अनेकों बार ग्राम पंचायत मार्ग की व्यवस्था करने के लिए मांग की गई है , वहीं ग्राम पंचायत के द्वारा भी जिला पंचायत से मार्ग को लेकर ध्यान आकर्षण करवाया गया है। परंतु वर्तमान तक कोई सुधार कार्य मार्ग पर नहीं किए जाने से रोजाना मार्ग की स्थिति खराब होती जा रही है। ग्रामीणों के द्वारा मार्ग का अति शीघ्र सुधार कार्य करने और हो सके तो पक्का मार्ग निर्माण करने की मांग की जा रही है।

जिम्मेदारो का इस मार्ग पर बिल्कुल भी ध्यान नही है-निहाल राठौर

राहगीर निहाल राठौर ने बताया कि यह मार्ग सिंगोड़ी से उमरवाड़ा को जोड़ता है। इसकी स्थिति बेहद बेहाल हो गई है बारिश के समय यहां आना जाना बंद हो जाता है। लालपुर होते हुए आते.जाते हैं अभी इस मार्ग पर गड्ढे और गिट्टी के पत्थर बाहर आ गए हैं। आने.जाने में दिक्कत है धक्के लगते हैं दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती है। यह ६ किलोमीटर की दूरी का मार्ग है पूरा कच्चा है यह यदि बंद होता है तो दूसरे मार्ग से १० किलोमीटर ज्यादा चलना पड़ता है। किसानो की उमरवाड़ा, बघोली, बकेरा की भी यही रास्ता है। यहां किसान नौकरी पेशा एवं ग्रामीण आते जाते हैं १० वर्षों से यह मार्ग खराब है इसके लिए किसको बोले समझ नहीं आता है। दिख तो सभी को रहा है जिम्मेदार लोगों के द्वारा मार्ग की जर्जर स्थिति पर ध्यान देना चाहिए।

मार्ग की स्थिति बहुत ज्यादा खराब है-नंदकिशोर पटले

किसान नंदकिशोर पटले ने बताया कि हम सिंगोड़ी के रहने वाले हैं हमारी खेती किसानी इस मार्ग पर है रोजाना हमारा आना जाना रहता है। यह रास्ता बकेरा, बांसी, उमरवाड़ा को जाता है जो अभी चलने लायक नहीं है पूर्व सरपंच के समय से इस मार्ग की मरम्मत नहीं हुई है। बड़ी संख्या में लोग यहां से मजबूरी में आते जाते हैं ६ किलोमीटर दूरी है दूसरे मार्ग से जाओ तो १० किलोमीटर ज्यादा चलना होता है। रामपायली क्षेत्र से यह सीधा कटंगी क्षेत्र को जोड़ने वाला कम दूरी का मार्ग है यह पक्का आज तक नहीं बना है। हम चाहते हैं कि यह मार्ग बने मरम्मत हो अभी यहां से बैलगाड़ी जाने लायक की स्थिति नहीं है ऊपर नीचे मार्ग है गड्ढे है पत्थर निकल गए हैं। सरपंच को भी इसके लिए हमने बोला था पर हुआ कुछ नहीं खेती के लिए अभी मार्ग कुछ दिन पहले पुलिया टूट जाने से बंद हो गया था। फिर वहां पाईप पुलिया की व्यवस्था बनाए हैं परंतु मार्ग की स्थिति बहुत ज्यादा खराब है।

अवैध प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय का मामला

वारासिवनी एसडीएम ने 18 कालोनाईजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया

08 कॉलोनाईजर पर 50-50 हजार रुपए एवं 10 कालोनाईजर पर 01-01 लाख रुपए का लगाया जुर्माना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने नियम विरूद्ध अवैध प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय किये जाने के मामले में 18 कालोनाईजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उनके द्वारा तैयार की जा रही कालोनी का प्रबंधन मध्यप्रदेश पंचायत राज्य एवं ग्राम स्वराज अधिनियम की धारा 61 एवं मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत नियम 2014 के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी द्वारा ले लिया जाए। इन कालोनाईजर्स को 10 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है। एसडीएम श्री जायसवाल ने 08 कालोनाईजर पर 50-50 हजार रुपए एवं 10 कालोनाईजर पर 01-01 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है और 10 दिनों के भीतर यह राशि चालान के माध्यम से जमा कर एसडीएम कोर्ट में चालान की प्रति जमा करने कहा गया है। इन कालोनाईजर द्वारा छोटे-छोटे भूखंड विक्रय किये जाने पर तत्काल रोक लगायी गई है। तहसीलदार वारासिवनी को निर्देशित किया गया है कि इन कालोनाईजर्स द्वारा ग्राम वारा , रामपायली, सिकिंद्रा एवं डोंगरमाली में भूखंड विक्रय की जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल एसडीएम कोर्ट को सूचित करें। अवैध रूप से प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय करने के मामले में कालोनाईजर वारासिवनी निवासी श्री आशीष और मंगलम डेवलपर्स, बालाघाट निवासी ऋषभ जैन व शीतला चंद जैन, सिकंद्र निवासी हीरालाल व देवाजी नंदनवार, रामपायली निवासी श्री परमेश्वरदास बैरागी व श्रीराम कमर्शियल काम्प्लेक्स, डोंगरमाली निवासी जसवंत पिता लेखीराम और मनीष वल्द रमेश, वारासिवनी निवासी कन्हैयालाल पात्रे पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इन कालोनाईजर द्वारा वारासिवनी तहसील के अंतर्गत ग्राम रामपायली, वारासिवनी, डोंगरमाली, वारा में अवैध रूप से प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय किये जा रहे थे। इसी प्रकार कालोनाईजर सिकंद्रा निवासी श्री सुभाष पारधी पिता तेनसिंह पारधी, वारासिवनी निवासी पुरुषोत्तम पिता रामचंद्र डेकाटे, लालपुर निवासी जसवंत पिता लेखीराम पटले, वारासिवनी निवासी श्रीमती कल्पना सुराना पति तरुण जैन, रामपायली निवासी गोपाल, प्रकाश व शैलेष पिता ब्रजमोहन, रामपायली निवासी दुनेश पिता जेठानंद सिंधी, मेसर्स श्रीनाथ डेवलपर्स एवं मेसर्स वासुदेव डेवलपर्स, चंद्रकिरण सिंह पिता उत्तम सिंह, डोंगरमाली निवासी श्रीमती शांता पति संपत, श्री हीरलाल पिता मोडक्या, श्री संतोष पिता ताराचंद द्वारा ग्राम डोंगरमाली, सिकंद्रा, रामपायली में अवैध रूप से प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय करने के कारण उन पर 01-01 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इन सभी कालोनाईजर्स के भूखंड विक्रय पर एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल द्वारा रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही इन कालोनाईजर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है कि क्यों न उनके द्वारा तैयार की जा रही कालोनी का प्रबंधन सक्षम प्राधिकारी द्वारा ले लिया जाए। इन कालोनाईजर्स को 10 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

विरासत में संपतिः वरदान या अभिशाप ?

विरासत में मिली संपति वरदान या अभिशाप यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है। विरासत में मिली संपतियां वरदान कम अभिशाप ज्यादा बनती जा रही हैं।अक्सर देखा गया है कि आज लोग विरासत में मिली संपति को बेच रहे हैं और ऐश परस्ती कर रहे हैं।पैसों के लिए झगडे कर रहे हैं। खून के प्यासे हो गए हैं। बुजुर्गों ने पता नहीं कैसे कैसे पाई पाई जोड़कर जमीन जायदाद बनाई होगी ।कौड़ियों के भाव जमीनें बेची जा रही हैं। लाखों करोड़ों रुपये के हिसाब से पैसा मिल रहा है और लोग उसका सदुपयोग करने के बजाए दुरुपयोग कर रहे हैं। जमीन से मिले पैसों से लग्जरी गांड़ियां खरीद रहे हैं,मंहगी शराब का सेवन कर रहे हैं।ब्रांडेड जूते व कपड़े पहन रहे है। प्रोजैक्टों से पैसा मिल रहा है फोरलेन का करोड़ों पैसा मिल रहा है। अकूत व अथाह पैसा मिलने से लो पागल हो गए हैं।परिवार ने पैसे का बंटवारा कर दिया है अब रुतबा ही बदल गया है कल तक पैदल चलने वाले आज बडी़ बड़ी गाड़ियों में घूम रहे हैं। मुफत में मिली माया ने आंखे उंची कर दी है पैसे का बोलबाला हो गया है। अनपढ़ लोगों ने जमीन के बदले जमीनें खरीद ली हैं और पढ़े लिखे लोगों ने आलिशान मकान बना दिए ,मंहगे मोबाईल ले लिए परिवार के सदस्यों ने अलग अलग गाड़ियां ले ली और खाली हो गए अब पैसा खत्म हो चुका है अब दर दर की ठोकरें खा रहे हैं। रिश्तों के रूप बदलते जा रहे है ,रिश्तों में छल -कपट घर करता जा रहा है । बढती महत्वकाक्षाएं भी रिश्तों के विघटन का कारक बन रही हैं।संपति के कारण आज न जाने कितने परिवार खत्म हो गये ,और कितने ही सलाखों के पीछे है। आज संवेदनाएं मृतप्राय हो चुकी हैं ।खून के रिश्ते अर्थहीन होते जा रहे हैं । एक समय था कि रिश्तों में मिठास होती थी लेकिन आज खटास आती जा रही है ।

आज जमीन के एक छोटे से टुकडे के लिए हत्या की जा रही है । रिश्तों की दीवारें दरकने लगी हैं इन दीवारों को बचाना होगा क्योंकि यदि दीवार का एक भी पत्थर निकल जाए तो दीवार कभी भी धराशायी हो सकती है ।खूनी रिश्तों को अटूट बनाना होगा ।एक उदारवादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए ।और खूनी रिश्तों में मिठास घुल सके ।रिश्तों पर जमी नफरत की इस बर्फ को पिघलाना होगाऐसे दिल दहला देने वाले कृत्यों पर विराम लगाना होगा।ताकि समाज में आ रहे इस तरह के संकंट से मुक्ति मिल सके । । रिश्तों में सामजस्य स्थापित करना होगा ताकि भविष्य में इस हत्याकांडों की पुनरावृति न हो सके।और विश्व गुरु की साख को बटटा न लग सके।और आने वाली पीढियां नफरत की इस आग में झुलसने से बच सके और भाईचारा बना रहे और एक नये युग का सूत्रपात हो सके।आज संपति के लिए जो कुछ हो रहा है बहुत ही त्रासद है।मानव धनलिप्सा की मृगतृष्णा में फंसता जा रहा है वह अपनी सोचने की शक्ति खो चुका है। इस मृगमरीचिका का परिणाम क्या होगा इसके पीछे मानव वैसे ही भाग रहा है जैसे हिरन पानी के पीछे भागता है। रिश्तों में बिखराव बेहद घातक है ।

राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की ल?ाई नहीं बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा।

हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकर्ताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है।

इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा। भारत को अक्सर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में देखा जाता है, इसलिए यहां होने वाली चुनावी प्रक्रिया पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नजर रहती है।

निश्चित तसौर पर यह कहा जा सकता है कि चुनाव केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं हैं, बल्कि वे लोकतंत्र के मूल्यों की परीक्षा भी हैं। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाले चुनाव इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि इन चुनावों में राजनीतिक दल संयम और जिम्मेदारी का परिचय दें, चुनाव आयोग अपनी निष्पक्षता और दृढ़ता बनाए रखे तथा मतदाता जागरूकता के साथ मतदान करें, तो यह लोकतंत्र की शक्ति को और अधिक सुदृढ़ करेगा। प्रश्न यह है कि क्या हम इन चुनावों के माध्यम से एक ऐसा आदर्श प्रस्तुत कर पाएंगे, जिसमें लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित न रहकर शालीनता, सहिष्णुता और जनविश्वास की भावना को भी मजबूत करे। यही वह कसौटी है जिस पर इन चुनावों की सफलता या असफलता का वास्तविक मूल्यांकन किया जाएगा।

- ललित गर्ग

आज युद्ध के माहौल में शान्ति की जरुरत

मनुष्य के भीतर एक प्रक्रिया सतत चलती रहती है, जिसे वह अक्सर छिपाता रहता है। जब हमारे भीतर जमा भावनाएँ, जैसे पछतावा, थकान, डर या कोई पुराना दर्द, बाहर आने लगती हैं तो हमें लगता है कि यह हमारी कोई कमजोरी है। लेकिन सच्चाई यह है कि यह एक सफ़ाई की प्रक्रिया है। जैसे शरीर को कभी-कभी विष बाहर निकालना पड़ता है, वैसे ही मन को भी पुराने बोझ छोड़ने पड़ते हैं। अगर हम इनको दबाते रहेंगें तो वह और गहरी/जड़ें पकड़ते चले जाएँगे। बाहरी कपड़े, चाल-ढाल और बाहरी रूप भी व्यक्ति के भीतर की स्थिति से जुड़े होते हैं। जब हम खुद/स्वयं का सम्मान करते हैं, तो हमारे चलने-बैठने में भी एक संतुलन दिखाई देता है। तब हम खुद को बिखरने नहीं देते। यह कभी किसी दिखावे के लिए नहीं होता, बल्कि इसलिए कि हम अपने भीतर की जगह को गंभीरता से ले रहें हैं। ध्यान रहे कि यदि भीतर तांडव चल रहा है तो बाहर भी स्थिति भी यही प्रदर्शित करती है और इसी प्रकार भीतर का संतुलन बाहर भी प्रक्षेपित होने लगता है। दाएं तरफ नाक से सांस आ रही हो तो मन में कहें पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश आप शांति के सागर हैं ! आप कहें इस समय सारे विश्व में जो व्यक्ति, जीव, जन्तु दाएं नाक से सांस ले रहे हैं वे सभी शांत हैं शांत हैं ! आप के संकल्प साँस द्वारा इन सभी को जा रहे हैं और वापिस भी आ रहे हैं ! आप को शक्ति और शांति महसूस होगी ! आप के घर में जो बच्चे हैं, बड़े हैं चाहे उन से विचार मिलते हैं या नही, उन्हें दाएं नाक की तरफ देखें और कहें आप शांत हैं शांत हैं, मेरे सभी पूर्वज आप भी शांत हैं ! दूसरे कोई भी व्यक्ति याद आएं उन्हें भी कहें आप शांत हैं शांत हैं ! जहाँ भी आप मुखियां है उन सब लोगो को कहें आप शांत हैं शांत हैं ! आप पढ़ रहे हैं , कोई कार्य कर रहे हैं उस समय भी दाएं नाक की तरफ देखते हुए मन में कहते रहें मैं शांत हूं शांत हूं ! आप के संकल्प सांस द्वारा उन के आस पास की वायु में कम्पन उत्पन करते हैं और वह भी आप के लिये वही सोचने लगते हैं ! आज खाड़ी देश में युद्ध चल रहा है ऐ भी एक आपदा है जैसे कहीं बाढ आ जाती है, भूकम्प आ जाता है, कोई दंगा हो जाता है, कोई बुरी घटना घट जाती है, उन्हें आप टीवी या मोबाइल में देखते हैं, उन सब को भी दाएं साँस की तरफ देखते हुए कहें आप शांत हैं शांत हैं !शांत, सौम्य और शक्तिशाली, भगवान राम का यह रूप हमें जीवन के हर मोड़ पर सही मार्ग चुनने की प्रेरणा देता है। श्री राम केवल एक राजा या योद्धा नहीं थे, बल्कि वे मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में पूरे विश्व में पूजनीय हैं। उनके नाम के स्मरण मात्र से जीवन में शांति, भक्ति, और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।आज गैस की किल्लत से आप घबरा गए सोचो भगवान राम ने 14 वर्ष जंगल में क्या खाये होंगे श्री राम का मार्ग संकटो से घिरा जरूर है लेकिन ऐ आपको अंदर से म ?बूत बनाता है राम के नाम का विशेष महत्व है। इस स्तुति का पाठ करने से मनुष्य को आध्यात्मिक शक्ति, आत्मिक बल और भक्ति का वरदान प्राप्त होता है। श्री राम केवल एक राजा या योद्धा नहीं थे, बल्कि वे मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में पूरे विश्व में पूजनीय हैं। उनके नाम के स्मरण मात्र से जीवन में शांति, भक्ति, और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। श्री राम के दयालु, न्यायप्रिय, मर्यादा का पालन करने वाले और भक्तवत्सल स्वरूप का गौरवगान करती है। इस स्तुति में भगवान श्री राम को चराचर जगत के स्वामी, सर्वशक्तिमान और कल्याणकारी देवता के रूप में वर्णित किया गया है। इसे पढ़ने और सुनने से मन और हृदय को शांति मिलती है। रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास जी ने विभिन्न छंदो में श्री राम की स्तुति का उल्लेख मिलता है। श्री राम के ध्यान से जीवन में कई शुभ परिवर्तन लाता है। यह स्तुति केवल भक्ति का ही प्रतीक नहीं बल्कि यह हमारे मन, विचार और कर्मों को भी शुद्ध करती है। इसका महत्व इस प्रकार है - आध्यात्मिक उन्नति - यह ध्यान आपके आत्मा को शुद्ध करता है और मन को शांत करता है। नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा -श्री राम के नियमित ध्यान से नकारात्मक शक्तियाँ दूर होती हैं। मानसिक शांति - यह नाम तनाव और चिंता को कम करता है और व्यक्ति को मानसिक स्थिरता प्रदान करता है। परिवार में सुख-शांति - श्री राम का नाम लेने से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। संकटों से रक्षा ङ्क यह नाम जीवन की बाधाओं और कष्टों को दूर करता है।

ज़ेन ज़ेड (युवा पीढ़ी) में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति, आधुनिक समाज की एक गंभीर और संवेदनशील चुनौती

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी को तकनीक, वैश्वीकरण और अभूतपूर्व अवसरों की सदी कहा जाता है।आज का युवा वर्ग,जिसे सामान्यत:ज़ेन ज़ेड या नई पीढ़ी कहा जाता है,डिजिटल दुनियाँ के साथ पैदा हुआ है और उसी के साथ विकसित हुआ है।यह पीढ़ी तकनीकी रूप से सबसे अधिक सक्षम,सूचनाओं से भरपूर और वैश्विक अवसरों से जुड़ी हुई मानी जाती है।परंतु इस चमकदार आधुनिकता के पीछे एक बेहद चिंताजनक और दर्दनाक सच्चाई भी छिपी है, युवाओं में आत्महत्या के मामलों में लगातार वृद्धि।पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि युवा वर्ग के बीच आत्महत्या की घटनाएँ अचानक बढ़ती जा रही हैं। यह केवल किसी एक देश या समाज की समस्या नहीं है, बल्कि एक वैश्विक सामाजिक संकट बन चुकी है।भारत सहित अनेक देशों में यह चिंता का विषय है कि जीवन के सबसे ऊर्जावान और संभावनाओं से भरे चरण में ही युवा इतने निराश और असहाय क्यों महसूस कर रहे हैं कि वे अपने जीवन का अंत करने जैसा कदम उठा लेते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जेन जेड (युवा पीढ़ी) में आत्महत्या के मामलों में अचानक इतना इजाफा क्योंकि जेन जेड आत्महत्या करने के पहले सोचे कि क्या वे आत्महत्या करके पारिवारिक नैतिक और सामाजिक अपराधी तो नहीं बन रहे हैं? अपने माता-पिता को कितना कष्टदायक अति दुखी छोड़ कर जा रहे हैं? अपनी पत्नी छोटे बच्चों को कितना भयंकर दुख देकर जा रहे हैं? क्या परलोक में ईश्वर अल्लाह उन्हें क्षमा करेंगे? परलोक जाकर वे नरक यानें जहन्नुम में इसकी सजा भुगतेंगे इन सवालों के जवाब ढूंढने जाएंगे तो वें आत्महत्या कर नहीं पाएंगे इसीलिए ऐसा जनजागरण शासन प्रशासन व समाज द्वारा करना अत्यंत जरूरी है तथा आत्महत्या के कारणों को खोज उनका समाधान ढूंढने की कोशिश की जानी चाहिए कि बच्चे टूट क्यों रहे हैं? इस सवाल का जवाब ढूंढने जाएंगे तो वें आत्महत्या कर नहीं पाएंगे इसीलिए ऐसा जनजागरण शासन प्रशासन व समाज द्वारा करना अत्यंत जरूरी है,जब कोई युवा आत्महत्या करता है तो केवल एक जीवन समाप्त नहीं होता, बल्कि उसके साथ एक पूरा परिवार,अनेक सपने और अनगिनत भावनाएँ भी टूट जाती हैं माता-पिता, भाई- बहन,पत्नी और छोटे बच्चों के जीवन पर इसका गहरा और स्थायी प्रभाव पड़ता है। इसलिए आत्महत्या केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं बल्कि एक सामाजिक और नैतिक प्रश्न भी बन जाता है।आज की युवा पीढ़ी पर जीवन के कई प्रकार के दबाव एक साथ काम कर रहे हैं।शिक्षा, करियर,आर्थिक स्थिरता, सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत संबंधों की जटिलताएँ युवाओं को सटीक मानसिक रूप से अत्यधिक दबाव में डाल देती हैं।

साथियों बात कर हम जब कोई व्यक्ति आत्महत्या करता है, उसकी पारिवारिक धार्मिक स्थिति की करें तो,उसके माता -पिता को जीवनभर का दुख और अपराधबोध झेलना पड़ता है। जिन माता-पिता ने अपने बच्चे को प्रेम और त्याग से बड़ा किया,उनके लिए यह आघात असहनीय होता है।यदि वह व्यक्ति विवाहित है और उसके छोटे बच्चे हैं,तो उनके जीवन पर इसका प्रभाव और भी गंभीर होता है।बच्चे अपने पिता या माता के बिना भावनात्मक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करते हैं।इस दृष्टि से देखा जाए तो आत्महत्या केवल एक व्यक्ति का निर्णय नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करने वाला कार्य है।दुनियाँ की लगभग सभी धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराएँ जीवन को ईश्वर का अमूल्य उपहार मानती हैं। हिंदू, इस्लाम, ईसाई और अन्य धर्मों में आत्महत्या को सामान्यत: अनुचित या पापपूर्ण माना गया है।धार्मिक दृष्टिकोण यह संदेश देता है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न हों,उन्हें धैर्य,साहस और विश्वास के साथ सामना करना चाहिए।यदि युवा यह सोचें कि उनके इस कदम से उनके परिवार को कितना दुख होगा और क्या ईश्वर इस निर्णय को स्वीकार करेगा, तो संभव है कि वे अपने निर्णय पर बिलकुल पुनर्विचार करें। साथियों बात अगर हम स्कूल कॉलेज के छात्रों द्वारा परिवार की अपेक्षा से आत्महत्या के दृष्टिकोण से देखें तो, स्कूल और कॉलेजों में प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र हो गई है कि कई बार विद्यार्थी पढ़ाई को सीखने की प्रक्रिया के बजाय एक मानसिक युद्ध की तरह अनुभव करने लगते हैं।परीक्षा में अच्छे अंक लाने, प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाने और सफल करियर बनाने का दबाव कई युवाओं के लिए असहनीय हो जाता है।इसके साथ ही परिवार की अपेक्षाएँ भी अक्सर युवाओं के लिए मानसिक बोझ बन जाती हैं। माता-पिता अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कल्पना करते हुए उनसे बड़ी-बड़ी उम्मीदें रखते हैं, लेकिन कई बार यह उम्मीदें बच्चों के मन में भय और असुरक्षा की भावना पैदा कर देती हैं।जब कोई युवा इन अपेक्षाओं को पूरा करने में असफल महसूस करता है, तो वह स्वयं को असफल, अयोग्य और समाज से अलग-थलग समझने लगता है। यही भावना धीरे-धीरे निराशा और अवसाद का रूप ले सकती है।

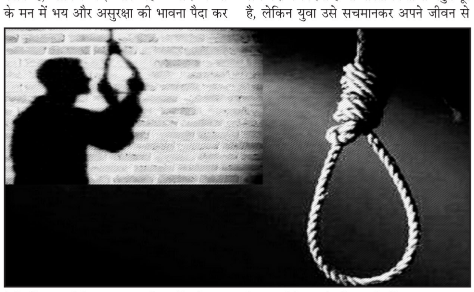

साथियों बात अगर हम सट्टा जुआ शेयर मार्केटिंग सोशल मीडिया और तुलना की मानसिकता के दृष्टिकोण से देखें तो सट्टा जुआ शेयर मार्केटिंग डिजिटल गेम के बढ़ते प्रचलन जिसमें लंबी हार से आर्थिक देवता बनती है डिजिटल युग में सोशल मीडिया युवाओं के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इंस्टाग्राम, फेसबुक और अन्य प्लेटफॉर्म पर लोग अपने जीवन की केवल सफल और चमकदार तस्वीरें साझा करते हैं।जब कोई युवा लगातार दूसरों की सफलता, सुंदरता, विलासिता और लोकप्रियता को देखता है,तो उसके मन में अनजाने में तुलना की भावना पैदा हो जाती है। उसे लगता है कि उसका जीवन दूसरों की तुलना में कम सफल या कम आकर्षक है।यह तुलना धीरे-धीरे आत्मविश्वास को कमजोर कर देती है और व्यक्ति अपने जीवन से असंतुष्ट होने लगता है। कई बार यह असंतोष गहरी मानसिक पीड़ा और अवसाद में बदल जाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया ने युवाओं के बीच परफेक्ट लाइफ का एक ऐसा भ्रम पैदा कर दिया है जो वास्तविकता से बहुत दूर है, लेकिन युवा उसे सचमानकर अपने जीवन से निराश होने लगते हैं। साथियों बात कर हम भावनात्मक अकेलापन और संवाद की कमी के दृष्टिकोण से सोचने की करें तो आधुनिक जीवन में भौतिक सुविधाएँ बढ़ी हैं, लेकिन भावनात्मक संबंध कमजोर होते जा रहे हैं। परिवारों में संवाद कम होता जा रहा है और कई युवा अपने मन की बात किसी से साझा नहीं कर पाते।कई बार युवा अपने माता-पिता, मित्रों या जीवनसाथी से अपनी परेशानियों को बताने से हिचकिचाते हैं। उन्हें डर होता है कि लोग उन्हें कमजोर समझेंगे या उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लेंगे।यह भावनात्मक अकेलापन धीरे-धीरे भीतर ही भीतर उन्हें तोड़ने लगता है। जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक अपने दुख और तनाव को अकेले सहता है, तो उसकी मानसिक स्थिति अत्यंत नाजुक हो सकती है। पारिवारिक और वैवाहिक संबंधों की जटिलताएँ आज के समाज में व्यक्तिगत संबंधों में भी कई प्रकार की जटिलताएँ दिखाई देती हैं।

प्रेम संबंधों का टूटना, वैवाहिक विवाद, या पारिवारिक तनाव कई युवाओं को गहरे मानसिक संकट में डाल देते हैं।कई मामलों में यह देखा गया है कि विवाह के बाद पति-पत्नी के बीच विवाद होने पर या जीवनसाथी के अलग हो जाने पर युवा मानसिक रूप से टूट जाते हैं। कुछ लोग इस स्थिति को जीवन की असफलता के रूप में देखने लगते हैं। जब भावनात्मक समर्थन नहीं मिलता और व्यक्ति को लगता है कि उसका जीवन पूरी तरह बिखर गया है, तब वह निराशा के उस स्तर तक पहुँच सकता है जहाँ उसे आत्महत्या ही एकमात्र रास्ता दिखाई देता है। साथियों बात अगर हम नैतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से आत्महत्या के समाधान को देखने की करें तो आत्महत्या को केवल व्यक्तिगत पीड़ा का परिणाम मानना पर्याप्त नहीं है। यह एक नैतिक और सामाजिक प्रश्न भी है। आत्महत्या की समस्या का समाधान केवल व्यक्तिगत स्तर पर संभव नहीं है। इसके लिए समाज, परिवार, शिक्षा प्रणाली और सरकार सभी को मिलकर काम करना होगा।स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को केवल पढ़ाई में ही नहीं बल्कि भावनात्मक संतुलन और जीवन कौशल सिखाने की भी आवश्यकता है।वैसे ही सरकार को मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाना चाहिएकाउंसलिंग सेंटर,हेल्पलाइन और मनोवैज्ञानिक सहायता केंद्र युवाओं के लिए उपलब्ध होने चाहिए ताकि संकट के समय वे सहायता प्राप्त कर सकें।परिवार की भूमिका-सुनना औरसमझना विशेषज्ञों का मानना है कि युवाओं को डांटने या केवल सलाह देने से अधिक महत्वपूर्ण है उनकी बातों को ध्यान से सुनना। माता-पिता और परिवार के सदस्यों को ऐसा वातावरण बनाना चाहिए जिसमें बच्चे बिना डर या झिझक के अपनी भावनाएँ व्यक्त कर सकें।यदि कोई युवा अपनी समस्या साझा करता है, तो उसे गंभीरता से सुनना और समझना अत्यंत आवश्यक है। कई बार केवल सहानुभूति और भावनात्मक समर्थन ही व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों से बाहर निकाल सकता है। साथियों बात अगर हम जनजागरण और सामाजिक अभियान की आवश्यकता को समझने की करें तो आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाना आवश्यक है। समाज में यह संदेश फैलाना चाहिए कि जीवन कीकठिनाइयाँ अस्थायी होती हैं, लेकिन आत्महत्या का निर्णय स्थायी और अपरिवर्तनीय होता है।मीडिया, सामाजिक संस्थाएँ और धार्मिक संगठन मिलकर लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर सकते हैं।यह भी आवश्यक है कि समाज में ऐसी संस्कृति विकसित की जाए जिसमें मानसिक समस्याओं को कमजोरी नहीं बल्कि सामान्य मानवीय अनुभव के रूप में समझा जाए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि जीवन का मूल्य और आशा का संदेशयुवा किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति और भविष्य होते हैं।उनकी ऊर्जा, रचनात्मकता और सपने ही राष्ट्र के विकास की नींव बनाते हैं।यदि युवा निराशा और अवसाद के कारण अपना जीवन समाप्त करने लगें,तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। आत्महत्या की समस्या का समाधान केवल उपदेश देने से नहीं बल्कि संवेदनशीलता, संवाद और सहयोग से संभव है। हमें युवाओं को यह विश्वास दिलाना होगा कि जीवन की हर कठिनाई का समाधान संभव है और कोई भी समस्या इतनी बड़ी नहीं होती कि उसके कारण जीवन समाप्त कर दिया जाए।जब परिवार, समाज और सरकार मिलकर युवाओं को सहारा देंगे,उनकी बात सुनेंगे और उन्हें आशा का मार्ग दिखाएंगे, तब ही हम इस गंभीर सामाजिक संकट को कम कर पाएंगे।जीवन अनमोल है, और हर युवा का जीवन केवल उसका नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर है। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी युवा अकेला, असहाय और निराश महसूस न करे।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। कमजोर उठाव के बीच मंगलवार को अनाज मंडी में चना नरमी पर रहा। उड़द व मूंग में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में सुर्खी जारी रही। तिलहनों में सोयाबीन में टिकाव रहा। किराना जिंसों में सूखे मेवों में सुर्खी रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में उठाव की सुस्तता से बाजार नरमी के रहे। उड़द व मूंग में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में सुर्खी बनी रही। तिलहनों में व्यापार सामान्य ही रहा। किराना जिंसों में सूखे मेवों में बाजार मजबूती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4130-4180, खोपरा गोला 320-390, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, मीडियम 280-295, बेस्ट 300-310, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 280-290, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 880-920, सिंगापुरी 820-840, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1500-1700, बेस्ट 1700-1800, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल- सींगदाना 1760-1780, मुम्बई 1760, राजकोट तेलिया 2730, सोया साल्वेंट 1360-1370, सोया रिफाइंड 1420-1425, कपास्या 1360-1370, धूलिया 1370, कड़ी 1370,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1725-1750, मुम्बई पाम 1430, मुम्बई सोया 1440,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2275, देवास-उज्जैन 2275, खंडवा-बुरहानपुर 2250, अकोला 3525 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6600, रायडा 5700-6000, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5550-5600, एवरेज 5400-5450, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5760-5800, एवरेज 5600-5700, मूंग देशी 8100-8200, पाला 8200-8300, चमकी 8300-8400, नायलोन 8300-8400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 255000, चाँदी (99) 254000, टंच 253500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 156000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.37 पर बंद हुआ। आज सुबह कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में रुपया 14 पैसे टूटकर 92.42 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती एवं अमेरिकी मुद्रा में तेजी से भी मुद्रा पर दबाव डाला। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले की प्रतीक्षा में सतर्कता बरत रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.35 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.42 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट दिखाता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 567.99 अंक बढ़कर 76,070.84 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 172.35 अंक की तेजी के साथ ही 23,581.15 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निवेशकों ने ऑटो, मेटल और रियल्टी क्षेत्र के शेयरों में खरीदारी की जिससे बाजार को बल मिला। वहीं एशियाई व अमेरिकी बाजारों की तेजी से भी कारोबार बढ़ा। जापान का निक्केई 225 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। वहीं, अमेरिकी बाजार भी मजबूती के साथ बंद हुए, जहां एसएंडपी 500 और नैस्डैक में अच्छी तेजी रही। इससे पहले आज सुबह मेटल और ऑटो सेक्टर में खरीदारी से प्रमुख सूचकांकों को मजबूती दी। एशियाई बाजारों से मिले बेहतर संकेतों ने भी निवेशकों

का भरोसा बढ़ाया, जिससे बाजार की दिशा ऊपर की ओर बनी रही। कारोबार के दौरान ?निफ्टी बढ़त के साथ 23,503.95 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं सेंसेक्स भी 280.68 अंक चढ़कर 75,768.53 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। बाजार में यह तेजी मुख्य रूप से मेटल और ऑटो कंपनियों में आई खरीदारी के कारण रही। हालांकि आईटी सेक्टर में कमजोरी का रुख बना रहा। इंफोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे आईटी इंडेक्स पर दबाव बना और यह सेक्टर दिन का सबसे कमजोर सेक्टर रहा। वहीं व्यापक बाजार की बात करें तो मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में शुरुआती गिरावट के बाद सुधार देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.13 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करते दिखे। सेक्टर आधारित प्रदर्शन में फार्मा सेक्टर सबसे आगे रहा, जहां मजबूत खरीदारी दर्ज की गई।

कैप्टिव अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को मिलेगा नया प्रोत्साहन, नियम हुए आसान

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय सरकार ने बिजली (संशोधन) नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं, जिनका मकसद निजी इस्तेमाल वाले (कैप्टिव) बिजली संयंत्रों के नियमों को आधुनिक कॉर्पोरेट समूहों के अनुरूप बनाना है। नए नियम समूह कंपनियों को कैप्टिव बिजली का लाभ लेने में अधिक सुविधा और स्पष्टता प्रदान करेंगे। इससे उद्योगों को अक्षय ऊर्जा अपनाने में मदद मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा के विकास को गति मिलेगी। पहले कैप्टिव बिजली नियमों की संकीर्ण व्याख्या के कारण वैध समूह इकाइयां भी बिजली का इस्तेमाल नहीं कर पाती थीं। नए नियम में ग्रुप कैप्टिव मॉडल को सरल किया गया है। अब कंपनियों को 51 फीसदी उपभोग की आवश्यकता को व्यक्तिगत रूप से नहीं, बल्कि समूह स्तर पर पूरा करने की अनुमति होगी। इससे अनुपालन जोखिम कम होगा और कंपनियों को लचीलापन मिलेगा। कंपनियां अक्सर गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित कैप्टिव पॉवर के लिए विशेष उद्देश्य इकाइयां (एसपीवी) या एओपी (एओपी) बनाती हैं। ये इकाइयां उत्पादन केंद्र के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी निभाती हैं। पुराने नियमों में व्याख्या संबंधी समस्याओं के कारण समूह के कई प्रोजेक्ट्स अपने निवेश का पूरा लाभ नहीं ले पाते थे। नए संशोधन से इस बाधा को दूर किया गया है। संशोधन से उद्योगों को भरोसेमंद, उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती बिजली सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, नियमों को आसान बनाने से अक्षय ऊर्जा अपनाना आसान होगा और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा निवेश और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

एनएफआरए ने जारी की चार बड़ी ऑडिट फर्मों की निरीक्षण रिपोर्ट

ये फर्में हैं पीडब्ल्यूसीए, बीएसआर एंड कंपनी, एसआरबीसी और एमएसकेए एंड एसोसिएट्स

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत के राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने चार प्रमुख ऑडिट फर्मों की निरीक्षण रिपोर्ट जारी की हैं, जिनमें प्राइस वॉटरहाउस चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (पीडब्ल्यूसीए), बीएसआर एंड कंपनी, एसआरबीसी एंड कंपनी और एमएसकेए एंड एसोसिएट्स शामिल हैं। ये रिपोर्ट वित्त वर्ष 26 की गतिविधियों को कवर करती हैं। एनएफआरए ने कहा कि सभी फर्मों के लिए गैर-ऑडिट सेवाओं पर नियंत्रण मजबूत करने, दस्तावेज़ीकरण में सुधार और सहायक कंपनियों को ऋण देने में निष्पक्ष दूरी बनाए रखने की आवश्यकता है। निरीक्षण रिपोर्ट में पाई गई कमजोरियों को सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि फर्मों के काम का नकारात्मक मूल्यांकन। पीडब्ल्यूसीए ने अपनी सहायक कंपनियों को 8.5 फीसदी ब्याज दर पर ऋण दिया, जिसे एनएफआरए ने निष्पक्ष माना, लेकिन यह भी कहा कि पर्याप्त ऑडिट प्रक्रियाओं का सबूत नहीं मिला। एक ऑडिट मामले में होल्डिंग कंपनी पर चल रहे सीबीआई केस के प्रभाव का मूल्यांकन रिपोर्ट में स्पष्ट नहीं था। मानव संसाधन में भी कमी पाई गई; एक नियुक्त सीए की नकली डिग्री थी, जिसे दो साल बाद सत्यापन प्रक्रिया में पता चला और फर्म ने सेवामुक्त कर दिया। बीएसआर ने स्वतंत्रता और पिछले निरीक्षण निष्कर्षों का पालन किया, लेकिन नियामक ने गैर-ऑडिट सेवाओं की नीतियों और समस्या के मूल कारणों के विश्लेषण को और मजबूत करने की आवश्यकता बताई। एनएफआरए की ये रिपोर्टें ऑडिट फर्मों को सुधार और पारदर्शिता बढ़ाने का संकेत देती हैं। इसमें वित्तीय प्रक्रियाओं, मानव संसाधन और नीति अनुपालन जैसे क्षेत्रों में सुधार के अवसरों पर जोर दिया गया है, ताकि ऑडिट उद्योग की गुणवत्ता और विश्वसनीयता बनी रहे।

मेष- आज का दिन आपके लिए कामकाज के लिहाज से थोड़ा व्यस्त रहने वाला है। काम का दबाव अधिक रहेगा और कुछ विरोधी आपके कार्यों में बाधा डालने की कोशिश भी कर सकते हैं, लेकिन समझदारी से आप स्थितियों को संभाल लेंगे। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का अवसर भी मिल सकता है। यदि आप अपने कामों को योजना बनाकर करेंगे, तो सभी कार्य समय पर पूरे हो सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। परिवार में किसी नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे घर का माहौल और भी आनंदमय हो जाएगा। किसी पुरानी गलती से आपको एक महत्वपूर्ण सीख मिलेगी। समाज में आपके अच्छे कार्यों की सराहना होगी और आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आप अपने काम को समय पर पूरा करने के लिए पूरा प्रयास करेंगे। वाहन चलाते समय थोड़ी सावधानी बरतें और किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचें।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। उच्च अधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी, जिससे कार्यक्षेत्र में आपको लाभ मिल सकता है। जो लोग नौकरी बदलने का प्रयास कर रहे हैं, उन्हें अच्छी सफलता मिलने की संभावना है। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके मिलने के भी संकेत हैं। काम की व्यस्तता के बावजूद आप परिवार के लिए समय निकालेंगे और उनके मन की बात समझने का प्रयास करेंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला रहेगा। हालांकि पार्टनरशिप में नया व्यवसाय शुरू करने से फिलहाल बचना ही बेहतर रहेगा। यदि आप किसी सरकारी योजना में निवेश करने का विचार कर रहे हैं, तो वह आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है। किसी भी काम में जल्दबाजी से बचें, नहीं तो बाद में पछताना पड़ सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आप अपने मित्रों के साथ समय बिताएंगे और स्वादिष्ट भोजन का आनंद भी लेंगे। राजनीति या किसी सामाजिक मामले से जुड़ी उलझन आज सुलझ सकती है। अपने कामों को धैर्य और संयम के साथ पूरा करने की कोशिश करें। मित्रों का सहयोग आपको मिलता रहेगा। परिवार के साथ किसी मांगलिक या शुभ कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर भी मिल सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए अचानक लाभ लेकर आ सकता है। लंबे समय से चली आ रही परेशानियां धीरे-धीरे समाप्त होंगी। आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना होगा और यदि आपने किसी से कोई वादा किया है, तो उसे समय रहते पूरा करने का प्रयास करें। तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होती नजर आएंगी। संतान पढ़ाई के लिए किसी नए कोर्स में दाखिला ले सकती है।

तुला- आज का दिन आपकी आय में वृद्धि कराने वाला रहेगा। आय बढ़ने से मन प्रसन्न रहेगा और आप अपने भविष्य की योजनाओं पर भी ध्यान देंगे। विद्यार्थी किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं और सफलता के लिए प्रयास करेंगे। मौसम का असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, इसलिए सावधानी रखें। कुछ नए लोगों से आपकी जान-पहचान बढ़ेगी। ससुराल पक्ष से किसी प्रकार की आर्थिक सहायता मिलने की संभावना है।

वृश्चिक- आज का दिन स्वास्थ्य के लिहाज से थोड़ा कमजोर रह सकता है, इसलिए अपने खानपान और दिनचर्या पर विशेष ध्यान दें। यदि किसी समस्या को लेकर आप लंबे समय से परेशान थे, तो उसका समाधान मिलने की संभावना है। मन में चल रही उलझनों को दूर करने के लिए किसी भरोसेमंद व्यक्ति से सलाह लेना लाभदायक रहेगा।

धनु- आज का दिन लेन-देन से जुड़े मामलों में सावधानी बरतने का संकेत दे रहा है। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी, लेकिन किसी भी प्रकार का जोखिम लेने से बचें। विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना ही आपके लिए फायदेमंद रहेगा। नई नौकरी मिलने की संभावना भी बन रही है। आप अपने बॉस से किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

मकर- आज पारिवारिक जीवन में खुशियां बनी रहेंगी। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का अवसर मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आपकी कोई मनोकामना भी पूरी हो सकती है। विद्यार्थी पढ़ाई पर पूरा ध्यान देंगे, जिससे उन्हें परीक्षा में सफलता मिल सकती है। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

कुंभ- आज आपको अपनी जरूरतों के अनुसार ही खर्च करने की सलाह दी जाती है। दिखावे और अनावश्यक खर्चों से दूर रहें। आप संतान के करियर को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। ससुराल पक्ष से किसी प्रकार का आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है।

मीन- आज का दिन आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहेगी और घर का माहौल भी आनंदमय रहेगा। एक के बाद एक अच्छी खबर मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। किसी कानूनी मामले में आपको जीत मिल सकती है। किसी नए कार्य में आपकी रुचि जागृत होगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और धन से जुड़ी समस्याएं भी दूर हो सकती हैं।

शब्दजाल - 8201

शब्द जाल में भारत के 10 राज्यों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

प्र	उ	त्त	र	प्र	दे	श	ब	ना	क	प्र
ती	क	ती	ति	ल	क	व	जी	ग	कृ	गु
के	ड़	रा	त	त	मि	ल	ना	ड़ु	आ	ज
र	क	क	ज	ज	जा	पु	का	प्र	प्र	रा
ल	प्र	क	क	स्था	ग	प्र	अ	प्र	श	त
झ	झा	का	प्र	ल	न	ह	झ	दे	ना	ण
घ	र	त	सी	ष	मी	म	प्र	से	क	क
ला	खं	क	ता	तै	ई	ध्य	ब	र्ना	फ	लो
श	ड	प्र	बि	हि	म	ई	ट	प्र	री	प
प	जा	द	र	हा	प	क	जी	उ	ड़ी	सा
प	प्र	क	क	प्र	र	है	या	रा	बा	प्र

राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, केरल, उड़ीसा

शब्दजाल - 8200 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7145

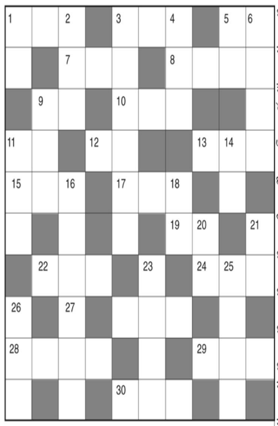

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निराली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिल सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7144

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

18 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	05.56 बजे से
चंद्र	तुला में	मेष	07.31 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.11 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.09 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.23 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.39 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	17.51 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.01 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.16 ब.से
		धनु	00.32 बजे से
		मकर	02.37 बजे से
		कुंभ	04.24 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2026 वर्ष का 77 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 08.26 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 06.09 बजे तदनन्तर पूर्वाभाद्रपदा 05.21 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** साध्य 06.22 बजे तदनन्तर शुभ 04.01 बजे रात्र को समाप्त। **करण** शकुनि 08.26 बजे तदनन्तर चतुष्पद 19.44 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 01° 02' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872652 **जूलियन दिन** 2461117.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 28 **विशेष** दर्श अमावस्या।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सेवा की भावना

जर्मनी का महान समाजसेवी ओबरलीन एक बार अपनी यात्रा के दौरान मुसीबतों से घिर गया। तेज आंधी-तूफान और ओलों ने उसे बुरी तरह परेशान कर दिया। वह मदद के लिए चिल्लाता रहा, लेकिन सबको अपनी जान बचाने की पड़ी थी, सो उसकी पुकार कौन सुनता? वह बेहोशी की हालत में नीचे गिर पड़ा। कुछ देर बाद उसे अहसास हुआ कि किसी व्यक्ति ने उसे थामा हुआ है और उसे सुरक्षित जगह पर ले जाने की कोशिश कर रहा है। होश में आने पर ओबरलीन ने देखा कि एक गरीब किसान उसकी सेवा में जुटा हुआ है। ओबरलीन ने किसान से कहा कि वह उसकी सेवा करने के एवज में उसे इनाम देगा। फिर उसने किसान से उसका नाम जानना चाहा। यह सुनकर किसान मुस्कराया और बोला, 'मित्र! बताओ, बाइबिल में कहीं किसी परोपकारी का नाम लिखा है। नहीं न। तो फिर मुझे भी अनाम ही रहने दो। आप भी तो निःस्वार्थ सेवा में विश्वास रखते हो। फिर मुझे इनाम का लालच क्यों दे रहे हो? वैसे भी पुरस्कार का लालच किसी को भी निःस्वार्थ सेवा करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। सेवा की भावना तो हमारे अंदर से उत्पन्न होती है। इसे न ही पैदा किया जा सकता है और न ही मिटाया जा सकता है।' ओबरलीन उस निर्धन किसान की बातें सुनकर दंग रह गया। वह मन ही मन सोचने लगा कि आज उसे इस किसान ने एक पाठ पढ़ाया है। सेवा जैसा भाव तो अनमोल है। उसकी कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती और सेवा के लिए कोई भी पुरस्कार अधूरा है। यह किसान कितना महान है जो बिना किसी स्वार्थ के परोपकार करने में विश्वास करता है। आज कितने ऐसे लोग हैं जो इस निर्धन किसान की परोपकार की भावना का मुकाबला कर सकते हैं। ओबरलीन को इस बात के लिए अफसोस हुआ कि उसने किसान को इनाम देने की बात कही। ओबरलीन ने किसान से कहा, 'अगर आपके जैसे इंसान हर जगह हों तो कहीं पर दुराचार शेष नहीं रहेगा।'

सूडोकु नवताल- 7454

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7453 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8669

बाएँ से दाएँ

1. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3. रहस्य का ज्ञाता-4
6. खुशबू, सुगंध-3
7. सौ, सैकड़ा, शतक-2
8. दुलारा, लाड़ला-2
10. नाम रखना-5
12. दाम, मूल्य, दर-3
15. अग्नि, आग-3
17. सम्मान देना -2,3
20. जन्नत, अप्सरा-2
22. दाम, कीमत-2
23. स्थान-3
24. अचरज भरा कार्य-4
25. गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2. न्यूनता, कमी-5
3. अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4. आवश्यकता-4
5. राजी करना, मान मनुहार करना-3
7. वहम, संदेह-2
9. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
11. मैला, दागदार-3
13. धोखेबाज, कपटी-3
14. मन मोहने वाला-5
15. अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16. रक्त, खून-2
18. आनेवाला दिन-2
19. नृत्य करना-3
21. चांदी-3

शब्द पहेली -8668 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

वारी के पांढरी पाट देवी मंदिर पीछे जंगल में पुरुष के बाद महिला का मिला शव

महिला की अब तक नहीं हुई शिनाख्त

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी पुलिस अनुभाग के बहेला थाना अन्तर्गत ग्राम वारी में प्रसिद्ध धार्मिक स्थल माँ पांढरी पाट देवी धाम के पीछे जंगल में दो दिनो में दो शव जिसमें एक पुरूष एवं महिला का शव मिलने से अब मामला अतिगंभीर और संगीन नजर आने लगा है। दोनों ही शव को बहेला पुलिस ने बरामद कर लांजी में पोस्टमार्टम करवाया गया है। मौका स्थल पर पुलिस के आला अधिकारी सहित पुलिस बल एवं प्रशासनिक अमला पंहुचा जिनके समक्ष ही सभी कानूनी कार्यवाही की गई है। एसडीओपी लांजी के नेतृत्व में संपूर्ण जांच कार्यवाही की जा रही है।

16 मार्च को मिला चरणगीर उर्फ बंशी का शव, 17 को मिला महिला का शव

वारी जंगल में दो दिन मे दो शव मिलने का मामला अति गंभीर इसलिये बताया जा रहा है क्योंकि यह मामला सिर्फ आत्महत्या का प्रतीत नही हो रहा है। 16 मार्च को मौका स्थल पर चरणगीर उर्फ बंशीगिरी पिता गिरवर जोगी उम्र 33 वर्ष ग्राम रामपुर साल्हेवाड़ा थाना बेमेतरा छत्तीसगढ़ का निवासी का शव मिला था। शव के पास कुछ संदिग्ध वस्तुऐं भी पुलिस को बरामद हुई है यह बताया जा रहा है। बहेला पुलिस ने मर्ग कायम किया जाकर चरणगीर उर्फ बंशीगिरी जोगी के शव का पोस्टमार्टम करवाकर मामला जांच में लिया था कि दुसरे दिन 17 मार्च को पुलिस को दोबारा सूचना मिली की बंशी गिरी के शव मिलने से कुछ दुरी पर एक महिला का शव देखा गया है। सूचना मिलते ही लांजी एसडीओपी ओमप्रकाश, थाना प्रभारी राजकुमार रघुवंशी, एफएसएल टीम सहित बहेला पुलिस बल मौका स्थल पर पंहुचकर महिला के शव को बरामद किया। बताया जा रहा है कि महिला का शव दो -तीन दिनों से मृत अवस्था में पड़ा होगा क्योंकि शव डिकंपोज होना प्रारंभ हो चुका था। महिला के शव को बरामद कर उसकी शिनाख्त जमना बाई पति खिलामन यादव निवासी गंडई छत्तीसगढ़ के रूप में हो सकती है, वर्तमान में पुलिस के द्वारा इसकी पुष्टि नही की गई है। पुलिस के द्वारा स्थानीय लोगो के बताये अनुसार परिवार जनों को खबर की गई है। इस संपूर्ण घटना के संबध में यह भी ज्ञात हुआ है कि मृतक चरणगिरी उर्फ बंशी पहले पांढरीपाठ मंदिर की गौशाला में काम करता था, लेकिन अगस्त माह में उसे काम से हटा दिया गया था। बताया जाता है कि मंदिर आने-जाने के दौरान उसकी पहचान जमुना से हुई थी। 13 मार्च को दोनों राजनांदगांव से निकले थे। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि दोनों कुछ समय के लिए गुजरात भी गए थे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दोनों जंगल में कब पहुंचे और उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। महिला के शरीर पर मिले चोट के निशानों के बाद पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं महिला के साथ कोई आपराधिक घटना तो नहीं हुई। घटना के संबध में एसडीओपी लांजी ने बताया कि दोनों की मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया है।

कल से चैत्र नवरात्र पर्व, मंदिरों एवं घरों में स्थापित होंगे ज्योति कलश

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्रध्दा,भक्ति और शक्ति की आराधना का महापर्व चैत्र नवरात्र कल 19 मार्च चैत्र प्रतिप्रदा से प्रारम्भ होकर 27 मार्च राम नवमी तक चलेगा। इस बार यह पर्व पूरे नौ दिनों का होगा। उपासना के इस महापर्व पर लोगो द्वारा मनोकामना ज्योति कलशो की स्थापना घरो के अलावा देवी मंदिरो में किये जाने हेतु तैयारियां की जा रही है। घरों एवं मंदिरों को रंग रोगन कर चमकाया जा रहा है। नवरात्र पर्व के दौरान देवी भक्तों द्वारा कठीन व्रत कर आदिशक्ति मां जगतजननी की पूजा अर्चना की जाती है। लांजी नगर व क्षेत्र में बासंतीय नवरात्र पर्व पर माँ लंजकाई मंदिर, माँ शितला मंदिर, माँ काली मंदिर, ि त्र ा श ा ि क्त दुर्गा मंदिर मरार मोहल्ला, माँ गायत्री मंदिर, माँ दुर्गा मंदिर रेंजआफिस, माँ दुर्गा मंदिर निमटोला के अलावा क्षेत्र के बिसोनी स्थित दुर्गा मंदिर, मां पाढंरी पाठ देवी मंदिर वारी, मां दुर्गा मंदिर भानेगांव, मां दुर्गा मंदिर बोलेगांव, देवी मंदिर साडरा, मां दुर्गा मंदिर बहेला, माता मंदिर भुरसाडोंगरी, माताघाट मंदिर, माई दरबार कुम्हारीखुर्द, भाडरासुर मंदिर के अलावा अनेको ग्रामीण देवी मंदिरो में ज्योति कलशों की स्थापना की जावेगी व नौ दिनों तक विविध धार्मिक आयोजन जारी रहेंगे। देवी मंदिरों में कलश स्थापना आदि कार्यक्रमों को लेकर समितियों द्वारा बैठके आयोजित कर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा चुकी है। नगर के प्रसिद्ध मां लंजकाई मंदिर में नवरात्र पर्व प्रतिवर्ष पूरी आस्था के साथ जोर-शोर से मनाया जाता है। जिसमें बड़ी संख्या में दूर-दूर से श्रद्धालू व भक्तजन माता रानी के दर्शन के लिए आते है एवं अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिये मां आदिशक्ति के समक्ष पूरी आस्था और विश्वास के साथ ज्योति कलश की स्थापना करते है।

मोहझरी में हुई आयुष जन आरोग्य समिति की बैठक

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम मोहझरी स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयुष जन आरोग्य समिति की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह बैठक जिला आयुष अधिकारी डॉ. मिलिंद चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित की गई थी।

बैठक की अध्यक्षता मोहझरी की सरपंच श्रीमती मनीषा संतोष नाकतोड़े ने की। बैठक में समिति के सदस्यों, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रशांत पाटिल (समिति सचिव) सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। डॉ. पाटिल ने आयुष जन आरोग्य समिति के महत्व, इसकी कार्यप्रणाली तथा समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में इसकी भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। बैठक में मरीजों के लिए मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, जैसे पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता व्यवस्था और केंद्र तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना। चिकित्सा सेवाओं के विस्तार हेतु आवश्यक चिकित्सा उपकरण, सामग्री तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं की खरीद पर विचार-विमर्श। संस्था के समग्र विकास और वित्तीय व्यय की समीक्षा आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में आयुष जन आरोग्य समिति के सदस्य एम. के. अवसरे, श्रीमती सरला अवसरे, श्रीमती ममता समरीत सहित पंजीकृत आशा कार्यकर्ता और औषद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। यह बैठक आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को समुदाय की भागीदारी से मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आयुष जन आरोग्य समिति स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य केंद्रों की निगरानी, सुधार सुझाव और संसाधनों के बेहतर उपयोग में सक्रिय भूमिका निभाती है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण आयुष चिकित्सा सेवाएं अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकें।

साडरा में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षो में मारपीट

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी थाना अन्तर्गत ग्राम साडरा में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षो में मारपीट का मामला सामने आया है जहां दोनो ही पक्षो में पुलिस थाना पंहुचकर एक दुसरे के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। घटना के संबध में पहले पक्ष में प्रार्थी अशोक बिल्हारे पिता श्यामलाल बिल्हारे निवासी साडरा ने बताया कि दिनांक 17 मार्च को सुबह करीब 7ः30 बजे मै अपने घर पुराने मकान के स्थान पर अपनी पत्नि और बेटे साथ कॉलम का गड्डा खोद रहा था उसी समय मेरा पडोसी पद्माकर बिल्हारे और उसके पिता तुकाराम बिल्हारे बोलने लगी की यह जगह हमारी है यहां पर कॉलम का गड्डा मत खोदो कहकर दोनो मुझे गाली गलौच करने लगे। मैने उन्हे गाली गलौच करने से मना किया तो पद्माकर ने वहीं पास में रखे लकड़ी के डंडे से मुझे मारपीट किया जिससे शरीर पर चोटे आई है। बीच बचाव करने मेरा बेटा और पत्नि आई तो उनके साथ भी इन लोगो ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। उक्त कथन के आधार पर लांजी पुलिस के द्वारा आरोपी पद्माकर बिल्हारे एवं तुकाराम बिल्हारे के विरूद्ध अपराध क्रमांक 85/26 धारा 296बी, 115-2, 351-3, 3-5 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

वहीं दुसरे पक्ष की ओर प्रार्थी पद्माकर बिल्हारे पिता तुकाराम बिल्हारे ने बताया कि 17 मार्च को सुबह करीब 7ः30 बजे मै घर पर था तभी मेरा पड़ोसी अशोक बिल्हारे, सागर बिल्हारे, योगराज बिल्हारे मेरे घर के पास में मेरी दीवार से लग कर कॉलम का गड्डा खोद रहे थे तो मैने जाकर बोला कि यह जमीन मेरी है यहा गड्डा मत खोदो तो उक्त तीनों ने गाली गलौच करना प्रारंभ कर दिया तथा पास मे रखे फावड़े मेरे सर पर जबरदस्त वार किया जिससे मेरे सर मे गंभीर चोटे आई है तथा खुन निकलने लगा। बीच बचाव करने मेरी पत्नि और एक अन्य व्यक्ति आये जिनके द्वारा मुझे बचाया गया। लेकिन उक्त तीनो जाते जाते जान से मारने की धमकी देकर गये है। उक्त कथन के आधार पर लांजी पुलिस के द्वारा आरोपी अशोक बिल्हारे, सागर बिल्हारे एवं योगराज बिल्हारे के विरूद्ध अपराध क्रमांक क्रमांक 86/26 धारा 296बी, 115-2, 351-3, 3-5 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

अवंती साधना मंच 21 मार्च को लोधी समाज के प्रतिभाओं का करेगा सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। अवंती साधना मंच हर साल विरांगना रानी अवंती बाई की पुण्यतिथि को लांजी क्षेत्र में गौरव दिवस के रुप में मनाती है, और इस अवसर पर लोधी समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों और समाज का गौरव बढ़ाने वाले शख्सियतों का सम्मान करती है। इसी तारतम्य में इस साल भी विरांगना रानी अवंती बाई के पुण्यतिथि के अवसर पर क्षेत्र के ग्राम बड़गांव म अवंती चौक में 21 मार्च को गौरव दिवस सह प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन सुबह 10 बजे से किया गया है। उक्त कार्यक्रम लोकेश लिल्हारे कमिश्नर आईआरएस, राजकुमार कर्राहे विधायक लांजी-किरनापुर, रमेश भटेरे पूर्व विधायक लांजी के मुख्यातिथ्य, माधोलाल लिल्हारे वरिष्ठ नागरिक बड़गांव की अध्यक्षता, उदयसिंह नागपुरे प्रदेश उपाध्यक्ष लोधी महासभा मप्र, अनंतलाल दमाहे राष्टीय अध्यक्ष आलोक, विजय बघेल, एसके गिरिया, अमर बसेना की प्रमुख अतिथि, राजा लिल्हारे, रेखा कालबेले, वेदप्रकाश लिल्हारे, विजय मस्करे, ढोंढुलाल लिल्हारे, श्रीमती माही भगत, धर्मेंद्र सिंह बैस, सोहन उपराड़े, नरेंद्र लिल्हारे, डॉ अशोक लिल्हारे, चुमेश लिल्हारे, ओमप्रकाश सिरसे, बीएल लिल्हारे, मीना दशरिया, ज्योति ईश्वर उमरे समेत अन्य के विशिष्ट आतिथ्य में होगा। जानकारी में बताया गया कि उक्त कार्यक्रम में ऐसे प्रतिभावान विद्यार्थी जिन्होंने समाज का गौरव बढ़ाया हो उन्हें सम्मानित किया जाएगा। जिनमें दसवीं और बारहवी कक्षा के विद्यार्थी जिन्होंने 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किया हो साथ ही किसी भी क्षेत्र में उपलब्धि हासिल किया हो उन्हें भी सम्मानित किया जाएगा।

घर-घर जाकर कर रहे हैं आमंत्रित

अवंती साधना मंच के पदाधिकारी लगातार घर-घर दस्तक देकर समाज के लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं, और उन्हें बता रहे हैं कि कार्यक्रम में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं और समाज को मजबूत करें। अवंती साधना मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि उनकी कोशिश है कि जिटेतने घर तक वे पहुंच सकें पहुंच रहे हैं, और जिन घर तक नहीं जा पाएंगे उनसे भी अपील किए हैं कि सभी समाज के लोग कार्यक्रम में जरूर पहुंचे। अवंती साधना मंच की सक्रियता पिछले कई वर्षों रही है और समाज को जागरुकर करने का काम कर रहे हैं, इसी का परिणाम है कि हर क्षेत्र में समाज परचम लहरा रहा है।

इन्होंने की अपील

उक्त कार्यक्रम में पहुंचने की अपील अवंती साधना मंच के अध्यक्ष ऋषि पटेल, उपाध्यक्ष टोमेश्वर बापुरे, खेमराज मच्छिरके, सचिव कृष्णकुमार लिल्हारे, कोषाध्यक्ष विजय कुमार दशरिया, तोषण मस्करे, सोहन उरोड़े, प्रमोद धामने,आयोजन ग्राम समिति रामेश्वर लिल्हारे, भरत लिल्हारे, लालजी लिल्हारे, रामप्रसाद चिखले, मनोहर चिखले, चंद्रशेखर लिल्हारे के अलावा अन्य पदाधिकारियों और समाज के लोगों ने की है।

गायत्री शक्तिपीठ लांजी में की जायेगी कलश स्थापना

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि पर्व 19 मार्च से 27 मार्च तक को गायत्री शक्तिपीठ लांजी में सार्वजनिक रूप से कलश (घट) स्थापना की जाएगी। गायत्री शक्तिपीठ लांजी के परिव्राजक विनोद तिड़के ने जानकारी में बताया कि 19 मार्च को दिन गुरुवार को प्रातः 9 बजे ज्योति कलश स्थापना की जाएगी। यहां नवरात्रि पर्व पर नौ दिनों तक यज्ञ अनुष्ठान सम्पन्न कराए जायेंगे। गायत्री साधना अनुष्ठान करने वाले भाई बहन शक्तिपीठ में आकर अपने नाम का पंजीयन अवश्य करवाएं एवं अपने अनुष्ठान का संकल्प लें। नवरात्रि काल में प्रथम एवं अंतिम दिन यज्ञ के साथ संस्कार नही होंगे। संस्कार वाले भाई-बहन द्वितीय से अष्टमी तक यज्ञ में संस्कार करवा लें। यहां पंचमी 23 मार्च को एवं अष्टमी 26 मार्च को मनाई जाएगी। नवरात्रि पर्व का समापन 27 मार्च को नवमी पर्व पर शक्तिपीठ में प्रातः 8ः00 से 12 बजे तक यज्ञ पूर्णाहुति पश्चात ज्योति कलशों का विसर्जन व महाप्रसादी वितरण के साथ सम्पन्न होगा। मां गायत्री शक्तिपीठ ट्रस्ट लांजी के पदाधिकारियों ने नवरात्र पर्व के कार्यक्रमों में श्रद्धा भाव से शामिल होने की अपील की है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र को मिलेगी 19 हजार करोड़ की केंद्रीय सहायता

जल जीवन मिशन 2.0 को मंजूरी, दिसंबर 2028 तक हर ग्रामीण परिवार को मिलेगा नल से शुद्ध जल

नई दिल्ली/भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्री-मंडल ने जल जीवन मिशन की अवधि दिसंबर 2028 तक बढ़ाने और इसे जल जीवन मिशन 2.0 के रूप में पुनर्गठित कर लागू करने को मंजूरी दी है। इस निर्णय के तहत ग्रामीण पेयजल आपूर्ति को मजबूत करने के साथ सेवा आधारित, टिकाऊ और पारदर्शी प्रणाली विकसित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। मिशन के लिए कुल व्यय बढ़ाकर 8.69 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जिसमें केंद्र सरकार की सहायता 3.59 लाख करोड़ रुपये होगी।

जल जीवन मिशन 2.0 योजना के पहले ही दिन मध्य प्रदेश सरकार ने केंद्रीय जल शक्ति और पेयजल मंत्रालय से इस संबंध में एमओयू किया, जिसके तहत केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय पेयजल योजना के लिए पाइपलाइन बिछाने से लेकर पूरी अधोसंरचना का निर्माण करना जिससे पेयजल हर ग्रामीण तक पहुंच सके। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पंचायत की साझेदारी से जलापूर्ति और जल संचयन छोटे-छोटे गांव तक पहुंचाना है। जल शक्ति मंत्रालय में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील , जल शक्ति राज्यमंत्री वी. सोमन्ना और मध्य प्रदेश की ओर से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपत्तिया उइके, प्रमुख सचिव पी. नरहरि सहित केंद्र और राज्य के आला अधिकारी एमओयू के दौरान मौजूद रहे।

समय सीमा में पूरी होंगी योजनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश में मिशन के अंतर्गत स्वीकृत सभी ग्रामीण नल-जल योजनाओं का गुणवत्ता के साथ क्रियान्वयन किया जा रहा है और निर्धारित समय-सीमा के भीतर इन्हें पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी के साथ हर घर जल प्रमाणित ग्राम पंचायतों में ग्रामीण पेयजल योजनाओं के विभिन्न घटकों का निरीक्षण कर जल आकलन किया जा रहा है, जिससे योजनाओं की गुणवत्ता और स्थायित्व सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में पूर्ण हुई योजनाओं का हस्तांतरण निर्वाचित प्रतिनिधियों और ग्रामीणों की सहभागिता से जल अर्पण उत्सव के रूप में किया जा रहा है। देश का पहला जल अर्पण उत्सव 23 दिसंबर 2025 को राजगढ़ जिले के कुंडीबेय गांव में आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 8 मार्च से 22 मार्च तक जल महोत्सव के अंतर्गत जल संरक्षण और जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही राज्य मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश पंचायत (ग्रामीण नल जल योजना संचालन-संधारण एवं प्रबंधन नीति), 2026 को मंजूरी देकर ग्राम पंचायतों को योजनाओं के संचालन और रखरखाव में सशक्त बनाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास जताया कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार दिसंबर 2028 तक जल जीवन मिशन के सभी कार्य पूर्ण कर प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि यह मिशन ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता सुधारने और जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। यह एमओयू प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक नल से जल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने, सेवा गुणवत्ता में सुधार, समयबद्ध लक्ष्यों की प्राप्ति, डिजिटल निगरानी प्रणाली को सुदृढ़ करने तथा पारदर्शिता और जवाबदेही को संस्थागत रूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बिरसा में मेरा बाघ, मेरा विद्यालय कार्यशाला का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय मॉडल स्कूल, बिरसा में मध्यप्रदेश शासन के वन विभाग द्वारा प्रायोजित मेरा बाघ, मेरा विद्यालय थीम पर एक प्रेरणादायी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश प्राप्त किए। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ हुई। मुख्य अतिथि के रूप में वन परिक्षेत्र बिरसा/दमोह उत्तर (सा.) वनमंडल के वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री सौरभ शरणागत उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में बाघ संरक्षण, पर्यावरण संतुलन तथा प्रकृति से जुड़ाव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बाघ बचाओ, जंगल बचाओ का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि वन्यजीव पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इनके संरक्षण के बिना मानव जीवन भी प्रभावित हो सकता है।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने कई जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे, जिनका सरल और व्यवहारिक तरीके से समाधान किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कु. अनुसुईया उइके ने प्रथम, लोमन चौधरी ने द्वितीय तथा आदित्य गरुण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। समापन अवसर पर संस्था प्रमुख सौरभ कुमार शर्मा ने वन विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत सहायक होते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आबकारी अधिकारी राजेश हेनरी पर फर्जी जाति प्रमाण से नौकरी लेने के आरोप

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने प्रमुख सचिव से मांगा जवाब

भोपाल। प्रदेश में फर्जी जाति प्रमाण पत्र से नौकरी हथियाने के हजारों प्रकरण चल रहे हैं। इसमें आबकारी अधिकारी राजेश हेनरी का नाम भी शामिल हो गया है। ग्वालियर में पदस्थ आबकारी अधिकारी राजेश हेनरी ने छत्तीसगढ़ में बने जाति प्रमाण पत्र से नौकरी हथियाई। उन्हें नौकरी में 35 साल हो गए हैं। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने छत्तीसगढ़ और मप्र सरकार को नोटिस जारी कर हेनरी के जाति प्रमाण पत्र के संबंध में जवाब मांगा है।

राजेश के प्रमाणपत्र में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर तहसील के सील और साइन मिले। लेकिन, जब बिलासपुर तहसील कोर्ट के दायरा पंजी में साल 1990-91 के प्रकरण की जानकारी ली गई, तब पता चला कि तहसील कार्यालय में उनके जाति प्रमाण पत्र का प्रकरण ही दर्ज नहीं है। छत्तीसगढ़ की उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति ने उनके अनुसूचित जनजाति (एसटी) प्रमाणपत्र को जांच के लिए जिला स्तरीय समिति को भेजा था, लेकिन यह जांच दो साल से लंबित पड़ी थी। अब राष्ट्रीय अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग ने इस मामले में बिलासपुर कलेक्टर और मध्यप्रदेश के आबकारी विभाग के प्रमुख सचिव को नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा है। मप्र का आबकारी विभाग और छत्तीसगढ़ सरकार पर मामले को दबाने के आरोप हैं। हेनरी के फर्जी जाति प्रमाण पत्र को लेकर इंदौर के आरटीआई एक्टिविस्ट राजेंद्र गुप्ता ने शिकायत की है।

आबकारी विभाग ने सालों दबाया मामला

आबकारी विभाग के अफसरों को सालों से पता है कि राजेंद्र हेनरी ने फर्जी जाति प्रमाणपत्र के सहारे नौकरी पर कब्जा जमाया है। लेकिन उनके इस आपराधिक षडयंत्र को विभाग के अफसर परदा डालते रहे और उन्हें बचाने की कोशिश करते रहे। हेनरी ने बिलासपुर तहसील के सील और साइन लगे जाति प्रमाण पत्र का उपयोग किया है। लेकिन, जब बिलासपुर तहसील कोर्ट के दायरा पंजी में साल 1990-91 के प्रकरण की जानकारी ली, तब पता चला कि तहसील कार्यालय में उनके जाति प्रमाण पत्र का प्रकरण ही दर्ज नहीं है।

रात 8 बजे तक सरकारी केंद्रों पर बिकेगा गेहूं

- छुट्टी और त्योहार के दिन गेहूं नहीं खरीदेगी सरकार, चार संभाग में एक अप्रैल से खरीदी

भोपाल। राज्य सरकार ने तय किया है कि रबी सीजन में गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीदी इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग में एक अप्रैल और बाकी संभागों में 7 अप्रैल से की जाएगी। गेहूं की खरीदी शासकीय कार्य दिवस में सुबह 8 से रात 8 बजे तक की जाएगी। सरकार ने गेहूं खरीदी पर 40 रुपए अतिरिक्त बोनस देने का भी फैसला लिया है। गेहूं 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जाएगा।

किसानों के हित में फैसले ले रही मोहन यादव सरकार ने 15 मार्च तक किसानों का रजिस्ट्रेशन कराने के बाद अब गेहूं खरीदने के लिए तारीख का ऐलान कर दिया है। खाद्य मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया कि रबी वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए 19 लाख 4 हजार 651 किसानों ने पंजीयन कराया है। पिछले साल 15 लाख 44 हजार किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। सबसे अधिक किसान उज्जैन में 123281, सीहोर में 101793 और राजगढ़ जिले में 98537 रजिस्टर्ड हैं। दूसरी ओर अलीराजपुर में 476, बुरहानपुर में 523, पांढुर्णा में 863 और अनूपपुर में 882 सबसे कम किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है।

लोकायुक्त भोपाल द्वारा पुलिस महानिदेशक के मार्गदर्शन में की ट्रेप कार्यवाही

भोपाल । लोकायुक्त भोपाल के द्वारा आज 5000 के रिश्वत लेते हैं किया ट्रेप आरोपी ज्ञानेंद्र कुमार पटेल.डाटा एंट्री ऑपेरटर संपदा शाखा प्रबंधक गोमन्तिका परिसर मध्य प्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ,जवाहर चौक, भोपाल घटना दिनांक-17-3-2026 की है। पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के निर्देश पर एवं मनोज कुमार सिंह उप पुलिस महानिरीक्षक लोकायुक्त संगठन, भोपाल के मार्गदर्शन में,भोपाल लोकायुक्त इकाई की ट्रेप कार्यवाही =-

आवेदक - दूधनाथ शुक्ला निवासी सुल्तानाबाद भोपाल ।

आरोपी - ज्ञानेंद्र कुमार पटेल ,पद - डाटा एंट्री ऑपेरटर

कार्यालय प्रक्षेत्र -एक ,संपदा शाखा प्रबंधक गोमन्तिका परिसर मध्य प्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ,जवाहर चौक, भोपाल ।

ट्रैप राशि -5000 रु (पांच हजार रु) आवेदक दूघनाथ शुक्ला उपभोक्ता संघ से सेवानिवृत्त कर्मचारी है। वर्ष 1993 मे उन्होंने अपनी पत्नी के नाम से श्रद्धुस का मकान हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कोटरा सुल्तानाबाद भोपाल मे लेकर रजिस्ट्री करा ली थी, उक्त मकान की लीज के नवीनीकरण के लिए मध्य प्रदेश गृह निर्माण एवं अधो संरचना विकास मण्डल के कार्यालय के शाखा प्रबंधक सम्पदा आउटसोर्स कर्मचारी ज्ञानेंद्र पटेल 10000 रुपयों की रिश्वत आवेदक से मांग रहा था। पुलिस अधीक्षक दुर्गेश राठौर के निर्देश पर आवेदक की शिकायत का सत्यापन कराया गया। दिनांक 17.3.2026 को ट्रैप टीम के द्वारा आरोपी ज्ञानेंद्र पटेल को आवेदक से पहली किश्त के 5000 रूपये लेते हुए उसके कार्यालय कक्ष मे पकड़ा गया। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन) 2018 के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है।

ट्रेप दल सदस्य-

उप पुलिस अधीक्षक बी एम द्विवेदी

निरीक्षक रजनी तिवारी,
प्रधान आरक्षक रामदास कुर्मी,
प्रधान आरक्षक मुकेश पटेल
आरक्षक मुकेश परमार ,
आरक्षक चैतन्य प्रताप सिंह
आरक्षक रविंद्र शर्मा।

राम जन्मोत्सव के बहाने जनजातीय समाज तक पहुंचने की योजना

भोपाल। मध्यप्रदेश में जनजाति समाज को अपने साथ जोडने् की राजनीतिक और सामाजिक कोशिशें तेज हो गई हैं। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने राम जन्मोत्सव के अवसर पर बड़े पैमाने पर सामाजिक समरसता कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है। प्रदेश के लगभग 15 हजार स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें विशेष रूप से आदिवासी समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। आयोजनों में रामायण से जुड़े उन प्रसंगों को विशेष रूप से सामने रखा जाएगा जिनका संबंध वनवासी और जनजातीय पात्रों से है। विहिप द्वारा आयोजित यह अभियान 19 मार्च से शुरू होकर करीब दो सप्ताह तक चलेगा। इस दौरान प्रदेश के महाकौशल, मालवा और मध्यभारत क्षेत्र में राम जन्मोत्सव के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

श्योपुर बाढ़ घोटाले में तहसीलदार अमिता सिंह तोमर को झटका

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया अग्रिम जमानत याचिका

भोपाल । श्योपुर जिले की विजयपुर तहसील में पदस्थ तहसीलदार अमिता सिंह तोमर को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। 2021 में आई भीषण बाढ़ के दौरान राहत कार्यों में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार के आरोपों में फंसी तोमर की अग्रिम जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है।

यह मामला उस समय का है, जब श्योपुर में आई बाढ़ के बाद राहत सामग्री और मुआवजे के वितरण में अनियमितताओं के आरोप सामने आए थे। जांच के बाद बड़ौदा पुलिस थाने में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका और लंबित आवेदन किए खत्म

मामले में हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद तोमर ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट नंबर 13 में हुई सुनवाई के दौरान जजों की पीठ ने साफ कहा कि इस मामले में अग्रिम जमानत देने का कोई ठोस आधार नहीं है। इसके साथ ही विशेष अनुमति याचिका को खारिज कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जमानत का आधार नहीं है और सभी लंबित आवेदन भी खत्म कर दिए गए।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब गिरफ्तारी की आशंका और तेज हो गई है। वहीं पुलिस और जांच एजेंसियों की कार्रवाई पर भी नजरें टिक गई हैं।

चुनावी राज्यों में 40 आईएएस अधिकारियों की लगी ड्यूटी

भोपाल। देश के विभिन्न राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के लिए मध्य प्रदेश कैडर के 40 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को चुनावी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन अधिकारियों को चुनाव आयोग द्वारा अलग-अलग राज्यों में प्रेक्षक (ऑब्जर्वर) के रूप में तैनात किया गया है। इससे प्रदेश सरकार के कई महत्वपूर्ण विभागों के कामकाज पर असर पडने् की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मध्य प्रदेश के कई वरिष्ठ और अनुभवी आईएएस अधिकारियों को चुनावी प्रक्रिया की निगरानी के लिए तैनात किया गया है। इन अधिकारियों की जिम्मेदारी चुनावी व्यवस्थाओं की समीक्षा करना, निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करना और प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर नजर रखना होगी।

जिन राज्यों में इन अधिकारियों को प्रेक्षक बनाया गया है, उनमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडू, केरला, पुडुचेंरी और आसाम शामिल हैं। इन राज्यों में चुनावी प्रक्रिया के दौरान प्रशासनिक निगरानी को मजबूत करने के लिए अनुभवी अधिकारियों की तैनाती की गई है। मध्य प्रदेश से जिन अधिकारियों को यह जिम्मेदारी दी गई है, उनमें प्रमुख रूप से प्रमुख सचिव संदीप यादव, जॉन किंग्सले, श्रीमन शुक्ला, स्वतंत्र कुमार सिंह, शिल्पा गुप्ता, सिबी चक्रवर्ती, अजय कटसेरिया, निधि निवेदिता, रोहित सिंह और अनुराग वर्मा के नाम शामिल हैं। इसके अलावा राहुल फटिंग हरिदास, दीपक आर्य, हरहिका सिंह, आशीष भार्गव, अभिजीत अग्रवाल, दिलीप कुमार, वंदना वैद्य, सपना निगम, केवीएस चौधरी, मनीष सिंह, प्रबल सिपाहा, सौरव सुमन, अवि प्रसाद, सतेंद्र सिंह और बुद्धेश वैद्य सहित अन्य अधिकारी भी चुनाव ड्यूटी पर भेजे गए हैं। सूत्रों के अनुसार सूची जारी होने के बाद कुछ अधिकारियों ने अपनी चुनावी ड्यूटी निरस्त कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी। हालांकि अंतिम निर्णय चुनाव आयोग के स्तर पर ही लिया जाएगा। वहीं, यह भी चर्चा है कि इनमें कई अधिकारी राज्य सरकार के महत्वपूर्ण विभागों में कार्यरत हैं। ऐसे में उनके चुनावी ड्यूटी पर जाने से विभागीय कामकाज की गति कुछ समय के लिए प्रभावित हो सकती है।

प्रदेश में रसोई गैस माफिया के 1116 ठिकानों पर छापे

1825 सिलेंडर जब्त, 8 मामलों में एफआईआर दर्ज

भोपाल। प्रदेश में रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता है, लेकिन माफिया ने खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध की आड़ में रसोई गैस का संकट पैदा किया। प्रदेश में कई स्थानों पर रसोई गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी की गई। ऐसे में प्रशासनिक अमले ने 1116 ठिकानों पर छापेमार कार्रवाई कर 1825 गैस सिलेंडरों को जब्त किया है। ऐसे 8 प्रकरणों में एफआईआर भी दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश भर में रसोई गैस समेत आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी करने वालों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। राज्य सरकार की ओर से प्रतिदिन गैस एजेंसियों के संचालन, सिलेंडर वितरण और उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों की स्थिति नियमित समीक्षा की जा रही है। सभी जिला कलेक्टर को निर्देश दिए गए हैं कि सूचना-तंत्र सुदृढ़ कर अवैध जमाखोरी और कालाबाजारी के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करें। यदि कहीं वितरण व्यवस्था में अनियमितता या विलंब की शिकायत मिलती है, तो उस पर तत्काल कार्रवाई की जाए और उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराई जाए। यही वजह है कि अभी तक एलपीजी की कालाबाजारी तथा जमाखोरी के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश में 1116 स्थानों पर कार्यवाही कर 1825 सिलेंडर जब्त किये गए तथा 08 प्रकरण में एफआईआर की गयी। पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, पीएनजी तथा घरेलू एलपीजी गैस की उपलब्धता के सम्बन्ध में ऑयल कंपनियों से समन्वय के लिए राज्य स्तर पर 6 सदस्यीय समिति भी गठित की गयी है, जो प्रदेश में कामर्शियल और घरेलू गैस सिलेंडर की सुचारू आपूर्ति बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी करेगी।

मोहन कैबिनेट की बैठक में हुए कई अहम फैसले...

सिंहस्थ-2028 के लिए फोरलेन रोड, किसानों को बोनस, जल अभियान की सौगात

भोपाल। मप्र की मोहन कैबिनेट ने मंगलवार को कई अहम फैसले लिए। जिसमें सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए भी कई सौगातें दी गई। इसके साथ ही फोरलेन सडक्, जल महोत्सव, जल गंगा संवर्धन अभियान को लेकर भी अहम जानकारी दी गई। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए मंत्री चेतन कश्यप ने बताया कि बदनावर से टिमरनी फोरलेन जो थांदला के पास आदिवासी अंचल में है, इसे फोरलेन सडक् को दिल्ली-मुंबई 8 लेन को जोडने् के लिए केंद्र सरकार ने स्वीकृति दी है। जो 3839 करोड़ की लागत से फोरलेन सडक् बनेगी। सिंहस्थ के दौरान राजस्थान और गुजरात से कनेक्टिविटी का आधार बनेगी। यह सौगात केंद्रीय कैबिनेट ने मध्यप्रदेश को सौगात दी है, जिसे 2027 तक सिंहस्थ के पहले निर्माण पूरा करने की प्रस्तावना दी गई है। इससे उज्जैन महाकाल दर्शन करने आने वाले लोगों को काफी राहत होगी।

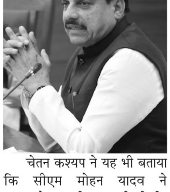

चेतन कश्यप ने यह भी बताया कि सीएम मोहन यादव ने जल महोत्सव की जानकारी भी दी। जिसके लिए केंद्र के साथ एमओयू कर रहे हैं। 22 मार्च तक अलग-अलग ग्रामों में मनाया जाएगा। जहां हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचाया जा रहा है, हरेक पंचायत में चयनित करके सभी कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाएगा। ग्रीष्म ऋतु में जल गंगा संवर्धन अभियान का शुरुआत होगी। गुड़ी पड़वा से इसका शुभारंभ होगा। इस वर्ष भी सभी जनप्रतिनिधि गांवों तक यह आयोजन करेंगे।

यह हुए फैसले

-गेहूं उपार्जन का 40 रुपए का बोनस दिया गया है। सीएम की घोषणा थी, उसे कैबिनेट ने मंजूरी दी गई। 2625 रुपए में गेहूं का उपार्जन प्रारंभ कर दिया जाएगा। इसके लिए अतिरिक्त राशि की व्यवस्था की जाएगी।

-उज्जैन के चिमनगंज से इंदौर रोड तक व्यापक सुरक्षा का निर्माण और अन्य सुविधाओं के साथ महाकाल दर्शन, क्राउड मैनेजमेंट को लेकर जो महत्वपूर्ण रोड होगी, साढ़े पांच किमी लंबे रोड को मंजूरी दी गई है।

-रीवा जिले में माइक्रो परियोजना 7 हजार 530 हेक्टेयर में सिंचाई होगी। इस परियोजना को स्वीकृति दी गई है। इससे सिंचित योग्य भूमि का 92 प्रतिशत इलाका तैयार हो जाएगा।

एक अप्रैल से लागू होगा नया आयकर कानून

इसे समझाने के लिए मप्र और छग में चलाया जाएगा विशेष जागरूकता अभियान

भोपाल। देश में आयकर व्यवस्था को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और आसान बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार एक अप्रैल से नया आयकर कानून लागू करने जा रही है। इस बदलाव को आम लोगों तक सरल भाषा में समझाने के लिए आयकर विभाग ने विशेष जनजागरूकता अभियान शुरू करने की तैयारी की है। इस अभियान का औपचारिक शुभारंभ केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी। इसके बाद लगभग 3 माह तक देश के अलग-अलग राज्यों में सेमिनार, कार्यशालाएं और संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ भी शामिल हैं।

नया कानून लोगों तक पहुंचाने का प्रयास

इन कार्यक्रमों में विभागीय अधिकारी, चार्टर्ड अकाउंटेंट, टैक्स सलाहकार, विद्यार्थी और आम करदाता भाग लेंगे, ताकि नए कानून से जुड़ी जानकारी सीधे लोगों तक पहुंच सके। दरअसल भारत में पिछले लगभग 64 वर्षों से आयकर से संबंधित पुराना कानून लागू था। बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीक और कर प्रणाली को देखते हुए सरकार ने इसे अधिक आधुनिक स्वरूप देने का निर्णय लिया है। हालांकि नए कानून में आयकर स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन नियमों और प्रक्रियाओं को काफी हद तक सरल बनाने की कोशिश की गई है। भारतीय समाचार पोर्टल

नए कानून से करदाताओं को होगी आसानी

सरकार का कहना है कि इस नए कानून से करदाताओं को नियम समझने में आसानी होगी और कानूनी उलझनों में भी कमी आएगी। नए प्रावधानों के तहत आयकर रिटर्न और संशोधित रिटर्न भरने के लिए पहले की तुलना में अधिक समय दिया जाएगा। इसके अलावा टैक्स रिफंड प्राप्त करने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया गया है, जिससे करदाताओं को पैसा वापस मिलने में कम परेशानी होगी। टीडीएस करेक्शन स्टेटमेंट दाखिल करने की समय सीमा भी कम कर दी गई है। पहले इसमें छह साल तक सुधार किया जा सकता था, लेकिन अब यह अवधि घटाकर दो साल कर दी गई है।

कैरी फॉरवर्ड नियम भी पहले से सरल हुए

घाटे को आगे के वर्षों में समायोजित करने यानी कैरी फॉरवर्ड करने के नियम भी पहले से सरल बनाए गए हैं। नए कानून में कुछ शब्दावली में भी बदलाव किया गया है। उदाहरण के लिए 'असेसमेंट ईयर' और 'प्रीवियस ईयर' की जगह अब 'टैक्स ईयर' शब्द का इस्तेमाल किया जाएगा। इसी तरह 'लेजर' की जगह 'इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड' शब्द शामिल किया गया है, जो डिजिटल प्रणाली को बढ़ावा देने की दिशा में कदम माना जा रहा है। इसके अलावा प्रोफेशन शब्द को भी स्पष्ट रूप से शामिल किया गया है, जिससे बड़े पेशेवरों और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी स्पष्ट कर नियमों में शामिल किया जा सके।

कुछ मामलों में टीसीएस दरों में भी बदलाव

कुछ आर्थिक गतिविधियों पर टैक्स कलेक्शन एट सोर्स (टीसीएस) की दरों में भी बदलाव किया गया है। शराब, स्क्रैप, कोयला, लिग्नाइट और लौह अयस्क जैसी वस्तुओं की बिक्री पर अब पहले की तुलना में अधिक टीसीएस लगाया जाएगा।

उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में कक्षा नवमीं में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा नवमीं में प्रवेश प्रक्रिया 17 मार्च 2026 से प्रारंभ कर दी गई है। प्रभारी प्राचार्य श्री शरद ज्योतिषी ने जानकारी देते हुए बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा एमपीएसओएस (MPSOS) के माध्यम से 8 फरवरी 2026 को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम 9 मार्च 2026 को घोषित किया जा चुका है।

प्राचार्य श्री ज्योतिषी ने बताया कि चयन सूची MPSOS एवं विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट excellenceschool-balaghat.com पर उपलब्ध है।

राफिन्हा की हैट्रिक से बार्सिलोना ने सेविला को 5-2 से हराया

ला लीगा में नंबर एक स्थान पर बरकरार

मैड्रिड । बार्सिलोना ने स्पेनिश ला लीगा फुटबॉल लीग में सेविला को 5-2 से हराकर अपना नंबर एक स्थान बनाये रखा है। बार्सिलोना के अब सबसे अधिक 4 अंक हो गयी है। उसकी जीत में तीन गोल करने वाले राफिन्हा की मुख्य भूमिका रही। इस मैच में कोच हंसी फ्लिक ने आगामी चैंपियंस लीग को देखते हुए लैमिन यामल और फर्मिन लोपेज जैसे स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया था। इसके बाद भी बार्सिलोना मुकाबले में हावी रही। उसने शुरुआत से ही मैच पर नियंत्रण बनाते हुए आक्रामक खेल दिखाया। मैच के सातवें मिनट में ही बार्सिलोना को पैनाल्टी मिली जिसे गोल में बदलने में राफिन्हा ने कोई गलती नहीं की। कुछ सही समय बाद एक और सेविला के एक खिलाड़ी के फाउल के कारण एक और पैनाल्टी टीम को मिली। जिस पर भी राफिन्हा ने गोल दाग दिया और स्कोर 2-0 पहुंचा दिया।

पहले हाफ के 38वें मिनट में डैनी ओल्मो ने बार्सिलोना की ओर से तीसरा गोल दागा। इसके बाद इंजरी टाइम में सेविला के खिलाड़ी ओसो को एक गोल करने का अवसर मिला जिससे मध्यांतर तक स्कोर 3-1 हो गया। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही राफिन्हा ने तीसरा गोल करते हुए हैट्रिक लगाने के साथ ही अपनी टीम की बढ़त 4-1 पहुंचा दी। इसके बाद जोआओ कैंसेलो ने एक और गोल दागकर स्कोर 5-1 कर दिया। । मैच के अंतिम क्षणों में सेविला के जिब्रिल सो ने हेडर के जरिए दूसरा गोल किया पर तब तक काफी देर हो गयी और बार्सिलोना ने 5-2 से मुकाबला जीत लिया

वहीं एक अन्य मुकाबले में रियल ने ओसासुना को 3-1 से पराजित किया। मिकेल सोसिएदाद की ओर से ओयारजाबाल, बेनाट टुरिएंटेस और गोंकालो गुएडेस ने गोल दागे। वहीं मैलोर्का ने भी शानदार वापसी करते हुए एस्पेनयोल को 2-1 से हराया।

शुभमन गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़े

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल आईपीएल के 19 सत्र से पहले अपनी टीम गुजरात टाइटंस से जुड़ गए हैं। शुभमन के आने से टीम को उत्साहत बढ़ गया है और अब उसका लक्ष्य टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन कर जीत हासिल करना रहेगा। गुजरात टीम अभी अभ्यास शिविर में अपनी तैयारियां को अंतिम रुप दे रही है। आईपीएल में गुजरात टीम अपना पहला मुकाबल 31 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में खेलेगी। वहीं अपने घरेलू मैदान पर पहला मुकाबला 4 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगी। सत्र के पहले चरण के दो मुकाबले घरेलू मैदान जबकि 2 बाहर के मैदान में खेले जाएंगे। गुजरात का रिकार्ड अब तक अच्छा रहा है। उसने तीन बार प्लेऑफ में जगह बनायी है। वहीं इससे पहले साल 2022 में गुजरात टाइटंस ने खिताब जीता था। इस सत्र में टीम के पास मैथ्यू हेडन जैसा बेहतरीन बल्लेबाज कोच है। जिसका भी उसे लाभ मिलेगा।

आईपीएल के गत सत्र में शुभमन की कप्तानी में गुजरात टाइटंस एलिमिनेटर मुकाबले तक ही पहुंची थी। 2025 के इस सत्र में शुभमन विरोधी टीमों के गेंदबाजों पर हावी रहे थे। उन्होंने जबरदस्त बल्लेबाजी कर 15 मुकाबलों में 155 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 650 रन बनाए थे। वह इस सिलसिले को वह इस बार भी बनाये रखना चाहेंगे।

गुजरात ने अपने पहले ही सत्र में खिताब जीता। इसके बाद गुजरात ने साल 2023 में फाइनल तक का सफर तय किया। शुभमन की कप्तानी में गुजरात ने 14 में से 5 मैच जीतकर आठवां स्थान हासिल किया था। पिछले आइपीएल में टीम ने अपने पहले 8 मैचों में से 7 मुकाबले जीते थे।

मैंने हमेशा अपने को मशाल थामने वाले के तौर पर देखा -द्रविड़

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नमन समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित पूर्व कप्तान और मुख्य कोच कप्तान राहुल द्रविड़ ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट का हिस्सा रहना उनके लिए सम्मान की बात है। द्रविड़ के कोच रहते ही भारतीय टीम ने साल 2024 में टी20 विश्व कप खिताब जीता था। वहीं साल 2023 में एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी।

बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए वीडियो में द्रविड़ ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने हमेशा अपनी भूमिका को बस एक मशाल थामने वाले के तौर पर देखा है। मैंने पिछली पीढ़ी से मशाल थामी। जिसमें पहले मैं एक खिलाड़ी के तौर पर खेल रहा था और फिर अपने काम को मैने मैच के तौर पर आगे बढ़ाया। द्रविड़ ने कहा, अपने समय मुझे भी योगदान देने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर मिला। मुझे यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि अगली पीढ़ी ने उस विरासत को सफलता पूर्वक आगे बढ़ाया है। साथ ही कहा कि हमें जो सफलताएं मिली हैं उसका बहुत बड़ा श्रेय मौजूदा प्रबंधन, टीम और भारतीय क्रिकेट से जुड़े हर व्यक्ति को जाता है। इस खेल में हम सभी का अपना-अपना समय आता है और हमें अपना योगदान देना होता है। मैंने भी अपना सर्वश्रेष्ठ देने को प्रयास किया है। मैं अपने से पिछली पीढ़ियों से प्रेरित रहा हूं और यह देखना सचमुच अद्भुत है कि हमारे बाद आने वाली पीढ़ियां इस विरासत को और भी ऊंचे स्तर पर ले जा रही हैं।

भारतीय टीम के कप्तान और कोच पद को संभाल चुके द्रविड़ ने कहा कि यह अवॉर्ड पाना उनके लिए अत्यंत कृतज्ञता का क्षण था। यह अवॉर्ड पाकर मैं बहुत खुश हूं। मेरा मतलब है कि मैं इस अवॉर्ड के पिछले विजेताओं के रास्ते चला, जो हमारे देश में इस खेल के सबसे बड़े दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं। यह सच में वह लोग हैं जिन्हें मैंने अपना आदर्श माना है, जिनकी तारीफ की है, और यह सभी मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहे हैं।

आईपीएल के 19 वें सत्र मे गेल का रिकार्ड तोड़ना चाहते हैं वैभव

नई दिल्ली। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पिछले सत्र की तरह इस बार भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से आईपीएल में नये रिकार्ड बनाने उतरेंगे। वैभव का कहना है कि वह इस सत्र में क्रिस गेल का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। गेल ने साल 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 66 गेंद में नाबाद 175 रन बनाए थे। वैभव इस रिकॉर्ड को पार करना चाहते हैं। आईपीएल में अब तक केवल दो बल्लेबाज ही गेल और ब्रेंडन मैकुलम ही एक मैच में 150 से ज्यादा रन बनाने में सफल रहे हैं। आईपीएल में किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर अभिषेक शर्मा के नाम है। अभिषेक ने आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के की ओर से खेलते हुए पंजाब किंग्स के खिलाफ 55 गेंद में 141 रन बनाए थे।

वैभव ने कहा कि वे राजस्थान रॉयल्स के लिए ट्रॉफी जीतना चाहते हैं। वैभव ने कहा, अगर टीम के लिए ट्रॉफी जीतेंगे तो सभी के लिए ये ये फायदेमंद रहेगा। इसी लिए मेरा लक्ष्य अपनी ओर से अधिक से अधिक योगदान देना रहेगा। पिछले साल 14 साल की उम्र में आईपीएल डेब्यू करते हुए वैभव ने राजस्थान रॉयल्स की ओर से अपनी आक्रमक प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया था। पिछले सत्र में वैभव ने रॉयल्स की ओर से सात मैचों में कुल 252 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 से ज्यादा रहा था। अब वैभव का लक्ष्य इसी सफलता को दोहराना रहेगा। आईपीएल के इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी रियान पराग के पास रहेगी।

आईपीएल के शुरुआती मैच नहीं खेल पायेंगे हेज़लवुड और कमिंस

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड और पैट कमिंस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पायेंगे। इन दोनो के ही इन मैचों से बाहर होने के कारण इनकी फ्रैंचाईजी टीमों को लीग शुरु होने से पहले ही करारा झटका लगा है। हेजलुड जहां रॉयल चैलेंजस बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल हैं। वहीं पैट कमिंस सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा हैं। ये दोनो ही अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं और इनका रिहैबिलिटेशन जार है। वहीं आईपीएल मुकाबले 28 मार्च से शुरू हो रहे हैं। हेजलवुड अपनी हैमस्ट्रिंग की पुरानी परेशानी से उबर रहे हैं। ऐसे में वह शुरुआती दो मैच नहीं खेल पायेंगे।

न्यूजीलैंड दौरे से बाहर हुई दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेटर डेन , एनेके शामिल

हैमिल्टन। दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेटर डेन वैन नीकेक चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड दौरे के बचे हुए मैचों से बाहर हो गई हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के अनुसार डेन वैन की दायीं पिंडली में चोट लगी है। पहले महिला टी- 20 मैच से पहले ही इस खिलाड़ी को दर्द उठा था। इसी कारण वह मैच में शामिल नहीं की गयी थीं। स्थिति में सुधार नहीं होने के कारण अब वह शेष टी-20 मैचों के साथ ही आगामी एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर हो गयी हैं। ऐसे में उनकी जगह एनेके बॉश को टीम में शामिल किया है। डेन वैन को चार साल के बाद दिसंबर में टी-20 टीम में वापसी का अवसर मिला था।

वॉन ने विराट और बुमराह को आईपीएल इतिहास का बेहतरीन बल्लेबाज और गेंदबाज करार दिया

मुम्बई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि आईपीएल में सबसे महान बल्लेबाजों की बात की जाये तो वह रॉयल चैलेंर्स बेंगलुरु के विराट कोहली को नंबर एक स्थान देते हैं, वहीं गेंदबाजी में उन्होंने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को नंबर एक स्थान पर रखा है। वॉन ने कहा कि इस लीग में एक से बढ़कर एक खिलाड़ी रहे हैं पर विराट सबसे अलग हैं। उनके खेल में जिस प्रकार की निरंतरता रही है कोई उसके करीब नहीं है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि क्रिस गेल, सुरेश रैना , रोहित शर्मा और जोस बटलर जैसे बल्लेबाजों ने भी इस लीग में बेहतरीन प्रदर्शन किया है पर विराट की बात अलग रही है। वॉन ने कहा, कई अच्छे खिलाड़ी रहे हैं, इसमें क्रिस गेल, सुरेश रैना के अलावा रोहित शर्मा और जोस बटलर हैं पर अगर एक नाम तय करना हो तो वह विराट ही होंगे। वह कई वर्षों से स्टार खिलाड़ी रहे हैं और अभी भी शानदार खेल रहे हैं ।वहीं वॉन ने तेज गेंदबाज जसपीत बुमराह को लीग का नंबर एक गेंदबाज बताया है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान और श्रीलंका के दिग्गज तेज गेंदबाज लसित मलिंग भी काफी अच्छे रहे हैं पर बुमराह सबसे अलग हैं। वॉन के अनुसा दबाव के क्षणों में बुमराह की सटीक गेंदबाजी और डेथ ओवरों में उनकी क्षमता उन्हें इस लीक का शीर्ष गेंदबाज बनाती है।

इसके अलावा उन्होंने मुम्बई इंडियंस को लीग की सबसे सफल टीम करार दिया। वॉन के अनुसार मुम्बई का पांच खिताबी जीत को सफर सफल रोमांचक रहा है। उनके अनुसार ये टीम हालात देखकर बदलते अंदाज में खेलती है। यहा कारण है कि यह फ्रेंचाइजी लीग की सबसे बड़ी टीमों में गिनी जाती है ।वहीं वॉन के अनुसार कप्तानी के मामले में वह महेन्द्र सिंह धोनी को नंबर एक स्थान पर रखते हैं। धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने पांच बार खिताब जीता था। वॉन के अनुर धोनी की शांत नेतृत्व शैली और बड़े मैचों में फैसले लेने की क्षमता उन्हें विशेष बनाती है ।वॉन ने आईपीलए इतिहास के सबसे यादगार पल के रूप में शेन वार्न की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स के पहले सत्र में खिताबी जीत को बताया है। उन्होंने कहा कि तब कम पैसे देने वाली टीम होने के बाद भी वॉर्न ने खिलाड़ियों के समूह को विजो बनाया था।

रोहित से सीखा है शांत रहकर कप्तानी करना - सूर्यकुमार

मुम्बई । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अपने कुशल कप्तानी के लिए चर्चाओं में बने हुए हैं। अब तक उनकी कप्तानी में भारतीय टीम की जीत का रिकार्ड सबसे अच्छा रहा है। इसके पीछे एक बड़ा कारण सूर्यकुमार के शांत स्वभाव को भी माना जाता है, चाहे टीम से कोई गलती ही क्यों न हो जाए वह भड़कते नहीं है। इस पर उन्होंने बताया कि उन्होंने यह तरीका पूर्व कप्तान रोहित शर्मा से सीखा है। सूर्या ने कहा कि जब वह रोहित शर्मा की कप्तानी में खेलते थे, तब उन्होंने देखा कि रोहित की प्रतिक्रिया हर परिस्थिति में एक जैसा रहती थी। वह गुस्सा करने के बजाय स्थिति को शांत तरीके से संभालते थे ।सूर्यकुमार यादव का मानना है कि कप्तान का काम खिलाड़ियों पर दबाव बनाना नहीं बल्कि उन्हें आत्मविश्वास देना होता है ।उन्होंने कहा कि कोई भी खिलाड़ी जानबूझकर कैच नहीं छोड़ता या खराब गेंद नहीं डालता। हर खिलाड़ी टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता है। अगर गलती हो जाती है तो कप्तान और टीम का काम उसे सुधारने में मदद करना होता है।

हालांकि सूर्यकुमार ने साफ किया कि वह व्यक्तिगत आंकड़ों या रिकॉर्ड पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। उनके मुताबिक असली महत्व टीम की जीत का होता है। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी भी खेल में हारना पसंद नहीं है और यही सोच टीम के बाकी खिलाड़ियों में भी दिखाई देती है। सूर्या का मानना है कि जब पूरी टीम एक ही लक्ष्य और सोच के साथ मैदान पर उतरती है, तभी ऐसे शानदार परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। सूर्या की कप्तानी में टीम ने कुल 52 मैच खेले हैं, जिनमें से 42 मुकाबलों में जीत हासिल की है। भारत को सिर्फ 8 मैचों में हार का सामना करना पड़ा, जबकि 2 मुकाबले बिना किसी परिणमा के समाप्त हुए। इस तरह टीम का जीत प्रतिशत 80 फीसदी से भी अधिक है। टी20 जैसे फॉर्मेट में इतना प्रभावशाली रिकॉर्ड किसी भी कप्तान के लिए बेहतरीन माना जाता है।

आईपीएल में सीएसके की शुरुआत ऋतुराज और आयुष करेंगे - बांगड़

मुम्बई । आईपीएल की शुरुआत इस माह के अंत में होने जा रही है। इसमें पूर्व कोच संजय बांगड़ ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसक) का संभावित बल्लेबाजी क्रम बताया है। बांगड़ के अनुसार ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे ही पारी शुरुआत करेंगे। उन्होंने कहा कि ऋतुराज ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी ओपनर के रूप में की है, इसलिए उन्हें हमेशा पारी की शुरुआत करनी चाहिए ।वहीं मध्य क्रम में डेवाल्ट ब्रेविस और शिवम दुबे रहेंगे। बांगर ने आगे कहा कि तीसरे नंबर पर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन उतरेंगे। वहीं चौथे नंबर पर ब्रेविकस को अवसर मिल सकता है। वहीं पांचवें नंबर पर शिवम या कार्तिक शर्मा उतरेंगे। बांगर के मुताबिक इस संयोजन के साथ टीम की बल्लेबाजी मजबूत रहेगी। वहीं टीम की गेंदबाजी लेग स्पिनर राहुल चाहर के साथ ही स्पिनर नूर अहमद पर आधारित रहेगी। तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मुकेश कुमार के अलावा नाथन एलिस और मैट हैनरी के पास रहेगी।

इस लीग में इस बार विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन का होना सीएसके के लिए फायदेमंद रहो। लीग में सुपर किंग्स का अपना पहुला मुकाबला 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स से खेलना है। गुवाहाटी में होने वाले इस मुकाबले में दोनो ही टीमें जीत इरादे से उतरेंगी।

बांगड़ के अनुसर सैमसन के अच्छे फार्म से टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहेगी। सैमसन ने हाल में विश्वकप में पारी की शुरुआत करते हुए भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये थे। सैमसन नवंबर 2025 में एक बड़े ट्रेड करार के जरिए सीएसके से जुड़े थे। इस करार के तहत चेन्नई ने अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा और सैम करन को राजस्थान रॉयल्स को भेजा था और बदले में सैमसन को अपनी टीम में जगह दी थी।

सूर्यकुमार की सफलता के पीछे है पत्नी देविशा

नई दिल्ली । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव आज सबसे सफल कप्तानों में शामिल हैं पर उनकी इस सफलता के पीछे उनकी पत्नी देविशा रही है। सूर्यकुमार के अनुसार देविशा के ही पूछे एक सवाल कारण उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा मिली थी। सूर्या ने माना है कि आज देविशा के उस सवाल के कारण ही वह यहां तक पहुंचे हैं। साथ ही कहा कि यह साल 2018 की बात है जब देविशा ने सूर्यकुमार से एक सवाल पूछा, अगर आप भारत के लिए खेलना चाहते हैं, तो आपकी क्या योजना है?

उसके आठ साल बाद सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप में खिताब बरकरार रखा। सूर्यकुमार ने उस बातचीत को याद करते हुए कहा, हमारी शादी 2016 में हुई थी तब मैं केकेआर के लिए खेल रहा था। सब कुछ बहुत सहजता से आगे बढ़ रहा था। मैं अच्छा खेल रहा था, खेल का आनंद ले रहा था। जब मैं साल 2018 में मुंबई इंडियंस में शामिल हुआ तो वह तब तक के मेरे सफर और दिनचर्या को देखती रही। मुझे लगता है कि इसके बाद हमने चीजों को थोड़ा अलग तरीके से देखना शुरू कर दिया था।

उन्होंने कहा, उसने मुझसे कहा कि आपके साथ खेलने वाले सभी खिलाड़ी अब भारतीय टीम के लिए खेल रहे हैं। वहीं आप क्या चाहते हैं? तब मैंने कहा, मुझे भी भारत के लिए खेलना है। उसने पूछा, कैसे खेलोगे? उस सवाल ने करियर को लेकर मुझे सजग कर दिया। उस बातचीत से मुझे पता चला कि अपने लक्ष्य की ओर किस प्रकार बढ़ा जा सकता है। अगर मैं भारत के लिए खेलना चाहता हूं और भारत को जीत दिलाना चाहता हूं, तो मैं यह कैसे कर सकता हूं? एक बार जब अंतिम लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अतिरिक्त प्रयास करने का फैसला कर लिया गया तो उनकी जिंदगी में कुछ चुनौतियां भी सामने आई पर दोनो ने उनका सामना किया। उन्होंने कहा, हमें कई चीजों को कम करना पड़ा। इनमें खान-पान से लेकर सप्ताहांत में दोस्तों से मिलना, शनिवार-रविवार को आराम, सोमवार से शुक्रवार तक के कार्यक्रम शामिल थे। हमने इस तरह से शुरुआत की और 2018 में आईपीएल में मेरा प्रदर्शन (512 रन) बहुत अच्छा रहा और मैंने घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा, उस साल मुझे मुंबई इंडियंस की तरफ से पारी की शुरुआत करने का भी मौका मिला और मैंने रन भी बनाए। देविशा पीछे रहकर उनकी ताकत बनी रहीं। उन्होंने कहा, उसने सच्ची बातें बताकर मुझ पर बहुत प्रभाव डाला है। अगर आज मैं यहां पर खड़ा हूं तो इसमें उस बातचीत का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

देविशा ने कभी भी उनकी क्रिकेट को लेकर हस्तक्षेप नहीं किया क्योंकि वह उनका क्षेत्र नहीं था, लेकिन उन्होंने उन्हें क्रिकेट से परे जीवन के बारे में सलाह दी। सूर्यकुमार ने कहा, मैं उसे इसका पूरा श्रेय देता हूं क्योंकि उसने मुझे सिर्फ क्रिकेट में मेरे करियर को लेकर सलाह ही नहीं दी, बल्कि जीवन से जुड़ी कई बातें बताईं। मुझे क्या करना चाहिए? किसी खास परिस्थिति से कैसे निपटना चाहिए? मुझे खुद को कैसे पेश करना चाहिए? और सबसे महत्वपूर्ण उन्होंने घर में प्रवेश करने से पहले क्रिकेट को दरवाजे पर छोड़ने के लिए कहा।

कॉनवे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 6,000 रन बनाने वाले कीवी खिलाड़ियों में शामिल

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 6,000 रन पूरे कर लिए। इस मैच में हैमिल्टन ने 49 गेंदों में 5 चौके और दो छक्के 60 रन बनाए। इसी के साथ ही 143 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कॉनवे के नाम 164 पारियों में 40.70 की औसत से 6,025 रन हो गये हैं। इसमें 12 शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 227 रहा है। कॉनवे अब न्यूजीलैंड क्रिकेट में 16वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इस सूची में शीर्ष पर दिग्गज केन विलियमसन हैं जिन्होंने 376 मैचों और 449 पारियों में 48.35 की औसत से 19,292 रन बनाए हैं। इसमें 48 शतक और 103 अर्धशतक शामिल हैं और उनका अधिक स्कोर 251 रहा है।

आरसीबी अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेल सकेगी आईपीएल मैच

बेंगलुरु । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बेंगलुरु के अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2026 के आयोजन की अनुमति मिल गयी है। ऐसे में अब आरसीबी 28 मार्च को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल के 19 सत्र की शुरुआत कर करेगी। पिछले साल आरसीबी की जीत के बाद हुए एक समारोह में भगदड़ मच जाने के कारण कई लोगों की मौत को देखते हुए इस मैदान पर मैचों के आयोजन पर रोक लगा दी गयी थी जो अब हट गयी है। सरकार द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति ने इस स्थल को मंजूरी दे दी है। ऐसे में अब आरसीबी यहां सत्र के पहले मैच के साथ ही एक प्लेऑफ मुकाबला और फाइनल भी खेला जाएगा। आईपीएल में यह परंपरा रही है कि मौजूदा चैंपियन टीम घरेलू मैदान पर फाइनल खेलती है।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर द्वारा नियुक्त समिति ने स्टेडियम का गहन निरीक्षण किया और पूरे दिन चले ऑडिट में स्ट्रक्चरल कंप्लायंस और भीड़ नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों की जांच की गई। जी महेश्वर राव की अध्यक्षता वाले कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के अधिकारियों, आरसीबी के शीर्ष अधिकारियों और विशेषज्ञ समिति के सदस्यों के बीच बैठक के बाद इस स्टेडियम को मंजूरी दी गई।

गौरतलब है कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी पांच मैच खेलेगी जबकि दो मैच रायपुर के शहीद वीर नारायण स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह फैसला फ्रेंचाइजी और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच हुए पूर्व समझौते के तहत लिया गया है। आरसीबी ने केएससीए के साथ मिलकर डिजिटल क्यूआर कोडेड टिकट जारी करने का फैसला किया है जिससे स्टेडियम के पास भीड़ न हो पाये। . इसके अलावा, बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (बीएमआरसीएल) के साथ एक करार भी किया है। इससे दर्शकों को यात्रा में आराम रहे। मैच के दिन मेट्रो सेवाएं रात 1 बजे तक चलेंगी। मैच टिकट रखने वाले दर्शकों को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। बीएमआरसीएल भीड़ को नियंत्रित करने सभी रूट्स पर ट्रेनों का परिचालन भी बढ़ा सकता है। केएससीए ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के चारों ओर छह नए गेट बनाए हैं और पुराने गेट्स को चौड़ा किया है ताकि लोग आसानी से निकल सकें।

सिर्फ सरकारी कागजों में है घुमक्कड़ जाती

हकीकत में किसी भी जाति का नहीं मिल रहा लाभ

घुमक्कड़ जनजाति के प्रमाण पत्र होने के बावजूद भी सामान्य वर्ग में आ रहा समाज

गोलर समाज संगठन ने सौंपा ज्ञापन, घुमक्कड़ जनजाति को विशेष लाभ दिए जाने की करी मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासन प्रशासन द्वारा जहां एक ओर घुमक्कड़ जाति जनजाति के लोगों के उत्थान के लिए विशेष अभियान चलाने और अति पिछड़ी जाति के लोगों को विशेष आरक्षण देकर उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाए जाने का दावा किया जा रहा है। तो वहीं दूसरी ओर प्रदेश मे घुमक्कड़ जाति के लोगों को जाति संबंधी किसी भी सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है।हैरत की बात तो यह है कि विशेष पिछड़े वर्ग में होने के बावजूद भी घुमक्कड़ जाति को एसटी, एससी ,ओबीसी सहित किसी भी जनजाति में शामिल नहीं किया गया है और घुमक्कड़ जाति के लोग आज भी सामान्य वर्ग में आ रहे हैं। जिन्हें ना तो किसी वर्ग में पहचान दी गई है और ना ही घुमक्कड़ जाति के लोगो को शासकीय नौकरी में आरक्षण दिया जा रहा है। जिससे नाराज समाज के पदाधिकारियों ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर उनकी घुमक्कड़ जाति के गोलर समाज को विटीएन्टी जनजाति में शामिल कर, शासकीय नौकरी सहित अन्य क्षेत्र में विशेष आरक्षण दिए जाने की मांग की गई है।जिन्होंने उक्त मांग को पूरी करने के लिए शासन प्रशासन को 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है जहां समयसीमा के भीतर मांग पूरी

न होने पर कलेक्ट्रेट का घेराव कर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है। तो वहीं उन्होंने मांग पूरी न होने पर आगामी समय में होने वाले सभी चुनाव का बहिष्कार किए जाने का भी ऐलान किया है।

प्रदेश में केवल बालाघाट व सिवनी जिले में है घुमक्कड़ जाति के लोग

आपको बताएं कि पूरे मध्यप्रदेश में केवल बालाघाट जिला ही एक ऐसा जिला है जहां घुमक्कड़ जाति के लोग निवास करते हैंजहां बैहर,परसवाड़ा ,कटंगी, तिरोड़ी ,खैरलांजी और जामखाड़ी सहित अन्य जगहों में जिले में करीब साढे 4 हजार जाति के लोग हैं, जबकि सिवनी जिले के बरघाट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चिरचिरा में समाज के कुछ लोग निवासरत है।जिन्हें किसी भी जाति में शामिल नहीं किया गया है।जिससे गोलर समाज काफी नाराज है।जिन्होंने गोलर समाज को एससी, एसटी जनजाति में शामिल किए जाने की मांग की हैं।

घुमक्कड़-अर्ध घुमक्कड़ जातियों में थे शामिल गोलर

गोलर समाज संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि राजपत्र क्रमांक 6209 सा, आईके 65 भोपाल दिनांक 21 सितंबर 1965 के अनुसार अनुक्रमांक 25 पर गोलर जाति अंकित थी जिसमें जनजाति का उल्लेख किया गया है।पूर्व में 51 जातियां विमुक्त घुमक्कड़-अर्ध घुमक्कड़ जांतिया एक ही समूह में थे लेकिन वर्तमान में शासन द्वारा जातियों का विभाजन कर दिया गया है।जिंसमे गोलर समाज को सामान्य कर दिया है।उन्होंने बताया कि जातियों के विभाजन दस जातियों को पिछड़ वर्ग में शामिल किया गया है, और 15 जातियों को अनुसूचित जाति में एवं 27 जातियों को सामान्य श्रेणी में रखा गया है, जिसमें गोलर जाति को भी सामान्य श्रेणी में रखा गया है।

जातीं प्रमाण पत्र ना होने से नहीं मिल रही सरकारी नौकरी

पदाधिकारियों ने बताया कि गोलर जाति आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक रुप से पिछड़ी हुई जाति है जो कि पूर्व में होलिया समाज एवं गोलर जाति के रीति-रिवाज रहन-सहन एक समान है। तथा भाषा भी एक सामान है। होलिया समाज अनुसूचित जाति में शामिल है, जबकि गोलर समाज को छोड़ दिया गया है। उन्होंने बताया कि गोलर जाति को शासन द्वारा जो प्रमाण पत्र दिए गए है उसमें किसी भी वर्ग का उल्लेख नहीं किया गया है। ऐसी स्थिति में शासकीय नौकरी में गोलर जाति के प्रमाण पत्र को महत्व नहीं दिया जा रहा है। जिसके कारण शासकीय योजनाओं के लाभ से भी वंचित होना पड़ रहा है।

कलेक्ट्रेट का करेंगे घेराव, आगामी सभी चुनावो का होगा बहिष्कार- ललित गर्दे

ज्ञापन सौंपने के दौरान गोलर समाज के प्रदेशध्यक्ष ललित गर्दे ने बताया कि समाज के लोगों को जाति प्रमाण पत्र का लाभ नहीं मिल पा रहा है जिससे वह लगातार पीछे रहे हैं।यह मांग इसके पूर्व की गई थी आज अंबेडकर चौक गार्डन में बैठक का आयोजन कर रैली के माध्यम से कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौपा गया है।जिसमें जल्द से जल्द हमारी मांग को पूरी किए जाने की गुहार लगाई गई है।इस मांग को पूरा करने के लिए समाज संगठन द्वारा शासन प्रशासन को 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया गया है यदि इन 15 दिनों के भीतर हमारी मांग पूरी नहीं की जाती तो फिर समाज संगठन द्वारा कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा। तो वहीं आगामी समय में आने वाले समस्त चुनावो का सामाजिक बन्धुओ द्वारा बहिष्कार किया जाएगा।वही हम अपनी इस मांग को लेकर कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाएंगे।

घर में सो रही महिला के साथ अश्लील हरकत और छेड़छाड़- फरार आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने का एक मामला सामने आया। 15 एवं 16 मार्च की दरमियानी रात यह घटना उस समय हुई जब यह 45 वर्षीय महिला अपने घर में सो रही थी। इस महिला के द्वारा रिपोर्ट करने के ठीक बाद ही भरवेली पुलिस ने उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्ति संतोष उर्फ कपाला पिता तिलक चंद नेवारे 29 वर्ष ग्राम छोटा हीरापुर थाना भरवेली निवासी है। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह 45 वर्षीय महिला मजदूरी करती है और वह 15 साल से अपने दूसरे पति के साथ किराए से रहती है। जिनकी कोई संतान नहीं है। वह संतोष उर्फ कपाला नेवारे को पहचानती है। 15 मार्च की रात 9:00 बजे यह महिला अपने पति के साथ खाना खाकर सो रही थी। गर्मी के कारण दरवाजा अध खुला रख दिए थे और लाइट बंद थी। तभी रात 11:30 से 12:00 के बीच जब यह महिला गहरी नींद में सो रही थी।तभी एक व्यक्तिअंधेरे का फायदा उठाकर घर मे घुस गया और इस महिला के साथ अश्लील हरकत करते हुए छेड़छाड़ करने लगा था । महिला चिल्लाई आवाज

सुनकर उसका पति उठा और उस व्यक्ति का हाथ पकड़ लिया जिसके बाद इस महिला ने अपने पति के साथ इस व्यक्ति को पकड़ कर घर से खींचकर बाहर रोड पर खंबे के लाइट में लाये। देखे यह व्यक्ति पड़ोस में रहने वाला संतोष उर्फ कपाला था। मौके पर मोहल्ले वालों की भीड़ लग गई थी।तभी संतोष उर्फ कपाला इस महिला झटका मारकर फरार हो गया। 16 मार्च को यह महिला रिपोर्ट करने के लिए भरवेली पुलिस थाना पहुंची। भरवेली पुलिस ने इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर संतोष उर्फ कपाल के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किये। और थाना प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह पन्द्रों के मार्गदर्शन पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संतोष उर्फ कपाला की खोजबीन शुरू की ।शाम के समय सूचना मिली कि संतोष उर्फ कपाल अपने घर में है। भरवेली की पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर उसे घर में ही पकड़े। जिसे गिरफ्तार करके 17 मार्च को बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिए। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

महात्मा फूले एवं डॉ अम्बेडकर संयुक्त जयंती समारोह का होगा भव्य आयोजन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर के डॉ बाबा साहब अम्बेडकर बस स्टैण्ड किरनापुर मे आगामी 14 अप्रैल को शिक्षा क्रांति के जनक महात्मा ज्योतिबा राव फूले एवं संविधान शिल्पकार बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर संयुक्त जयंती समारोह बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। इस अवसर पर सर्वप्रथम 13 अप्रैल की रात्रि मे भव्य आतिशबाजी कर केक काट कर जन्मदिन की खुशियां मनाई जाएगी। वही

14 अप्रैल को सुबह 9 बजे बस स्टैण्ड किरनापुर मे बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा वंदना की जाएगी तत्पश्चात् सुबह 9.30 बजे संविधान चौक मे महात्मा ज्योतिबा राव फूले एवं बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया जाएगा। तथा सुबह 10 बजे शाक्यमुनि बुद्ध विहार मे महापरित्राण पाठ कर प्रसादी वितरण किया जाएगा। वहीं दोपहर 2 बजे बस स्टैण्ड किरनापुर से डीजे की धुनों पर भव्य रैली निकाली जाएगी जो नगर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए पुन: बस स्टैण्ड मे एकत्रित होगी।जहां मंचीय कार्यक्रमो का आयोजन श्रीनिवास बारमाटे, सामाजिक कार्यकर्ता के मुख्यातिथ्य एवं धर्मकला भाई जे पी रामटेके सरपंच ग्राम पंचायत किरनापुर की अध्यक्षता एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुनील मेश्राम, भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा किरनापुर अध्यक्ष दुरेन्द्र सावनकर, सामाजिक कार्यकर्ता मीना ऊईके, सामाजिक कार्यकर्ता सर्व आदिवासी समाज संगठन तिलकचंद खंडवाहे, मनोहर छिपेकर अध्यक्ष रविदासिया समाज संगठन किरनापुर, बालचंद पांचे सरपंच ग्राम पंचायत बम्हनगांव, मनमोहन वैद्य सरपंच ग्राम पंचायत मौदा के विशेष आतिथ्य मे आयोजित किया जाएगा। वही रात्रि मे इस अवसर पर शानदार ऑर्केस्ट्रा मे भीम एवं फूले के जीवन चरित्र पर आधारित गीतों की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी जाएगी। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक समिति अध्यक्ष जे पी रामटेके, उपाध्यक्ष अमित गेडाम, एन के मेश्राम, बी आर डोंगरे, सचिव एस आर पटले, सह सचिव-संदीप नागवंशी, हंसराज वाहने, कोषाध्यक्ष राकेश बोरकर, संरक्षक व्ही एन मेश्राम, एस सी वैद्य, दुर्गेश भीमटे, रविन्द्र शेंडे, गौतम भीमटे, विनोद बांसोड़,रोहिदास मेश्राम,राजेन्द्र वैद्य, राजेश वंजारी, दिलीप वैद्य, वाय आर रामटेके, एच डी मेश्राम सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों एवं ग्रामीणों ने क्षेत्रवासियों से आयोजित कार्यक्रमों मे शामिल होकर अपनी सहभागिता प्रदान करने का आव्हान किया है।

सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल का गणगौर महोत्सव शुरू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल बालाघाट द्वारा पारंपरिक गणगौर पर्व 22 मार्च को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।जिसके तहत नगर में भव्य रूप से पाराम्परिक गणगौर शोभायात्रा निकालकर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।जिसकी शुरुवात सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल बालाघाट द्वारा 17 मार्च से शुरू कर दी गई है।जहा महिला मंडल द्वारा गणगौर महोत्सव के उपलक्ष्य में मंगलवार को गुजरी चौक, वार्ड नंबर 9 में बिंदौले का पारंपरिक पर्व मनाया गया। जहां जिले की सर्व राजस्थानी समाज की महिलाओं ने आयोजित विभिन्न कार्यक्रमो में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। जिसमें गणगौर प्रतिमा की सजावट, कलश सजावट, घूमर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें समाज की महिलाओं ने सहभागिता की।बताया गया कि बिंदोले का पर्व, वास्तव में भगवान शिव (ईसर जी) और माता पार्वती (गौरी) के विवाह पूर्व के उत्सवों का प्रतीक है। जिस प्रकार हिंदू शादियों में दूल्हा-दुल्हन की बिंदोली निकाली जाती है, उसी प्रकार गणगौर उत्सव के ईसर-गौरी की बंदोली निकाली जाती है।इस अवसर पर सर्व राजस्थानी समाज की महिलाओं ने पारंपरिक गणगौर महोत्सव पर यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें समाज की महिलाओं एवं युवतियों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में भाग लेकर अपनी संस्कृति और परंपराओं के साथ पहुंची थी।

22 मार्च को होगा भव्य आयोजन- ज्योति

सर्व राजस्थानी समाज की महिला अध्यक्ष ज्योति जुगल

शर्मा ने बताया कि गणगौर पर्व राजस्थानी समाज की आस्था और संस्कृति का प्रमुख उत्सव है। इस आयोजन का उद्देश्य समाज की परंपराओं को आगे बढ़ाना एवं नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि 22 मार्च को गणगौर शोभायात्रा, राजस्थानी संस्कृति और महोत्सव परंपरा के साथ निकाली जाएगी और आगामी वर्ष में इसे वृहद रूप से आयोजित किया जाएगा।इस दौरान सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल की सचिव श्रीमती पूजा शर्मा, सहसचिव श्रीमती पूनम शर्मा, कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण सोनी, सह कोषाध्यक्ष श्रीमती रीना शर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती मनोरमा महेश्वरी, श्रीमती मालती पुरोहित, श्रीमती किरण शर्मा,श्रीमती तृप्ति शर्मा, श्रीमती आरती शर्मा, सांस्कृतिक प्रभारी श्रीमती शिल्पा पुरोहित, श्रीमती रिया शर्मा, ब्राह्मण समाज प्रभारी श्रीमती आशा शर्मा, माहेश्वरी समाज प्रभारी श्रीमती रत्ना माहेश्वरी, सोनी समाज प्रभारी श्रीमती सरिता वर्मा, राजपुरोहित समाज प्रभारी श्रीमती भावना राजपुरोहित, खाती समाज प्रभारी श्रीमती मंजू शर्मा, जैन समाज प्रभारी श्रीमती प्रीति सेठिया, प्रवक्ता श्रीमती पायल चौरडिया, सह प्रवक्ता श्रीमती शारदा शर्मा, मीडिया प्रभारी श्रीमती श्वेता शर्मा सहित महिला मंडल की सलाहकार समिति सदस्य श्रीमती राधा शर्मा, श्रीमती सविता शर्मा, श्रीमती दुर्गा राठी, श्रीमती राधिका सोनी, श्रीमती अरुणा शर्मा, श्रीमती अंजलि पालीवाल, श्रीमती विनीता शर्मा, श्रीमती माधवी शर्मा, श्रीमती शोभा शर्मा, श्रीमती दुर्गा जैन तथा कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती मोना शर्मा, श्रीमती अनुराधा शर्मा, श्रीमती रेखा शर्मा, श्रीमती चंचल शर्मा, श्रीमती कंचन शर्मा, श्रीमती ज्योति सोनी, श्रीमती पायल शर्मा पंचारिया, श्रीमती रूपा माहेश्वरी, श्रीमती कविता सोनी, श्रीमती उमा शर्मा, श्रीमती रश्मि शर्मा सहित महिला संगठन की अन्य पदाधिकारी सदस्य व सामाजिक महिलाए प्रमुख रूप से उपस्थिति रही।

राइस मिलों में केमिकल मिलाने की खबरों पर प्रशासन सख्त

वारासिवनी में राइस मिलों का औचक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मीडिया में राइस मिलर्स द्वारा चावल को कृत्रिम रूप से सुगंधित बनाने के लिए केमिकल मिलाने की खबरों के बाद जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने 17 मार्च को वारासिवनी क्षेत्र में राइस मिलों का औचक निरीक्षण किया। अभीहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप के मार्गदर्शन में पहुंची खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश डोंगरे, वाजिद मोहिब एवं श्रीमती गीता टांडेकर की टीम ने वारासिवनी में लालबर्रा रोड स्थित गायत्री राइस मिल की जांच की। निरीक्षण के दौरान काली मूंछ नामक सुगंधित चावल और उसमें उपयोग किए जाने वाले एसेंस के नमूने जांच के लिए लिए गए। साथ ही पैकिंग में उपयोग हो रही बोरियों की भी जांच की गई, जिन पर एडेड फ्लेवर (स्नस्नद्गस्न स्नद्यड्ड1शह्व) का उल्लेख पाया गया। इसके बाद टीम ने कटंगी रोड स्थित आनंद राइस मिल का निरीक्षण किया। यहां से भी काली मूंछ सुगंधित चावल और फ्लेवर्ड राइस के नमूने लेकर राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल भेजे गए। निरीक्षण में यहां भी पैकिंग पर एडेड फ्लेवर का डिक्लेरेशन किया हुआ पाया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने कहा है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

सार्थक स्कूल की प्रतिभावान छात्रा लावण्या गिरिपुंजे जवाहर नवोदय विद्यालय हेतु चयनित

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। नगर मुख्यालय ग्राम किरनापुर में बाबा जुमदेवजी जनकल्याण समिति वारा किरनापुर द्वारा अंग्रेजी माध्यम में संचालित सार्थक पब्लिक स्कूल किरनापुर की कक्षा 5 वी की छात्रा लावण्या गिरिपुंजे पिता श्री पुरुषोत्तम गिरिपुंजे का जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 में कक्षा 6वी में चयन होने पर संस्था प्रमुख इंजी. जितेंद्र भोंडेकर नें लावण्या गिरिपुंजे को ढेर सारी बधाई के साथ साथ उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। प्रतिभावान छात्रा लावण्या गिरिपुंजे के जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित होने पर सार्थक पब्लिक स्कूल के शिक्षक श्री भूपेंद्र सिंह, रुपाली जांगड़े, रोहिणी ऊके, अजय सूर्यवंशी, यशुला नगपुरे, कल्याणी सहारे का सराहनीय योगदान रहा हैं।,साथ ही स्कूल के सभी टीचर्स ने लावण्या गिरिपुंजे के नवोदय में चयन होने पर ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

19 से 21 मार्च तक आंधी-तूफान व हल्की बारिश की संभावना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार जिले में आगामी 19 से 21 मार्च 2026 के दौरान मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इस अवधि में आंधी-तूफान के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना जताई गई है।

मस्जिदों में विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुस्लिम समाज के लोगों पर 5 फर्जों की अदायगी अनिवार्य की गई है। जिसमें रमजान शरीफ के रोजे रखना भी एक अहम फर्ज है अपने इसी फर्ज की अदायगी के लिए मुस्लिम समाज के लोगो द्वारा रमजान शरीफ में पूरे माह रोजा रख विशेष इबादत की जाती है। वही रमजान शरीफ के अंतिम अशरे में 26 वा रोजा मुकम्मल कर 27 वी शब को शबे कद्र मनाई जाती है।जो इस साल सोमवार की रात मनाई गई। शबे कद्र पर मुस्लिम समाज के पुरुष मस्जिदों मदरसो व अन्य इबादतगाहो में जाकर पूरी रात विशेष तिलावत व विशेष नमाजे अदा करते हुए नजर आए ,तो वही मुस्लिम महिलाएं घरों में रात भर इबादत कर अपने गुनाहों की माफी मांगती दिखाई दी। इसके अलावा मुस्लिम पुरुष इसी रात

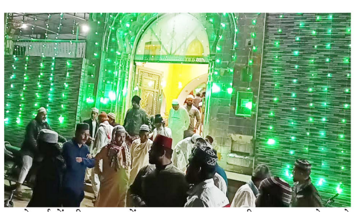

अपने पूर्वजों की कब्रगाह में जाकर उन्हें याद करते हुए भी दिखाई दिए। तो वही इबादगाहों में मिलाद शरीफ, दरूद खानी, कुरआन खानी, नात खानी, तकरीर ,नमाज सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए जो पूरी रात तक चलते रहे।

विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

एक महीना तक चलने वाले पवित्र रमजान महीने के अंतिम पड़ाव को लेकर, जहां मोमिनों में शबे कद्र की खुशी है वहीं दूसरी ओर इस महीने के अलविदा होने का गम भी है। इसी बीच 26 वे रोजे पर शबे कद्र मनाई गई जिसको लेकर मस्जिदों में आकर्षक रोशनी की गई थी। इबादत गुजार रात भर जागकर इबादत करते रहे वही कब्रिस्तान पहुंचकर अपने पूर्वजों को भी याद किया और उनके लिये भी दुवाएं की गई। मस्जिदों में विशेष नमाज तरावीह में हाफिजो द्वारा कुराने पाक मुकम्मल किया गया है जिससे मस्जिद कमेटी द्वारा उनका फूलमाला से स्वागत कर नजराने के तौर पर नगद राशि सहित अन्य सामग्री भेंट की गई , इसके अलावा मस्जिदों के ईमाम, मोअज्जिन, खिदमतगुजारों को भी नजराने के तौर पर नकद राशि व अन्य सामग्रियां देकर उनका भी सम्मान किया गया। शहर की जामा मस्जिद,और मस्जिदे आला हजरत जामिया नूरिया मदरसा में शबे कद्र पर विशेष आयोजन रहा और देर रात तक यहां महफिल चलती रही। इसके बाद ईबादतगुजार नमाजें, तिलावत एवं अन्य ईबादत करते रहे। इस तरह पूरी रात जहां ईबादत में बीती वहीं फिर अगला दिन भी रोजा रख ईबादत के साथ शुरू हो गया।

पुलिस पेंशनर्स कार्यालय की मांग को लेकर संघ ने की एसपी से मुलाकात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश पुलिस पेंशनर संघ बालाघाट द्वारा मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के नवीन भवन पहुंचकर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा से मुलाकात की गई। इस दौरान पेंशनर संघ के अध्यक्ष उमेश प्रजापति सहित सभी पेंशनर्स द्वारा पेंशनर्स कार्यालय की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौपा गया। जिसमें उन्होंने वर्तमान में पुराना पुलिस कार्यालय, या अजाक कार्यालय में पेंशनर्स की बैठक के लिए एक कमरा दिए जाने की मांग की, तो वहीं वरिष्ठ बास्केटबॉल खिलाड़ी व सेवानिवृत्त

कर्मचारी नरेंद्र परिहार ने पुलिस लाइन ग्राउंड के बारे में चर्चा की,जिसमें उन्होंने तत्काल खेल एवं पुस्तकालय मंत्रालय भोपाल से फोन पर चर्चा कर ग्राउंड बनवाने को लेकर आग्रह किया। इस दौरान अध्यक्ष उमेश चंद्र प्रजापति, उपाध्यक्ष झनकराम मानेपुरे, भानु उपाध्याय, शम्भू कविता, नरेंद्र परिहार, प्रमोद शुक्ला, राम बहादुर यादव, सुश्री जयशीला मेश्राम, खड़क सिंह उइके, गोरेलाल बसेने, टीआर मिरचुले, नंदू कोसरकर, परनसिंह मड़ावी, और पीएल सोनवाने सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप की उपस्थित रहे।

मुद्दतों बाद मिला भूमि का पट्टा, अब वन विभाग उक्त भूमि से कर रहा बे-दखल

बिरसा की ग्राम पंचायत बंदनिया का मामला, पीड़ित महिलाओं ने सौपा ज्ञापन, कहा-पीओआर के नाम पर वसूले 16 हजार, 2 वर्ष बाद 2016 की थमाई गई रसीद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बंदनिया में खेती करने के लिए पट्टे पर दी गई फॉरेस्ट की जमीन से, दो लोगों को बे-दखल करने के आदेश जारी करने का एक मामला सामने आया है।जिसके विरोध में पीडित महिलाओं ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौपते हुए मामले में इंसाफ दिए जाने की मांग की है।सौपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने पीओआर के नाम पर वन विभाग कर्मचारी द्वारा 16000 रुपए लेने का उल्लेख करते हुए, तुरन्त उक्त राशि की रसीद ना देने, और रकम लेने के 2 वर्ष बाद 16000 रु की जगह महज 2016 रुपए की रसीद थमाए जाने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में पीड़ित महिलाओं ने उन्हें इंसाफ दिए जाने, 16000 रुपए वसूलकर 2016 रुपए की रसीद थमाने वाले कर्मचारियों पर वैधानिक कार्रवाई करने और उन्हें उनके पट्टे वाली जमीन से बे-दखल न किए जाने की गुहार लगाई है। ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान बंदनिया निवासी फुलमत केराम और रामकलीबाई केराम ने संयुक्त रूप से बताया की उनके गाँव के लगभग 30 परिवार पिछले 20 वर्षो से अधिक समय से कान्हा टाईगर रिजर्व के बफरजोन की भूमि में फसल लगाकर कमा खा रहे है। जिसका हमारे पास शासन द्वारा जारी पट्टा उपलब्ध है। वर्ष 2024 में हमारे पति द्वारा, वन परिक्षेत्र फारेस्ट गार्ड के कहने पर 16 मार्च 2024 को पी.ओ.आर. के नाम पर 8-8 हजार कुल 16 हजार रूपये नगद राशि दी गई थी, किंतु उक्त राशि की रसीद उस समय प्रदान नही की गई। इसके लगभग 2 वर्ष पश्चात 06 मार्च 2026 को केवल 2016 रू का पी.ओ.आर. रसीद मनीराम के नाम से जारी की गई,जबकि दूसरी महिला के पति के नाम से पीओआर

जारी नही किया गया। जबकि वास्तविक राशि 8-8 हजार रूपये ली गई थी और दोनो के नाम से अलग-अलग रसीद जारी की जाना चाहिए।उन्होंने बताया कि हमारे अशिक्षित होने एवं जानकारी के अभाव में हमारे पति से वर्ष 2016 को राशि लेना बताया गया है। ।महिला ने बताया कि 15 मार्च 2026 को परिक्षेत्र अधिकारी समनापुर बफरजोन द्वारा पति मनीराम के नाम से नोटिस जारी कर 16 मार्च 2026 को कथन लिया गया।कथन में पीओआर के नाम से 16 हजार रु की जगह 2016 रु की राशि 2026 में लेना बताकर हस्ताक्षर करा लिये गये।अब उक्त पट्टे वाली भूमि से हमें बे-दखल करने की बात कही जा रही है।अधिकारी लोग कह रहे हैं कि उक्त भूमि पर खेल ग्राउंड बनेगा, जबकि उस भूमि पर हम बरसों से खेती करते आ रहे हैं और उस भूमि का हमारे पास पट्टा भी है।हमारी मांग है कि इस मामले में हमें न्याय दिलाया जाए ,अधिक राशि लेकर कम राशि की रसीद देने वाले कर्मचारी पर कार्यवाही की जाए।हमारे नाम से जारी पट्टे वाली उस भूमि से हमें बे-दखल ना किया जाए। इसी मांग को लेकर आज हमने ज्ञापन सौपा है।

न्यूज गैलरी

मकान का कालम गड्ढा खोदने पर पड़ोसी ने की पिटाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बेलगांव में एक व्यक्ति को मकान निर्माण के दौरान मारपीट कर घायल कर दिया गया। घायल व्यक्ति रमेश पिता रघुनाथ नागवंशी 55 वर्ष का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया वही इस व्यक्ति द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पड़ोसी संजय नागवंशी के विरूद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रमेश नागवंशी अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करते हैं। उनके पड़ोस में संजय नागवंशी रहते हैं और दोनों का मकान पास पास में ही है। बताया गया कि रमेश नागवंशी और उसके पड़ोसी संजय नागवंशी के विरुद्ध विवाद चल रहा है। इस विवाद के चलते 16 मार्च को 10:00 बजे रमेश नागवंशी मकान बनाने के लिए कालम का गड्ढा खोद रहा था। इस समय संजय नागवंशी आए और बोले की हमारी हद में क्यों मकान बनाने के लिए गद्दा खोद रहे हो। रमेश नागवंशी ने उसे बोला कि मैं अपने हद में मकान बनाने गड्ढा खोद रहा हूं। संजय नागवंशी ने उसे बोला कि जहां तुम मकान बने कालम के लिए गड्ढा खोद रहे हो वह मेरे हद में है। इसी को लेकर के दोनों के बीच विवाद हो गया और संजय नागवंशी ने रमेश नागवंशी को अश्लील गालियां देते हुए हाथबुक्के से मारपीट कर जमीन में धकेल दिया। जिससे रमेश नागवंशी घायल हो गया और उसके बाद संजय नागवंशी ने उसे यहां मकान बनाने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद रमेश नागवंशी रिपोर्ट करने के लिए किरनापुर पुलिस थाना पहुंचा। किरनापुर पुलिस ने मारपीट में घायल रमेश नागवंशी का इलाज अपने यहां के अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर संजय नागवंशी के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

नजूल बकाया पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

दो दुकानदारों के तीन प्रतिष्ठान सील, विरोध करने वाले पर होगी कानूनी कार्रवाई

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

तहसीलदार बालाघाट द्वारा नजूल नवीनीकरण की राशि जमा नहीं करने वाले बकायादारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए दो दुकानदारों के तीन प्रतिष्ठान को सील कर दिया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई के दौरान एक दुकान पर काफी हंगामा भी देखने को मिला। दुकानदारों द्वारा लंबे समय से नजूल नवीनीकरण की राशि जमा नहीं की गई थी, जिसके चलते प्रशासन ने यह कदम उठाया। कार्रवाई के दौरान एक दुकान को सील करते समय विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई और मौके पर मौजूद लोगों के बीच बहस भी हुई। इस दौरान तहसीलदार बालाघाट ने स्पष्ट किया कि शासन के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

17 मार्च को शहर में नजूल नवीनीकरण की बकाया राशि की वसूली को लेकर प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए कुछ दुकानों पर कुर्की एवं सीलिंग की कार्रवाई की। तहसीलदार बालाघाट सुनील वर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई शाम के समय की गई, जिससे बकायादारों में हड़कंप मच गया। तहसीलदार सुनील वर्मा ने मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि वर्तमान में नजूल राजस्व की वसूली का अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत शहर के बड़े बकायादारों को लगातार नोटिस जारी कर बकाया राशि जमा करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो लोग नोटिस के बावजूद राशि जमा नहीं कर रहे हैं, उनके खिलाफ कुर्की की कार्रवाई करते हुए दुकानों को सील किया जा रहा है। इसी क्रम में सबसे पहले मणी जैन पति राकेश जैन, निवासी वार्ड क्रमांक 17 के प्रतिष्ठान पर कार्रवाई की गई। उन पर भू-राजस्व की 2 लाख 29 हजार 500 रुपये की बकाया राशि थी। नोटिस जारी किए जाने के बाद भी राशि जमा नहीं करने पर प्रशासन ने उनके प्रतिष्ठान को कुर्क कर सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति द्वारा विरोध किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। तहसीलदार ने बताया कि शासकीय कार्रवाई में बाधा उत्पन्न करने को लेकर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा काली पुतली चौक क्षेत्र में मेन रोड़ पर भी कार्रवाई की गई। यहां राकेश गुप्ता पिता राधेश्याम गुप्ता पर नजूल नवीनीकरण की 1 लाख 20 हजार 632 रुपये की बकाया राशि थी। राशि जमा नहीं करने पर उनकी काली पुतली चौक के आगे संचालित मद्रास होटल एवं वैदिक मेंस एंड किड्स वेयर की दो दुकानों पर कुर्की की कार्रवाई करते हुए दुकान बंद कर दिया गया हैं । तहसीलदार सुनील वर्मा ने आगे बताया कि शहर में ऐसे कई बकायादार हैं, जिन पर 15 से 20 लाख रुपये तक की नजूल नवीनीकरण की राशि बकाया है। ऐसे सभी मामलों में नोटिस जारी किए जा चुके हैं और यदि समय पर राशि जमा नहीं की जाती है, तो उनके प्रतिष्ठानों पर भी इसी प्रकार कुर्की एवं सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सभी बकायादारों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे शीघ्र अपनी बकाया राशि जमा करें, अन्यथा उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बेटे और पत्नी को मारपीट करने के बाद एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उपनगरीय वार्ड नंबर 13 बूढ़ी के गंगानगर में एक व्यक्ति ने अपने बेटे और पत्नी को मारपीट करने के बाद फांसी पर झूल गया। 16 मार्च की शाम 5:00 बजे यह घटना उस समय हुई जब यह व्यक्ति अपने घर में बेटी के साथ में था। इस व्यक्ति को फांसी के फंदे से उतार कर बेहोशी की हालत में जिला अस्पताल लाये। जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिए। मृतक का नाम महेश पिता ताराचंद खोबरागड़े 40 वर्ष गंगानगर निवासी बताया गया है। इस व्यक्ति द्वारा शराब के नशे में फांसी लगाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेश खोबरागड़े अपनी पत्नी संध्या खोबरागड़े के साथ मजदूरी करता था। जिनके परिवार में एक बेटा अनिकेत 16 वर्ष और बेटी एंजल 12 वर्ष की है। बताया गया कि महेश खोबरागड़े शराब पीने का आदी था। 16 मार्च को सुबह 8:00 बजे संध्या मजदूरी करने चली गई थी । 2:00 बजे संध्या घर लौटी। उस समय महेश खोबरागड़े अत्यधिक शराब पीकर घर आया था। जिसे उसके बेटे अनिकेत ने बोला कि पापा मेरा मोबाइल कहां है, तब महेश खोबरागड़े ने बोला कि मैंने मोबाइल बेच दिया है। अनिकेत ने उन्हें बोला कि मेरी ऑनलाइन क्लास रहती है, मैं कैसे पढ़ाई करूंगा। उसने अपने पिता महेश खोबरागड़े को समझाइश देते हुए बोला कि पापा अब तो सुधर जाओ, दारू पीना छोड़ दो, बेटे अनिकेत के यह कहते ही महेश उसे मारपीट करने लगा था। बीच बचाव करने जब संध्या आई तो महेश खोबरागड़े ने उसे भी मारपीट कर दिया। झगडा शांत हो गया था। उसके बाद अनिकेत अपने बड़े पिता के घर चला गया। महेश खोबरागड़े ने घर में खाना खाया और टीवी पर कार्यक्रम देखने लगा था। दोपहर 4:00 बजे संध्या काम पर चली गई।महेश खोबरागड़े अपनी बेटी एंजल के साथ में ही घर में था। शाम 5:00 बजे महेश खोबरागड़े को उसकी बेटी एंजल ने कमरे के अंदर पंखे में फांसी पर लटकी हुई देखी और वह मोहल्ले के लड़कों के साथ अपनी मां संध्या खोबरागड़े को बताने गई। संध्या तुरंत घर आई और देखी घर के सामने पुलिस भी थी। घर के अंदर उसका पति पंखे में गमछा बांधकर लटका हुआ था। जिसकी प्लस चल रही थी।वह बेहोशी के हालत में था। महेश को फंदा से उतार कर तुरंत डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाये।जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिये। महेश खोबरागड़े की मौत हो चुकी थी। 17 मार्च को जिला अस्पताल पुलिस ने महेश खोबरागड़े का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। संभावना व्यक्त की गई है कि अत्यधिक शराब के सेवन और बेटे और पत्नी को मारपीट करने की आत्मग्लानी में महेश खोबरागड़े ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले की आगे जांच कोतवाली पूरी द्वारा की जा रही है।

छोटा हाथी पिकअप ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर-बेटे की मौत, पिता घायल

तिरोड़ी थाना क्षेत्र के सुकली जंगल मेन रोड पर हुआ हादसा, माता-पिता का इकलौता बेटा था विनय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के तिरोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सुकली के जंगल मेन रोड पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार छोटा हाथी पिकअप ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका पिता घायल हो गया।मृतक युवक का नाम विनय पिता भरत दशमेर 18 वर्ष ग्राम जामुनटोला चाकाहेटी निवासी बताया गया है। वहीं घायल इस युवक के पिता भरत दशमेर 50 वर्ष को इलाज के लिए कटंगी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भरत दशमेर अपने परिवार के साथ खेती-मजदूरी करते हैं। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। बेटा विनय कक्षा 11वीं का छात्र था और परिवार का इकलौता बेटा था। बताया गया कि 16 मार्च को सुबह करीब 10 बजे विनय अपने पिता भरत दशमेर को नागपुर जाने के लिए सुकली रेलवे स्टेशन छोड़ने मोटरसाइकिल से जा रहा था। इसी दौरान चाकाहेटी से सुकली के बीच जंगल मेन रोड पर सामने से आ रही तेज रफ्तार छोटा हाथी पिकअप ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों पिता-पुत्र सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और दोनों को तत्काल कटंगी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने विनय को मृत घोषित कर दिये। बताया जा रहा है कि विनय की मौत अस्पताल ले जाते समय ही रास्ते में हो चुकी थी। वहीं इस हादसे में उसके पिता भरत दशमेर को मामूली चोटें आई हैं और उनका उपचार जारी है।घटना की सूचना मिलते ही तिरोड़ी थाना से सहायक उपनिरीक्षक उमेश दियेवार अपनी टीम के साथ कटंगी अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही पिकअप चालक के खिलाफ तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाकर मृत्यु कारित करने का मामला दर्ज कर लिया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

मासूम की जलसमाधि- बहन को बचाने मौत से भिड़ा भाई पर जिंदगी हार गई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के लामता थाना क्षेत्र के ग्राम दौनी में मंगलवार की दोपहर एक हंसता-खेलता माहौल अचानक मातम में बदल गया। 10 वर्षीय मासूम वर्षा पिता संतोष भलावी अपनी सहेलियों के साथ तालाब में नहाने गई थी।लेकिन यह मासूम मस्ती उसकी जिंदगी की आखिरी घड़ी बन गई। गहरे पानी में

फंसने से उसकी तालाब में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे ने न सिर्फ एक परिवार को उजाड़ दिया।बल्कि पूरे गांव को शोक में डुबो दिया है।

भाई की बेबसी और बहन की अंतिम पुकार

जब वर्षा गहरे पानी में डूबने लगी, तो उसकी सहेलियां घबराकर गांव की ओर मदद के लिए दौड़ीं। जैसे ही यह खबर घर पहुंची।उसका भाई बिना एक पल गंवाए तालाब की ओर भागा और सीधे पानी में कूद पड़ा। अपनी बहन को बचाने के लिए उसने पूरी ताकत झोंक दी। वह वर्षा तक पहुंचा और उसे पकड़कर किनारे लाने की कोशिश भी की, लेकिन पानी की गहराई और तेज दबाव ने उसे भी अपनी गिरफ्त में लेना शुरू कर दिया। मौत को बेहद करीब महसूस करते हुए, भारी मन और टूटते हौसले के साथ उसे अपनी बहन को छोड़कर खुद की जान बचानी पड़ी। यह पल इतना दर्दनाक था कि जिसने भी सुना, उसकी आंखें नम हो गईं। भाई की यह बेबसी आज पूरे गांव के दिल को चीर रही है।

गांव में पसरा मातम और सन्नाटा

बाद में ग्रामीण अनिरुद्ध उईके ने कड़ी मशक्कत के बाद वर्षा के शव को तालाब से बाहर निकाला। सूचना मिलते ही एएसआई तिलक दुरूगकर मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।दोपहर 3 से 4 बजे के बीच हुई इस घटना ने पूरे गांव की रौनक छीन ली। जहां कुछ समय पहले बच्चों की हंसी गूंज रही थी। वहां अब सिसकियां और गहरा सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। लेकिन इस हादसे ने जो जख्म दिए हैं, उन्हें भर पाना शायद कभी संभव नहीं होगा।

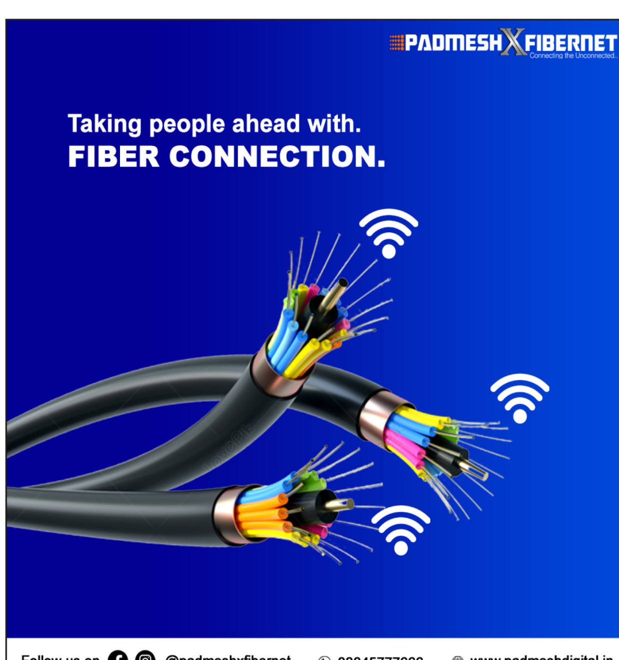

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट